डिजिटल संस्करण

केशव टाइम्स

10 अप्रैल 2025

गुरुवार

सरकार ने बदला फैसला, अब ऑटो से स्कूल जा सकेंगे बच्चे, एक तरफ का गेट होगा बंद

2

बंगाल में नहीं लागू होगा वक्फ कानून: ममता

बंगाल की सीएम का वादा

एजेंसी/कोलकाता

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में मंगलवार को वक्फ कानून के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई थी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच तीखी झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के वाहनों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी थी। इसी बीच वक्फ कानून को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून लागू नहीं होगा। सीएम ममता बनर्जी ने जैन समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही है। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि वह अल्पसंख्यक लोगों और उनकी संपत्ति की रक्षा करेंगी। सीएम बनर्जी ने कहा कि चाहे आप मुझे गोली मार दें, लेकिन धार्मिक आधार पर बंगाल का विभाजन नहीं होने दूंगी।

सीएम बोलीं... फूट डालो और राज करो की नीति नहीं होगी सफल

सीएम ममता ने यह भी आश्वासन दिया कि उनकी सरकार अल्पसंख्यक समुदायों और उनकी संपत्तियों की रक्षा करेगी और बंगाल में फूट डालो और राज करो की नीति को सफल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि वे उन लोगों की बातों पर ध्यान नहीं दे जो उन्हें राजनीतिक आंदोलन शुरू करने के लिए उकसाते हैं। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति देखिए। इस समय वक्फ संशोधन विधेयक को पारित नहीं करना चाहिए था। बंगाल में 33 प्रतिशत अल्पसंख्यक है। ममता बनर्जी ने जैन समुदाय के कार्यक्रम में कहा कि जब दीदी यहां होंगी तो वह आपकी और आपकी संपत्ति की रक्षा करेंगी। हमें एक-दूसरे पर भरोसा रखना चाहिए। सीएम ने कहा कि मैं सभी धर्मों के स्थानों पर जाती हूं और ऐसा करना जारी रखूंगी।

संवैधानिक प्रावधानों को समझ नहीं पा रहीं ममता बनर्जी: भाजपा– वहीं भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि किसी भी मुख्यमंत्री का यह कहना कि वह भारत के कानून को अपने प्रदेश में लागू नहीं होने देगी, संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि यह बयान बेहद दुखद और भारत के संविधान की आत्मा के खिलाफ है, जो कानून संसद के जरिये पारित हो चुका है, वह पूरे देश में लागू होगा। ममता बनर्जी संवैधानिक प्रावधानों को समझ नहीं पा रहीं है।

आकाशीय बिजली गिरने से बिहार में 13 लोगों की मौत

मुआवजे का ऐलान

केटी न्यूज/पटना

बिहार के विभिन्न जिलों में आकाशीय बिजली के कारण हाहाकार मचा हुआ है। राज्य के 4 जिलों में वज्रपात से 13 लोगों की मौत हो गई है। वज्रपात की घटनाओं के कारण लोगों की दिलों में खौफ बैठा हुआ है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वज्रपात से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए मुआवजे का भी ऐलान किया है। वज्रपात की घटनाओं के कारण बेगूसराय जिले में 05, दरभंगा जिले में 04, मधुबनी जिले में 03 एवं समस्तीपुर जिले में 01 व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया है। वज्रपात के कारण 13 लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने सभी मृतकों के परिजनों को तत्काल चार-चार लाख रुपये की अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं।

सीएम नीतीश ने की अपील... खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें लोग

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर वज्रपात से बचाव के लिये आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें। **क्यों कहर बरसा रही आसमानी बिजली?** बिहार में वज्रपात से ज्यादा मौतों के कई कारण हैं, जिनमें जलवायु परिवर्तन, मानसून के दौरान नमी, बारिश के पैटर्न में बदलाव और ग्रामीण क्षेत्रों में खेती के दौरान लोगों का खुले में रहना शामिल है। अधिकांश वज्रपात की घटनाएं दोपहर के समय होती हैं, जब लोग खेत में काम कर रहे होते हैं। कई बार लोगों को वज्रपात से पहले चेतावनी नहीं मिल पाती है, जिससे वे सुरक्षित स्थानों पर नहीं जा पाते हैं।

मौसम विभाग ने जारी किया था अलर्ट: मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर पूर्व झारखंड और उसके आसपास के इलाकों के ऊपर हवा का चक्रवाती परिसंचरण और पूर्वी बिहार से उत्तरी तेलंगाना तक द्रोणिका के रूप में स्थित है। इन सब बदलावों के कारण प्रदेश का मौसम अचानक बदल गया है। मौसम विभाग ने बुधवार सुबह में ही प्रदेश के चार जिलों में मूसलाधार बारिश और ओले गिरने की संभावना का अलर्ट जारी किया था। किशनगंज, अररिया, पूर्णिया और सुपौल जिले में ओला गिरने और तेज हवा चलने का अनुमान लगाया गया था।

खबरें फटाफट

केंद्र सरकार ने दो रेलवे परियोजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को ट्रेनों में भीड़भाड़ को कम करने के उद्देश्य से दो रेलवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। इसमें पंजाब और हरियाणा में हाइब्रिड एन्युटी मोड पर 1878.31 करोड़ रुपये की लागत से 19.2 किलोमीटर लंबे छह लेन के एक्सेस नियंत्रित जीरकपुर बाईपास के निर्माण को मंजूरी दी। वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट ने आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 104 किलोमीटर लंबे तिरुपति-पकाला-कटपडी सिंगल रेलवे लाइन सेक्शन के दोहरीकरण को भी मंजूरी दी, जिसकी कुल लागत 1,332 करोड़ रुपये है, जो तिरुपति बालाजी और श्री कालहस्ती शिव मंदिर को जोड़ता है। रेलवे के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यह परियोजना पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल में शुरू की जा रही 23 प्रमुख रेलवे बुनियादी ढांचे की पहल का हिस्सा है, जिसमें 86,507 करोड़ रुपये के कुल निवेश से 2,869 किलोमीटर रेलवे लाइनें शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नई परियोजना का उद्देश्य वेल्लोर और तिरुपति के शैक्षिक और चिकित्सा केंद्रों तक कनेक्टिविटी बढ़ाना है। आंध्र प्रदेश (चित्तूर, तिरुपति) से तमिलनाडु (वेल्लोर) तक जाने वाली रेलवे लाइन में 15 स्टेशन, 17 बड़े पुल, 327 छोटे पुल, 7 रोड ओवर ब्रिज, 30 रोड अंडर ब्रिज शामिल हैं।

कांग्रेस पार्टी के 84वें अधिवेशन में नेता प्रतिपक्ष ने पीएम पर साधा निशाना

अमेरिका ने भारत पर नया टैरिफ लगाया पीएम मोदी एक शब्द भी नहीं बोले: राहुल

♦ राहुल बोले- हम उस दीवार को गिरा देंगे जो एससी, एसटी, ओबीसी के लिए आरक्षण को 50 प्रतिशत तक सीमित कर रही है

एजेंसी/अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस पार्टी का 84वां दो दिवसीय अधिवेशन बुधवार को समाप्त हो गया। आखिरी दिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पार्टी के कार्यकताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने एक बार फिर से जाति जनगणना को लेकर आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि देश में जाति जनगणना कराना जरूरी, तेलंगाना में हमारी पार्टी ने इसका रास्ता दिखाया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एआईसीसी अधिवेशन में कहा, हम उस दीवार को गिरा देंगे जो एससी, एसटी, ओबीसी के लिए आरक्षण को 50 प्रतिशत तक सीमित कर रही है। इस दौरान पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल ने कहा, बांग्लादेश के राष्ट्रपति उल्टे बयान देता है और नरेंद्र मोदी उसके बगल में बैठे हैं, एकदम चुप, एक शब्द नहीं निकलता मुंह से। कहां गई 56 इंच की छाती? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का उदाहरण देते हुए कहा, एक बार इंदिरा गांधी से किसी ने पूछा आप दाएं लीड करती हैं या बाएं? जिसका जवाब देते हुए इंदिरा जी ने कहा था,

मैं भारत की प्रधानमंत्री हूं, मैं ना दाएं लीड करती ना बाएं, बीच में सीधी खड़ी रहती हूं। राहुल ने आगे कहा, हमारे नए प्रधानमंत्री ये सीधा सामने माथा टेक देते हैं।

राहुल गांधी बोले- भारत में आर्थिक तूफान आने वाला है: लोकसभा नेता प्रतिपक्ष ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने नई ट्रैरिफ की घोषणा की। लेकिन पीएम मोदी ने कुछ नहीं कहा, आज तक वह गायब हैं जनता का ध्यान यहां न चला जाए इसलिए संसद में दो दिन ड्रामा चलाया। लेकिन, सच्चाई यह है कि आर्थिक तूफान आने वाला है, इससे करोड़ों लोगों को नुकसान होगा। राहुल गांधी ने आगे कहा, क्या आपने इस बार पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गले मिलते हुए तस्वीर देखी है? राष्ट्रपति ट्रंप, जिन्हें पीएम मोदी अपना दोस्त कहते हैं, ने आदेश दिया कि इस बार वे गले नहीं मिलेंगे, इस बार मैं नए टैरिफ लगाऊंगा। लेकिन, पीएम मोदी ने एक शब्द भी नहीं कहा। हकीकत यह है कि भारत में एक वित्तीय तूफान आने वाला है।

आरएसएस की विचारधारा संविधान के खिलाफ: राहुल गांधी ने कहा, आरएसएस की विचारधारा संविधान के खिलाफ है। वे लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। वे भारत की सभी संस्थाओं पर नियंत्रण करना चाहते हैं और देश का पैसा अंबानी अडानी को सौंपना चाहते हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक धार्मिक स्वतंत्रता और संविधान पर हमला है। हमारे दलित नेता टीका राम जूली के मंदिर जाने के बाद, उनके जाने के बाद भाजपा नेताओं ने मंदिर की सफाई करवाई, यह हमारा धर्म नहीं है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि आने वाले समय में दूसरे अल्पसंख्यक समुदायों को भी निशाना बनाया जाएगा। राहुल गांधी ने दावा किया कि आरएसएस से जुड़ी पत्रिका आगेनाईजर में ईसाइयों की भूमि को निशाना बनाने की बात की गई है और आगे सिख समुदाय के साथ भी ऐसा होगा।

राहुल गांधी ने दावा किया देश भारतीय जनता पार्टी से तंग आ गया है और बिहार के विधानसभा चुनाव में यह दिखेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, आने वाले समय में बदलाव होने वाला है, लोगों का मूड दिख रहा है। उन्होंने यहां पार्टी के अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि देश की जनता भारतीय जनता पार्टी से तंग आ चुकी है और अब बदलाव होने वाला है।

सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने का काम कर रही है: मल्लिकार्जुन खड़गे

वहीं कांग्रेस के अधिवेशन के आखिरी दिन कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कार्यकताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने वक्फ बिल के संसद में पारित होने की प्रक्रियाओं से लेकर मणिपुर में हिंसा के मुद्दे पर सरकार को घेरा। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने का काम कर रही है। दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि संसद में देर रात के बाद सुबह 5 बजे तक चर्चा चली लेकिन सरकार के पास जरूरी मुद्दों के लिए समय ही नहीं था। ये लोग लोकतंत्र को कितनी गंभीरता से लेते है, इससे समझ में आता है। अमेरिका ने भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया लेकिन इसकी सदन में चर्चा नहीं हुई। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अगर ऐसे ही चलता रहा तो एक दिन आएगा जब मोदी सरकार खुद की संपत्तियां बेचकर चले जाएंगे। कांग्रेस को गालियां देने के अलावा वे कोई काम नहीं करते हैं। चुनावी संस्थाएं उनके अधीन हैं। चुनाव में घोटाले हो रहे हैं। खड़गे ने कहा कि पिछले 11 साल से विपक्ष की आवाज दबाई जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पूरी दुनिया के विकसित देश ईवीएम को छोड़कर बैलेट पेपर से वोटिंग करा रहे हैं, लेकिन हम अभी भी ईवीएम पर निर्भर है। ये सब फ्रॉड है। सरकार ने ऐसे तरीके ईजाद कर लिए है, जिससे सिर्फ उन्हें ही फायदा मिल रहा है।

गया में महिला विकास मित्र की हत्या, पति ही निकला हत्यारा

अतरी थाना क्षेत्र के टेटुआ टाड़ का मामला

केटी न्यूज/पटना

गया जिले के अतरी थाना क्षेत्र के टेटुआ टाड़ पर बुधवार की सुबह एक महिला की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ी। इसके बाद उसकी छोटी बहन हल्ला करने लगी। महिला को किसी और ने नहीं बल्कि खुद उसके पति ने गोली मारी थी। गोली मारने के बाद वह वहां से भाग निकला। मृतका सुषमा कुमारी टेटुआ पंचायत की विकास मित्र थी।

गोली लगने के बाद महिला को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अतरी में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार सुषमा का पति रमेश कुमार अपने घर पर आया। अपनी पत्नी के साथ एक रूम में बंद हो गया। इसी दौरान पत्नी को गोली मारकर भागने लगा। भागते समय दरवाजे के पास छोटी साली पूनम को भी उसने गोली मारने का प्रयास किया, लेकिन उसने किसी तरह बाहर भागकर अपनी जान बचाई। हल्ला करने पर ग्रामीण जुट गए। वह भागने में सफल रहा। वहीं हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अतरी पहुंची। मामले की जांच में जुट गई। आरोपी पति की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी भी की, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। विकास मित्र की हत्या में उपयोग किए गए हथियार को पुलिस ने मृतक के घर के पास फेंका हुआ देसी कट्टा मिला। जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

जीतन राम मांझी बोले कृपया अफवाहों से बचें

महिला की हत्या की सूचना मिलने पर सभी मीडिया में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी से जोड़कर खबर चलने लगी थीं। सभी मीडिया में मृत महिला को जीतन राम मांझी की नतिनी बताया जा रहा था। वहीं शाम में खुद केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर इसका खंडन किया। उन्होंने लिखा कि वैसे तो मुसहर-भुईयाँ-मांझी समाज से आने वाला हर सदस्य मेरे परिवार का सदस्य हैं। पर आज जिस महिला की हत्या हुई है वह मेरी नातिन नहीं थी। कृप्या अफवाहों से बचें।

आरबीआई ने रेपो रेट घटाई, कम होगी ईएमआई

एजेंसी/मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में कटौती का ऐलान किया है। आरबीआई ने रेपो रेट में 0.25 बेसिस प्वाइंट की कटौती कर दी है। इसके साथ ही अब आपके घर और कार लोन की ईएमआई कम हो जाएगी। अब रेपो रेट घटकर 6 फीसदी के स्तर पर आ गया है। यह लगातार दूसरी बार है जब वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच केंद्रीय बैंक ने विकास को बढ़ावा देने के लिए रेपो दर में कटौती की है।

क्या है रेपो रेट, घटने से क्या फायदा

रेपो रेट वह ब्याज दर है जिस पर भारतीय रिजर्व बैंक देश के बैंकों को अल्पकालिक ऋण देता है। बैंक को जब पैसे की जरूरत होती है, तो वे अपनी सरकारी सिक्योरिटीज गिरवी रखकर रिजर्व बैंक से पैसा लेते हैं, और इस पर जो ब्याज लगता है, वही रेपो रेट कहलाता है। जब भी रेपो रेट कम होता है, तो बैंकों को आरबीआई से सस्ते ब्याज पर पैसा मिलता है, जिसके चलते बैंक भी आम लोगों को कम ब्याज पर लोन देते हैं।

टैरिफ वॉर के बढ़ती मुश्किलों के बीच आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी की कमेटी की बैठक हुई। संजय मल्होत्रा ने कहा कि टैरिफ के चलते ग्लोबल इकोनॉमी में चुनौतियां देखने को मिल रही हैं। कहा कि देश में महंगाई कंट्रोल में है और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से फायदा होगा।

बीपीएससी 70वीं मेंस का एडमिट कार्ड जारी, 12 से होगा डाउनलोड

केटी न्यूज/पटना

बिहार लोक सेवा आयोग ने 70वीं संयुक्त मुख्य प्रतियोगिता परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिया है। अभ्यर्थी 12 अप्रैल से अपना ई-एडमिट कार्ड बिहार लोक सेवा आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। मुख्य लिखित परीक्षा 25, 25, 28, 29 और 30 अप्रैल को ली जाएगी। 70वीं मुख्य लिखित परीक्षा 25 अप्रैल को दो पाली में ली जाएगी। इस दिन पहली पाली की परीक्षा साढ़े नौ बजे से साढ़े 12 बजे तक होगी। वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दो बजे से शाम पांच बजे तक होगी। वहीं 26, 28 और 30 अप्रैल को एक एक पाली में परीक्षा होगी। परीक्षा सुबह 10 से दोपहर एक बजे तक होगी। वहीं 29 को दो पाली में परीक्षा होगी। पहली पाली 10 बजे से जबकि दूसरी दो बजे से होगी।

ट्रैरिफ वार: अमेरिका ने चीन के सामान पर 104 प्रतिशत शुल्क लागू करने का लिया है फैसला

चीन ने अमेरिका पर सीमा शुल्क 34% से बढ़ाकर 84 % किया

एजेंसी/अहमदाबाद

अमेरिका और चीन के बीच जारी ट्रैरिफ वार तल्ख होता जा रहा है। अब चीन ने अमेरिका के साथ जारी व्यापार युद्ध के बीच सीमा शुल्क को 34 प्रतिशत से बढ़ाकर 84% करने की घोषणा की। जानकारी के अनुसार, नई टैरिफ दरें 10 अप्रैल से लागू हो जाएंगी। पिछले हफ्ते ही चीन ने कहा था कि वह सभी अमेरिका के सामान पर 34% टैरिफ लगाएगा। लेकिन अब उसने अमेरिकी टैरिफ में बुधवार को हुए और भी ज्यादा इजाफे के बाद यह फैसला लिया है। अमेरिका ने चीन के सामान

पर 104 प्रतिशत शुल्क के लागू करने का फैसला लिया है। बीजिंग ने कहा कि वह विश्व व्यापार संगठन में अमेरिका के खिलाफ एक और मुकदमा शुरू कर रहा है और चीनी कंपनियों के साथ अमेरिकी कंपनियों के व्यापार पर अधिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने अमेरिका के साथ व्यापार पर श्वेत पत्र जारी करते हुए एक बयान में कहा, अगर अमेरिका अपने आर्थिक और व्यापार प्रतिबंधों को और बढ़ाने पर जोर देता है, तो चीन के पास जरूरी जवाबी उपाय करने और अंत तक लड़ने के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और पर्याप्त साधन हैं।

चीन की सरकार ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की कि क्या वह व्हाइट हाउस के साथ बातचीत करेगी, जैसा कि कई अन्य देशों ने करना शुरू कर दिया है। ट्रंप द्वारा लगाया गया अतिरिक्त 50% शुल्क बुधवार से लागू हो गया, जिसके बाद अमेरिका में चीनी निर्यात पर कुल शुल्क बढ़कर 104% हो गया। चीन ने संकल्प लिया है कि अगर ट्रंप यह शुल्क व्यवस्था जारी रखते हैं तो वह अंत तक लड़ेगा।

विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध के नतीजों से भारत को संभावित रूप से खतरा है। लाइवमिंट की रिपोर्ट के मुताबिक कि भारत के स्मार्टफोन, लैपटॉप, घरेलू उपकरणों में चीन से आयातित घटक होते हैं। अगर इस व्यापार युद्ध से व्यवधान पैदा होता है, तो ये उत्पाद महंगे हो सकते हैं या मिलना मुश्किल हो सकता है।

बोले अभिभावक... राहत मिलेगी, लेकिन सेफ्टी नियम माने ऑटो ड्राइवर

सरकार ने बदला फैसला, अब ऑटो से स्कूल जा सकेंगे बच्चे, एक तरफ का गेट होगा बंद

केटी न्यूज/पटना

बिहार में स्कूल आने-जाने के नियम में सरकार ने फिर से बदलाव किया है। अब बच्चे ऑटो से स्कूल आ-जा पाएंगे। प्रदेश के विभिन्न जिलो में करीब 70 हजार से अधिक ऑटो चालकों को इस फैसले से राहत मिलेगी।मंगलवार को एडीजी ट्रैफिक सुधांशु कुमार ने ऑटो संघ के साथ हुई बैठक में, कुछ शर्तों के साथ ऑटो को स्कूली बच्चों को लाने की परमिशन दी गई है। हालांकि, ई रिक्शा पर बच्चों को स्कूल ले जाने पर बैन बरकरार रहेगा। दरअसल, ई-रिक्शा में सेफ्टी कम होती है। हल्का वाहन है और दोनों तरफ से ओपन रहता है।अभिभावकों को हो रही परेशानी और ऑटो संघ के प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने ये फैसला लिया है। पेरेंट्स ने फैसले से राहत मिलने की बात कही है। प्रशासन ने 1 अप्रैल से स्कूल में ई-रिक्शा और ऑटो को बैन किया था। पुलिस-प्रशासन ने जारी आदेश में कहा था कि ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा से बच्चों को भेजने पर कार्रवाई की जाएगी।, हालांकि इसे फिर 7 अप्रैल के लिए एक्सेंट कर दिया गया था।सरकार के इस फैसले से पेरेंट्स को राहत मिली है। अभिभावकों का कहना है कि यह अच्छा डिसीजन है, लेकिन जो भी ऑटो बच्चों को लेकर जाते हैं, वो सुरक्षित होने चाहिए। ऑटो वालों के लिए मानक तय होने चाहिए। अगर वो उसके अनुसार नहीं चलते हैं तो ये हमारी भी जिम्मेदारी है कि उनसे बच्चों को न भेजें और सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए। जीपीएस ट्रैकर का कॉस्ट भी हमें देखना होगा, ज्यादा महंगा होने पर ऑटो ड्राइवर असहज होंगे, लेकिन हम इसका विकल्प निकालेंगे। बच्चों की सुरक्षा के लिए सभी ऑटो ड्राइवर की सहमति बनी है। सारे सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए जल्द से जल्द हम लोग यह काम करेंगे। 1 अप्रैल से राज्यभर के सभी जिलों में स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने के लिए ऑटो और ई-रिक्शा पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया था। मुख्यालय की ओर से कहा गया कि क्षमता से अधिक बच्चों को बिठाने और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। इसी को लेकर यह फैसला लिया गया है। ऑटो चालकों के विरोध को देखते हुए यातायात पुलिस ने ऑटो संघ के साथ बैठक की थी। इसमें चालकों को राहत देते हुए 9 अप्रैल तक कोई कार्रवाई नहीं करने की बात कही गई थी। छात्रों के बच्चों ने भी कहा था कि अचानक इस फैसले से काफी समस्या होगी। खर्चा भी बढ़ेगा। इनमें लगभग 1,000 पटना नगर निगम क्षेत्र में और 3,000 से अधिक ग्रामीण और प्रखंड क्षेत्रों में चल रहे हैं। सबसे ज्यादा ई-रिक्शा और ऑटो कान्वेंट स्कूल के होते हैं। दरअसल, कान्वेंट स्कूल का एक रूल है कि उन्हीं बच्चों का एडमिशन होगा, जिनका आवास 2 किलोमीटर के दायरे में हो। लेकिन, कुछ पेरेंट्स 10 किलोमीटर के दायरे में भी रहते हैं, तो वह झूठ बोलकर अपने बच्चों का एडमिशन करवा लेते हैं। इस स्थिति में दूर से आने वाले बच्चों को स्कूल आने का जरिया ऑटो ही है। 1 अप्रैल से स्कूली बच्चे ऑटो और ई-रिक्शा से स्कूल नहीं जा-आ सकेंगे। इसकी वजह है कि बिहार पुलिस मुख्यालय के यातायात शाखा ने प्रदेश के सभी जिलों में स्कूली बच्चों को लाने और ले जाने के लिए ऑटो और ई-रिक्शा के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया था।

सीधी कार्रवाई होने की कही थी बात

1 अप्रैल को सरकार की ओर से सख्त निर्देश जारी हुए थे कि अगर किसी स्कूल या चालक स्कूली बच्चों को ऑटो से ले जाते हुए पकड़ा गया, तो उस पर सीधी कार्रवाई की जाएगी।इस प्रतिबंध में पटना नगर निगम, नगर परिषद और जिले के सभी प्रखंडों और ग्रामीण इलाकों में संचालित प्राइवेट स्कूल ऑटो का इस्तेमाल नहीं करने की बात कही गई थी।जानिए फैसले की पीछे की वजहपुलिस मुख्यालय की यातायात शाखा को सूचना मिली थी कि बड़ी संख्या में ऑटो और ई-रिक्शा का उपयोग स्कूली बच्चों के लिए किया जा रहा है।क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाने और सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है।इससे हादसों का खतरा रहता है। इस कारण यह फैसला लिया गया है।4,000 ऑटो और ई-रिक्शा स्कूली बच्चों को लाते जातेपटना और आसपास के इलाकों में लगभग 4,000 ऑटो और ई-रिक्शा स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने में लगे हैं।

कार दुर्घटना में पत्रकार की मौके पर मौत, 3 घायल

केटी न्यूज/लखीसराय

लखीसराय में सड़क दुर्घटना में पत्रकार की मौत हो गई। घटना बड़हिया थाना क्षेत्र में बहद्रपुर लाइन होटल के पास की है। मृतक की पहचान पिरी बाजार निवासी सुप्रिया सुमन के रूप में हुई है। सुप्रिया अपने तीन साथियों के साथ पटना से लौट रहे थे। बहद्रपुर के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी। हादसे में सुप्रिया की मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथ मौजूद अभयपुर निवासी राजेश कुमार, राहुल कुमार और मुकेश कुमार घायल हो गए। राजेश और राहुल की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। जहां उनकी हालत गंभीर बतायी जा रहा है। मुकेश का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। मृतक के परिजन को मुआवजा देने की मांगबड़हिया थाना पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस अज्ञात वाहन की पहचान में जुटी है। स्थानीय लोगों और पत्रकार समुदाय ने दोषी वाहन चालक की गिरफ्तारी और मृतक के परिजनों को मुआवजे की मांग की है। वहीं इस घटना के बाद परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई है।

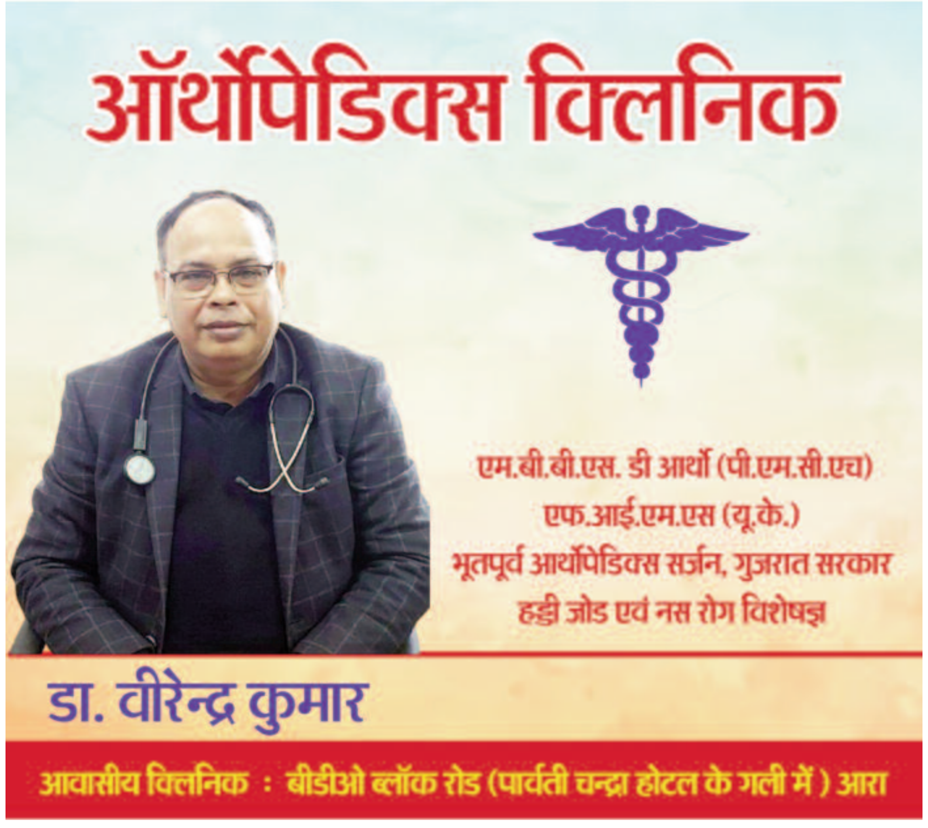

तेजस्वी, मुकेश और संतोष सहनी को कोर्ट का नोटिस, चुनाव चिन्ह के दुरुपयोग का लगा आरोप

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

बिहार की सियासत में हलचल उस वक्त और तेज हो गई जब मुजफ्फरपुर की एडीजे-प्रथम अदालत ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, वीआईपी प्रमुख और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी, तथा उनके भाई संतोष सहनी को नोटिस जारी किया। अदालत ने आदेश दिया है कि ये तीनों नेता आगामी 6 मई को व्यक्तिगत रूप से या अपने वकील के माध्यम से पेश हों। यह मामला चुनाव आयोग द्वारा भारतीय सार्थक पार्टी को आवंटित किए गए चुनाव चिह्न 'नाव' के कथित दुरुपयोग से जुड़ा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा ने इस संबंध में अदालत का रुख किया था। ओझा का आरोप है कि लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान नाव चुनाव चिह्न का उपयोग महागठबंधन के प्रचार में अनुचित रूप से किया गया। ओझा ने 18 अप्रैल 2024 को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में परिवाद दायर किया था, जिसमें उन्होंने दावा किया कि वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी और उनके भाई ने चुनाव चिह्न को वापस लेने का दबाव बनाया, और इनकार के बावजूद उसका प्रयोग महागठबंधन के प्रचार में किया गया। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि तेजस्वी यादव ने इस पूरे घटनाक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई। हालांकि, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत ने इस परिवाद को पहले ही खारिज कर दिया था।

अपराधियों ने सीएसपी संचालक सहित दो को मारी गोली

बेगूसराय। अपराधियों ने सीएसपी चालक एवं उसके सहयोगी को गोली मार दी। घटना तेघड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत कौआटाल पुल और पकठौल चौक के बीच की है। आनन-फानन में घायलों को बेगूसराय के निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना के संबंध में घायल सीएसपी संचालक अजय तांती एवं उसके एक सहयोगी भरत चौरसिया का कहना है कि दोनों चिल्हाय घाट पर एसबीआई के सीएसपी चलाते हैं। अजय तांती और भरत चौरसिया बरौनी एसबीआई की शाखा से पैसा निकालकर घर लौट रहे थे। तभी अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया।

महंगाई भौजाई लगती है, तो भाजपा को वोट दीजिए : तेजस्वी

गोपालगंज। तेजस्वी यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अगर महंगाई भौजाई लगती है, तो भाजपा को वोट दीजिए। तेजस्वी यादव ने आज गोपालगंज में भाजपा और नीतीश कुमार दोनों पर जमकर जुबानी हमला किया। उन्होंने जनता से कहा कि अगर महंगाई चाहिए तो भाजपा को वोट दीजिए। अगर बेरोजगारी चाहिए तो भाजपा को वोट दीजिए। अगर पलायन चाहिए तो भाजपा को वोट दीजिए। अगर गरीबी चाहिए तो भाजपा को वोट दीजिए। तेजस्वी यादव ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये लोग चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन सत्ता में आते ही जनता को भूल जाते हैं। जनता के हित में कोई कार्य नहीं होता है। बल्कि अपना कार्य करने में लगे जाते है।

अपनी फरियाद सुनाने शिक्षा मंत्री के वाहन पर लटकी बेबस शिक्षिका, बिना देखे आगे बढ़ गए

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना में जदयू प्रदेश कार्यालय के बाहर उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब एक महिला शिक्षक अभ्यर्थी ने शिक्षा मंत्री सुनील कुमार की गाड़ी पर लटककर अपनी फरियाद सुनाने की कोशिश की। मंत्री जनसुनवाई कार्यक्रम में शामिल होकर कार्यालय से बाहर निकल ही रहे थे, तभी यह घटना हुई। मौके पर मौजूद लोगों और सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला मंत्री से गिड़गिड़ाती रही सर, सर, प्लीज मेरी बात सुन लीजिए। मगर मंत्री बिना रुके गाड़ी में बैठकर निकल गए।

मंत्री ने फेंक दी अभ्यर्थियों की एप्लिकेशनः जानकारी के मुताबिक, मामला जदयू के प्रदेश कार्यालय में चल रहे जनसुनवाई कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री पहुंचे थे। इसी सिलसिले में कुछ शिक्षक अभ्यर्थी भी अपनी मांगें लेकर पहुंचे थे। उनमें से एक महिला अभ्यर्थी तीन अन्य महिलाओं के साथ पिछले कुछ दिनों से धरने पर भी बैठी थी। मंत्री के पहुंचने की खबर मिलते ही वह महिला आवेदन लेकर अंदर दाखिल होने की कोशिश करने लगी, लेकिन उसे अंदर नहीं जाने दिया गया। जब मंत्री बाहर निकल रहे थे, तो महिला ने जैसे-तैसे उनके पास जाकर आवेदन सौंपने की कोशिश की। अभ्यर्थियों का आरोप है कि मंत्री ने आवेदन हाथ में लेने के बाद उसे फेंक दिया। इससे आहत होकर महिला गाड़ी के पास पहुंच गई और शीशे से चिपककर अपनी बात कहने लगी। महिला लगातार मंत्री से निवेदन कर रही थी। उसकी आवाज में बेबसी थी लेकिन मंत्री सुनील कुमार ने उसकी ओर देखा तक नहीं ।

मई से शुरू होगा मेगा प्रोजेक्ट, हर रास्ता बनेगा फास्ट ट्रैक

गया में छह नए फ्लाईओवर से बदलेगा शहर का नक्शा

केटी न्यूज/गया

गया के मानपुर के पटवाटोली के स्थानीय बुनकर और सामाजिक संगठनों की लंबे समय से चली आ रही मांग को आखिरकार सरकार ने स्वीकार कर लिया है। अब मानपुर के मुफस्सिल मोड़ पर बनने वाले फ्लाईओवर में 700 मीटर की अतिरिक्त एक लेन गोपालगंज रोड की ओर जोड़ी जाएगी। इससे संबंधित क्षेत्र में रहने वाले लोगों में खुशी की लहर है। फ्लाईओवर के लिए भूमि चयन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह फ्लाईओवर न केवल स्थानीय ट्रैफिक को सुगम बनाएगा, बल्कि बोधगया और राजगीर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों से भी जोड़ने का कार्य करेगा। इसके बनने से पर्यटकों को विष्णुपद मंदिर तक पहुंचने में राहत मिलेगी और जाम से भी मुक्ति मिलेगी। इसका विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर लिया गया है। फ्लाईओवर मानपुर सिक्स लेन पुल से सीधे गया-नवादा सड़क मार्ग के मेहता पेट्रोल पंप तक जाएगा। इसके अलावा, मुफस्सिल मोड़ से बाएं ओर गया-खिजरसराय मार्ग की ओर 700 मीटर तथा सीताकुंड रोड स्थित नया जगजीवन कॉलेज भवन तक फ्लाईओवर की ढलान बनेगी। इस पूरी परियोजना पर कुल 350 करोड़ रुपये का व्यय अनुमानित है। बागेश्वरी गुमटी आरओबी और घुघरीटांड फ्लाईओवर के लिए भूमि मापी कार्य पूरा कर लिया गया है। इन परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया अब जल्द शुरू की जाएगी। इस बहुप्रतीक्षित रेल ओवरब्रिज (आरओबी) के लिए जमीन की मापी मानक अनुसार की जा चुकी है। इसमें सबसे ज्यादा भूमि अधिग्रहण इसी क्षेत्र में होगा। अधिकतर जमीन रेलवे की होने के कारण, निजी भूमि मालिकों को नोटिस भेजकर स्थिति स्पष्ट करने का समय दिया जाएगा। इस आरओबी की लागत 90.16 करोड़ रुपये आंकी गई है। घुघरीटांड बाईपास पर बनने वाला फ्लाईओवर गया आने वाले पिंडदानी, पर्यटकों और आम नागरिकों को जाम से राहत दिलाने का काम करेगा। इस निर्माण में केवल एक एकड़ भूमि का अधिग्रहण करना पड़ेगा, क्योंकि शेष भूमि पहले से सरकारी है। इसके लिए मापी कार्य नगर अंचल से कराने का निर्देश दिया गया है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 141.21 करोड़ रुपये है।

कर्तव्यपथ की बलि वेदी पर चढ़ा नाजिरगंज का लाल, तिरंगे में लिपटा आया शव

- असम के तिनसुकिया में नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान मिली शहादत
- देर शाम पैतृक गांव लाया गया शव, अंतिम दर्शन करने वालों की उमड़ी भीड़

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल का एक और लाल देश सेवा की बलिवेदी पर खुद को न्योछावर कर गया है। बुधवार की देर शाम साथी जवानों ने स्पेशल एंबुलेंस से शहीद जवान का शव पैतृक गांव कोरानसराय थाना क्षेत्र के नाजिरगंज गांव लाया गया, जहां उनके अंतिम दर्शन के लिए न सिर्फ पूरा गांव बल्कि आस पास के गांव के लोग भी उमड़ पड़े थे।

शहीद जवान मिथिलेश सिंह उम्र 40 वर्ष पिता मुन्ना सिंह असम रायफल्स में हवलदार के पद पर तैनात थे तथा उनकी पोस्टिंग आसाम के तिनसुकिया में थी। जहां, मंगलवार की सुबह नक्सलियों से मुठभेड़ के दौरान उन्हें वीरगति मिली है। उनके साथ 2-3 अन्य जवान भी शहीद हुए है। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पिता मुन्ना सिंह, माता कमला देवी, पत्नी उर्मिला देवी, बड़े पुत्र रंजन, छोटे पुत्र प्रिंस कुमार व बेटी अंशु कुमारी के साथ ही उनके भाईयों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मंगलवार से ही स्वजन उनके अंतिम दर्शन के लिए पथरायी आंखों से इंतजार कर रहे थे। इस दौरान दरवाजे पर नाते रिश्तेदारों व ग्रामीणों की भीड़ भी जुटी रही। लोग उनके वीरता भरी शहादत को याद दिला ढांढस बंधा रहे थे, लेकिन ढांढस का एक भी मरहम दो दिन से उनके आंसुओं के सैलाब को नहीं रोक सका। आलम यह था कि स्वजनों को ढांढास बंधाने वाले खुद रो पड़ रहे थे। वहीं, जैसे ही सेना के साथी जवानों द्वारा शव को पैतृक घर लाया गया वीर मिथिलेश के नारे से माहौल गूंज उठा। साथी जवानों ने बताया कि मिथिलेश ने मुठभेड़ के दौरान काफी वीरता दिखाई थी। उनकी वीरता के कारण ही कई जवानों की जान बच गई।

मिथिलेश के अंदर देश सेवा की भावना कूट-कूट कर भरी थी

शहीद जवान के चाचा उपेन्द्र सिंह ने बताया कि मिथिलेश बचपन से ही साहसी था। उसके अंदर देश सेवा की भावना कूट-कूट कर भरी थी। अपनी मेहनत के बल पर वह वर्ष 2001 में आसाम रायफल्स में सिपाही के पद पर चयनित हुआ था तथा वर्तमान में हवलदार के रैंक पर पहुंच गया था। वह काफी मिलनसार भी था जब भी गांव आता था तो सबसे मिलजुलकर रहता था। उपेन्द्र ने बताया कि अभी पिछले महीने ही वह छुट्टी पर गांव आया था। इस दौरान उसने बताया था कि आसाम में हालत बहुत खराब हो गए है तथा मैतेई व कुकी के विवाद में पूरे आसाम में हिंसा भड़कते रहती है। उपेन्द्र ने बताया कि पूरे गांव को उसकी वीरता व शहादत पर गर्व है। वहीं, परिवार के अन्य सदस्यों को भले ही उनकी मौत से गहरा सदमा पहुंचा है, लेकिन इस बात का फक्र जरूर है कि उनका बेटा देश सेवा की बलिवेदी पर चढ़ पूरे गांव को गौरवान्वित कर गया है। देर शाम शहीद का अंतिम संस्कार किया गया। जानकारी के अनुसार शव के साथ आए सेना के जवानों द्वारा उनके सम्मान में गॉर्ड ऑफ ऑनर भी दिया जाएगा। मिथिलेश की शहादत की चर्चा कोरानसराय तथा उसके आस पास के इलाके में हो रही है।

एक नजर

ओह! करंट की चपेट में आने से डुमरांव के युवक की मौत, शहर में पसरा सन्नाटा

डुमरांव। घर में विद्युत उपकरणों की मरम्मत के दौरान करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई है। घटना मंगलवार की देर रात राजगोला रोड की है। मृतक की पहचान राजगोला रोड के किराना व्यवसायी त्रिलोकी कुमार के 25 वर्षीय पुत्र प्रभात कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद पीड़ित परिवार में जहां कोहराम मच गया है। वहीं शहर में मायूसी छाई है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात वह अपने घर में विद्युत उपकरणों की मरम्मत कर रहा था। इसी दौरान करंट की चपेट में आ गया तथा अचेत होकर गिर गया। जानकारी मिलते ही स्वजन आनन फानन में उसे इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल ले गए। वहीं नगर परिषद के चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता के साथ कई अन्य युवा भी अस्पताल पहुंचे थे। लेकिन डॉक्टरों के लाख प्रयास के बावजूद उसे बचाया नहीं जा सका। चिकित्सक ने मौत की पुष्टि करते ही स्वजनों की चीत्कार से अस्पताल का माहौल गमगीन हो गया था। जैसे तैसे लोगों ने समझा बुझाकर उन्हें शांत कराया। इसके बाद स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम कराया। बताया जाता है कि मृतक की शादी हो गई थी तथा उसे दो पुत्रियां ही थी। बड़ी बेटी तीन साल की और छोटी बेटी अभी मात्र 4 माह की है। इस घटना ने मासूमों के सिर से पिता का साया उठा लिया है। वहीं, चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता ने इस घटना पर गहरा दुःख जताया है। उन्होंने कहा कि प्रभात काफी मिलनसार व व्यवहार कुशल लड़का था, उसका असामयिक निधन हम सभी के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

पश्चिमी क्रासिंग पर लगा रहा महाजाम, चार घंटे तक फंसे रहे वाहन, कई ट्रेन बाधित

डुमरांव। डुमरांव के पश्चिमी रेलवे क्रासिंग के पास बुधवार को महाजाम लग गया था। इस दौरान करीब चार घंटे तक क्रॉसिंग तथा उसके दोनों तरफ वाहन फंसे रहे। इस दौरान रेल परिचालन भी बाधित हुआ था कई ट्रेनें स्थानीय रेलवे स्टेशन के अलावे आउटर व होम सिगनल पर रूकी रही। वहीं, जाम के दौरान एक एंबुलेंस भी करीब आधा घंटा तक फंसा रहा। इस दौरान आरपीएफ द्वारा जाम हटाने का प्रयास किया जा रहा था, लेकिन जवानों की कम संख्या से जल्दी जाम पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका। मिली जानकारी के अनुसार जाम के दौरान अप लाईन के होम सिगनल पर आधा घंटा तक नार्थ ईस्ट जबकि स्टेशन पर फरक्का एक्सप्रेस रूकी रही। वहीं, डाउन लाईन में होम सिगनल पर 060509 स्पेशल ट्रेन तथा बरूणा स्टेशन पर मगध एक्सप्रेस रूकी रही। जानकारों का कहना है कि पश्चिमी रेलवे क्रासिंग पर आए दिन जाम लगता है। कई बार जाम के कारण रेल व सड़क परिचालन बाधित होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्रासिंग से होकर हर दिन हजारों वाहन पार करते है। वहीं, इस रूट से होकर ट्रेनों की संख्या भी अधिक है। जिस कारण अक्सर क्रासिंग बंद होता है तथा जब भी क्रासिंग बंद होता है तो जाम लग जाता है। लोगों इस क्रॉसिंग के पास जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए फ्लाई ओवर बनाने की मांग की है। हालांकि, रेलवे सूत्रों की मानें तो यहां फ्लाइ ओवर प्रस्तावित भी है।

खबरें फटाफट

महावीर जयंती आज, बंद रहेंगी मांस व मछली की दुकानें

डुमरांव। राज्य सरकार ने 10 अप्रैल को महावीर यजंती मनाने का निर्णय लिया है। इसको लेकर डुमरांव नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में माइकिंग कराई गई। इस दौरान नगर के लोगों को महावीर जयंती के संबंध में जानकारी देते हुए मांस व मछली के विक्रेताओं को चेतावनी दी गई। इस संबंध में नगर परिषद के ईओ मनीष कुमार ने बताया कि विभाग के निर्देशानुसार गुरुवार को नप क्षेत्र की मांस व मछली की दुकानें बंद रहेंगी। यदि इस दौरान कोई भी संबंधित दुकान खुला पाया गया तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, उस पर जुर्माना भी लगाया जाएगा।

डुमरांव जदयू प्रखंड अध्यक्ष बने अजय चंद्र

डुमरांव। राज्य मंत्री मंडल, सचिवालय विभाग ने डुमरांव प्रखंड स्तरीय कार्यान्वयन समिति की घोषणा कर दी है। जारी सूची में अध्यक्ष पद जदयू के प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार चंद्र को बनाया गया है। वहीं उपाध्यक्ष पद पर भाजपा के नगर अध्यक्ष विजय कुमार कुशवाहा को बनाया गया है, वहीं 13 लोगों को सदस्यीय टीम में रखा गया है।

ग्रामीणों की शोर सुन घबराये चोर फायरिंग करते हुए भागे, लोगों ने दिखाया हौसला

आभूषण प्रतिष्ठान में चोरी करते चोरों को ग्रामीणों ने खदेड़ा, एक गिरफ्तार

- यूपी के बदायू का है गिरोह, देशी कट्टा, कारतूस के साथ खोखा बरामद

केटी न्यूज/बक्सर

इटाढ़ी थाना क्षेत्र के जमुआंव गांव में सोमवार की मध्य रात्रि एक आभूषण दुकान में चोरी के दौरान ग्रामीणों ने चोरों को ललकारा। इसके बाद चोर जान बचाने के लिए फायरिंग करते भागने लगे। भागने के दौरान ग्रामीणों ने हिम्मत दिखाते हुए एक चोर को पकड़ लिया तथा उसकी जमकर धुनाई कर दी। इसके बाद ग्रामीणों ने स्थानीय पुलिस को इस घटना की जानकारी दी। वहीं, गिरोह के अन्य चोर आभूषण चुरा भागने में सफल रहे।

जानकारी मिलते ही इटाढ़ी थानाध्यक्ष सोनू कुमार रात में ही जमुआंव पहुंच ग्रामीणों के कब्जे से चोर को छुड़ा इलाज के लिए सदर अस्पताल बक्सर में भर्ती करवाया। जहां, उसने पुलिस के समक्ष अपना परिचयन उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के धनपुरा गांव निवासी स्व. किशनलाल के 60 वर्षीय पुत्र राम सिंह के रूप में बताया तथा कहा कि उसके साथ पांच अन्य चोर भी शामिल थे। सभी बदायूं के ही रहने वाले है। पुलिस अन्य चोरों की गिरफ्तारी के प्रयास में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार जमुआव गांव निवासी श्याम नारायण सेठ गांव में ही आभूषण की दुकान चलाते है। सोमवार की रात करीब दो बजे उनकी दुकान का शटर काट चोर आभूषण की चोरी कर रहे थे। ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि चोरों की संख्या आठ से दस थी तथा चार-पांच चोर अंदर आभूषण चुरा रहे थे जबकि दो तीन चोर बाहर इस बात की तस्दीक कर रहे थे कि कोई ग्रामीण तो इधर नहीं आ रहा है। संयोग से इसी दौरान किसी ग्रामीण की नींद खुल गई तथा वह चोरों की हरकत को भांप शोर मचाने लगा। इसके बाद चोरों ने फायरिंग शुरू कर दी। ग्रामीणों का कहना है कि अपराधियों द्वारा कुल चार से पांच राउंड फायरिंग की गई है। इस दौरान गांव में भगदड़ मच गई थी, लेकिन ग्रामीणों ने हिम्मत का परिचय देते हुए चोरों को ललकारते हुए पीछा करना जारी रखा। जिस कारण एक चोर पकड़ा गया।

पकड़े गए अपराधी के पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, कारतूस व खोखे बरामद किए हैं। वहीं, मौके से कई अन्य साक्ष्य भी पुलिस के हाथ लगे है। थानाध्यक्ष सोनू ने बताया कि मौके पर से अन्य आपराधिक साक्ष्य भी जुटाए गए हैं और फरार आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए की तलाश के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इस घटना के बाद गांव में भय का माहौल बना हुआ है, ग्रामीणों ने पुलिस से रात में गश्ती बढ़ाने और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

गिरफ्तार चोर के इसके पहले कोरानसराय में एक ही रात हुए दो आभूषण दुकानों में चोरी के अलावे बगेन थाना क्षेत्र तथा जिले के कई अन्य जगहों पर आभूषण दुकानों में चोरी के अलावे कैमूर जिले के उनुवांव में भी आभूषण दुकान में चोरी की घटना में संलिप्त रहने की बात स्वीकारी है। उसके गिरफ्तारी के बाद चोरी की कई अन्य घटनाओं का उद्भेदन भी हो सकता है। वहीं, ग्रामीणों की तत्परता से पुलिस के हाथ एक बड़ा गिरोह लग गया है। जिसकी तलाश पुलिस को लंबे समय से थी।

पूछताछ के बाद गिरोह को दबोचने में जुटी पुलिस

लंबे समय से शाहाबाद क्षेत्र में जमे हैं अपराधी

पुलिस सूत्रों का कहना है कि जमुआंव में आभूषण दुकान में चोरी के दौरान पकड़ा गया गिरोह यूपी के बदायूं जिले का रहने वाला है तथा वह लंबे समय से बक्सर व आस पास के जिलों में सक्रिय थे। गिरफ्तार चोर ने पुलिस के समक्ष कई जगहों पर आभूषण दुकानों में चोरी की बात को स्वीकार किया और बताया कि उनका गिरोह लंबे समय तक बक्सर में एक मकान किराए पर लेकर भी रहा है तथा बक्सर, कैमूर व भोजपुर जिलों में घुम-घुमकर दिन में रेकी के बाद रात में चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। चोरी के लिए गिरोह के सदस्य एक पिकअप वैन का उपयोग भी करते थे।

वीर कुंवर सिंह का व्यक्तित्व राष्ट्र प्रेम के लिए हमें करता है प्रेरितः राजीव प्रताप रूडी

केटी न्यूज/नावानगर

सोनवर्षा के द एमिटी स्कूल में क्षत्रिय समाज की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित क्षत्रिय समाज के लोगों को बाबू वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव समारोह मे भारी संख्या में भाग लेने की अपील किया गया। यह समारोह 23 अप्रैल को पटना स्थित बापू सभागारों में आयोजित किया जाना है।

कार्यक्रम का उद्घाटन सारण के सांसद व भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव प्रताप रूडी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने कहा कि बाबु वीर कुंवर सिंह का व्यक्तित्व हमलोगों को राष्ट्र प्रेम के लिए प्रेरित करता है। हमारा इतिहास वैभवशाली है। उन्होंने आगामी 23 अप्रैल को पटना में आयोजित बाबू वीर कुंवर सिंह के विजयोत्सव समारोह में शाहाबाद के क्षत्रिय समाज के लोगों को आमंत्रित किया। वहीं, द एमिटी स्कूल के डायरेक्टर अमरेंद्र राजेश ने अपने कहा कि हमारे पूर्वजों ने लोकतंत्र व सामाजिक न्याय की स्थापना किया है। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन, वरिष्ठ भाजपा नेत्री प्रतिभा सिंह, केसठ प्रखंड प्रमुख मुन्ना सिंह, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह, नावानगर पैक्स अध्यक्ष मृत्युंजय सिंह, कडसर पैक्स अध्यक्ष विश्वनाथ सिंह व अन्य मौजूद रहे।

अब उपभोक्ताओं को फोर्टीफाइड चावल की गुणवत्ता बताएंगे डीलर

केटी न्यूज/डुमरांव

- बोले प्रखंड के डीलर... फोर्टीफाइड चावल को लेने से इन्कार कर रहे हैं उपभोक्ता

जन वितरण प्रणाली के डीलरों को फोर्टीफाइड चावन का वितरण किया जा रहा है। पतला और ज्यादा सफेद होने के कारण उपभोक्ता दिग्भ्रमित हो रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि जिस चावल का वितरण किया जा रहा है, उसमें प्लास्टिक का मिश्रण है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की ज्यादा अफवाह है, जिससे उपभोक्ता इसका उठाव नहीं कर रहे हैं।

एमओ विजय कुमार तिवारी ने बुधवार को प्रखंड कार्यालय स्थित सभागार में डीलरों के साथ बैठ किया। बैठक शुरू होते ही डीलरों ने फोर्टीफाइड चावल की जमकर शिकायत की। इनका कहना था कि उपभोक्ताओं की यह शिकायत है कि ज्यादा पतला और अधिक सफेद होने के कारण लोग इसे प्लास्टिक का चावल समझ रहे हैं। लोगों द्वारा उपभोक्ताओं को दिग्भ्रमित भी किया जा रहा है।

बैठक में एमओ ने सभी डीलरों को बताया की आप सभी को उपभोक्ताओं को समझाना होगा की यह चावल प्लास्टिक का नहीं है और न ही इसमें उसका मिश्रण है। यह पूरी तरह से सुरक्षित है। इसमें आयरन, बी-12 एवं फोलिक एसीड की मात्रा है। इसके खाने से बीमारी से लड़ने की ताकत तो मिलेगी ही और कमजोरी भी दूर होगी। सबसे ज्यादा फायदा इसके खाने से गर्भवती महिलाओं को मिलेगा। सरकार ने लोगों को फायदा पहुंचाने के लिये ही इस चावल का वितरण करा रही है। उन्होंने कहा कि आप सभी अपने-अपने पोषक क्षेत्र में घुमकर उपभोक्तओं को इसकी जानकारी देते हुए भ्रम का दूर करें।

चमकी बुखार के नियंत्रण को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

चमकी बुखार के मरीजों को 102 एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराना करेंगे सुनिश्चितः डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी सह जिला स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत एईएस (चमकी बुखार) नियंत्रण एवं समुचित प्रबंधन हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने सिविल सर्जन को निर्देशित किया गया कि जिले के सभी प्रखंडों में आयोजित होने वाले आरोग्य दिवस (वीएचएसएनडी) दिवस पर आशा, एएनएम के माध्यम से बच्चों के स्वास्थ्य की जांच करेंगे। चमकी बुखार के मरीजों को 102 एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। सुअरबाड़ा से एक किलोमीटर परिधि में एवं महादलित टोला में विशेष ध्यान देना है। साथ ही, उन क्षेत्रों में 15 साल तक के बच्चों जो अप्रतिरक्षित हैं उन्हें भी वैक्सीनेशन कराएंगे।

जिला परिवहन पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के लाभुकों के माध्यम से मरीजों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए दूरी के अनुसार नगद भुगतान भी किया जाएगा। साथ ही, सभी कार्यपालक पदाधिकारी को निदेशित किया गया कि आवश्यकतानुसार फॉगिंग कराया जाए। विशेष कर सूअरबाड़ा एवं महादलित टोला के आस पास साफ सफाई अवश्य करवाया जाए। इस क्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्राथमिक विद्यालयों में व्यापक रूप से प्रचार प्रसार कराना सुनिश्चित करेंगे। वहीं, अभिभावकों को भी विद्यालय के स्तर से इस बारे में अवगत कराएंगे। इसके अलावा जिला जनसंपर्क एवं सूचना पदाधिकारी को निर्देशित किया गया कि बैनर व पोस्टर के माध्यम से प्रचार प्रसार कराने का निर्देश दिया गया।

पैक्स चुनाव संपन्न: चौसा में मनोज कुमार सिंह तो पवनी में अध्यक्ष बनीं दुमरती देवी

♦ चौसा में 55.96 तो पवनी में 69.64 फीसद हुआ मतदातान

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के चौसा व पवनी पैक्स चुनाव का रिजल्ट देरशाम जारी किया गया। बुधवार को हुए पैक्स चुनाव के रिजल्ट के तहत चौसा नगर पैक्स में पूर्व पैक्स अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह विजेता बने। उन्होंने अपने प्रतिद्वंदी सुनील कुमार सिंह को 316 मतों से हराया। मतदाताओं ने मनोज कुमार सिंह को कुल 620 वोट दिए, वहीं, सुनील कुमार सिंह को 304 मतों से ही संतोष करना पड़ा। दूसरी ओर, पवनी पैक्स से पूर्व पैक्स की पत्नी दुमरती देवी विजयी हुई। उन्हें कुल 835 मत प्राप्त करते हुए प्रतिद्वंदी रुपा प्रसाद सिंह 447 मत से हराया।

बुधवार को चौसा व पवनी पैक्स का चुनाव कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। निर्वाचन प्रक्रिया निर्धारित समय पर सुबह सात बजे शुरू हुई और शाम 4.30 बजे तक चली। जिसमें चौसा नगर में 55. 96 तो पवनी पैक्स में 69.64 प्रतिशत मतदान हुए। भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

मतदान को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया, विशेषकर वृद्ध व महिला मतदाताओं की सहभागिता भी अच्छी रही। किसान मतदाता अपने पैक्स के लिए बेहतर प्रत्याशी चुनने के लिए भीषण गर्मी के बावजूद घंटो कतार में खड़े हो अपनी बारी की प्रतिक्षा कर रहे थे।

बता दें कि चौसा नगर पैक्स के लिए चौसा उच्च विद्यालय में तीन व पवनी पैक्स के लिए पवनी मध्य विद्यालय में चार बूथ बनाए गए थे। सभी बूथों को अति संवेदनशील घोषित किया गया था, जिसको लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क रही। सुरक्षा के मद्देनजर मतदान केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पदाधिकारी तैनात किए गए थे, जहां कड़ी जांच के बाद ही मतदाताओं को मतदान केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी गई।

मतदाताओं ने शांतिपूर्वक अपने पसंदीदा उम्मीदवारों के नाम के आगे मुहर लगाकर मतदान किया। पैक्स समिति के गठन हेतु अध्यक्ष पद के अलावा कार्यकारिणी सदस्य के सामान्य वर्ग, पिछड़ा वर्ग एवं अन्य आरक्षित सीटों के लिए भी मतदान कराया गया। इनमें सबसे अधिक प्रतिस्पर्धा अध्यक्ष पद को लेकर देखी गई।

मतदान के दौरान प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी अशोक कुमार, अंचल पदाधिकारी व पुलिस पदाधिकारियों की टीम लगातार गश्त करती रही। सभी मतदाताओं की बूथ तक पहुंचने से पूर्व गहन जांच की गई। सुबह के समय ठंड के साथ ही मतदाताओं की भीड़ बढ़ने थी। मगर, गर्मी बढ़ने के साथ दोपहर में भीड़ कम हुई, वही शाम को फिर बढ़ गई। प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी ने बताया कि सुबह 11 बजे तक चौसा नगर में 27 प्रतिशत तो पवनी में 29 प्रतिशत मतदान हुए थे। एक बजे चौसा में 40 फीसद तो पवनी में 44, तीन बजे चौसा में 50 तो पवनी में 62 फीसद इस तरह अंत मे चौसा नगर पैक्स में 55.96 प्रतिशत तो पवनी पैक्स में 69.64 प्रतिशत मतदान के साथ चुनाव संपन्न हुआ। अब देर शाम मतदान की गिनती प्रारम्भ की जाएगी।

जिलाधिकारी ने किया ब्रह्मपुर स्थित गोकुल जलाशय का निरीक्षण, बोले...

गोकुल जलाशय पक्षी विशेषज्ञों व बर्ड वॉचर्स के लिए अनूठा प्राकृतिक धरोहर

♦ डीएम अंशुल अग्रवाल ने कहा- जलाशय की आर्द्रभूमि जैव विविधता का जीवित संग्रहालय है

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल व प्रद्युम्न गौरव द्वारा गोकुल जलाशय के विकास से संबंधित कार्यों का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी ने बताया कि गोकुल ब्रह्मपुर एवं चक्की प्रखंड में स्थित है। अंचल चक्की में पड़ने वाले सभी मौजा का सीमांकन किया जा चुका है। अंचल ब्रह्मपुर में शेष सीमांकन का कार्य कराया जा रहा है। जिलाधिकारी द्वारा भूमि सुधार उप समाहर्ता डुमरांव को निदेशित किया गया कि अपने अनुश्रवण में सीमांकन का कार्य शीघ्र करना सुनिश्चित करेंगे। कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य प्रमंडल बक्सर को निदेशित किया गया कि जलाशय के समीप पथ की मरम्मति कराना सुनिश्चित करेंगे।

वन प्रमंडल पदाधिकारी बक्सर द्वारा बताया गया कि गोकुल जलने के समीप रेस्क्यू सेंटर, इंटरप्रिटेशन सेंटर, टूरिस्ट हब, वॉच टावर, गेस्ट हाउस आदि का निर्माण कार्य के लिए कार्य योजना बनाई जा रही है।

जिलाधिकारी ने बताया कि प्रति वर्ष गोकुल जलाशय में प्रवासी पक्षियों का महाकुम्भ लगता है। 65 प्रजातियों के लगभग 3500 पक्षी यहां आते है। जिसमें नॉर्दर्न शोवलर, गागेर्नी, रूडी शेलडक, ऑस्प्रे, केस्ट्रेल, सैंडपाइपर, येलो वैगटेल के साथ-साथ प्रवासी और दुर्लभ प्रजातियों की पक्षी जैसे इजिप्शियन वल्चर (सफेद गिद्ध) भी सम्मिलित हैं। बिहार में वर्ष 2022 से लगातार सबसे अधिक प्रवासी पक्षियों की प्रजातियां यहां देखने को मिली है।

डीएम ने बताया कि आर्द्रभूमि पृथ्वी के जलवायु को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आर्द्रभूमि विभिन्न प्रकार की प्रजातियों का घर है जो जल शुद्धिकरण और बाढ़ नियंत्रण जैसी परिस्थितियों से निपटने में सहयोगी होता हैं।

आर्द्रभूमि के रूप में घोषित किया गया है गोकुल जलाशय : बता दें कि गोकुल जलाशय को आर्द्रभूमि के रूप में घोषित किया गया है। हाल ही में एशियाई जलपक्षी गणना की गई। यह गणना 28 मार्च से छह अप्रैल 2025 के बीच की गई। बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी के सदस्य अरविंद मिश्रा के नेतृत्व में बुधवार व गुरुवार को गोकुल जलाशय और गंगा क्षेत्र में पक्षी गणना की गई। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के कई प्रवासी पक्षी भी देखे गये, जिनमें नॉर्दर्न शोवलर, गागेर्नी, रूडी शेलडक, ऑस्प्रे, केस्ट्रेल, सैंडपाइपर, येलो वैगटेल आदि प्रमुख रहीं। गोकुल जलाशय में जलकुम्भी की सफाई और खुला जल क्षेत्र होने के कारण पक्षियों के लिए एक आदर्श आश्रय स्थल बन गया है। वहीं, वेटलैंड के महत्व से छात्र-छात्राओं, आम जनों को अवगत कराने के लिए जिला प्रशासन एवं वन प्रमंडल बक्सर के द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर दो फरवरी 2025 को विद्यालय के छात्र-छात्राओं को गोकुल जलाशय वेटलैंड भ्रमण कराया गया एवं उन्हें वेटलैंड के बारे में प्रमुख जानकारी से अवगत कराया गया।

डीएम ने सार्वजनिक पुस्तकालय का किया लोकार्पण

ब्रह्मपुर। प्रंखंड के बैरिया पंचायत की मुखिया सविता देवी द्वारा निर्मित कराए गए आधुनिक सुबिधाओं से लैस सार्वजानिक आधुनिक पुस्तकालय का लोकार्पण बुधवार को जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने किया। इस दौरान आयोजित समारोह की अध्यक्षता हरकेश यादव पूर्व मुखिया ने किया, वही मंच संचालन महावीर यादव ने किया। जिलाधिकारी ने कहा कि यह पुस्तकालय जिले का पहला आधुनिक पुस्तकालय है, जिसे छात्र-छात्राओं को पढ़ाई में आधुनिक सुविधाएं व संसाधन मुहैया कराने के उदेश्य से बनवाया गया हैं। जिसमें कंप्यूटर, वाई- फाई, स्मार्ट बोर्ड के साथ सभी आधुनिक सुविधा उपलब्ध है। इस अवसर पर बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री ददन यादव, एसडीएम राकेश कुमार, ब्रह्मपुर प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि ददन यादव, बीडीओ सोनू कुमार, अभय कुमार प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी ब्रह्मपुर, खुशबू खातून अंचलाधिकारी ब्रह्मपुर, भगवान यादव, बीरेंद्र यादव, हरेंद्र सिंह, गौरी शंकर तिवारी, कन्हैया महतो, राकेश पासवान व अन्य मौजूद रहे।

अस्पताल में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: सीएस

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडलीय अस्पताल का सिविल सर्जन डॉ. शिव कुमार प्रसाद चक्रवर्ती ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की सफाई व्यवस्था, दवाओं की उपलब्धता, डॉक्टरों की उपस्थिति और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं की गहन समीक्षा की। इस दौरान कई कमियों को पाया और स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक सुधारात्मक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मरीज अस्पताल में इलाज के लिए आते हैं और उन्हें अच्छे व्यवहार की अपेक्षा होती है। सीएस ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता न केवल चिकित्सा सुविधा पर निर्भर करती है, बल्कि कर्मचारियों के व्यवहार पर भी प्रभाव डालती है। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया कि वे मरीजों की समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनें और उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान करें। कोई भी मरीज खुशी से अस्पताल नहीं आता है। ओपीडी सेवा के बाद अपराह्न वेला में निरीक्षण के दौरान सीएस ने इमरजेंसी वार्ड, प्रसूति कक्ष और औषधि भंडार का निरीक्षण किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि अस्पताल में लापरवाही या मनमानी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अस्पताल की व्यवस्था में सुधार लाने के लिए उन्होंने सभी कर्मियों को समय पालन, मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और स्वच्छता बनाए रखने पर जोर दिया। इमरजेंसी सेवा में भी तैनात कर्मियों को निर्देशित किया कि मरीजों को तुरंत प्राथमिक उपचार मिलना चाहिए। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को यह भी कहा कि दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और मरीजों को बाहर से दवाएं खरीदने के लिए मजबूर न किया जाए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अस्पताल में मौजूद आम लोगों से बात कर भरोसा दिलाया कि अस्पताल की सेवाओं में शीघ्र सुधार होगा और आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

खेल से बढ़ता से आपसी भाईचारा: पप्पू यादव

केटी न्यूज/केसठ

मां शान्ति देवी स्मृति संस्थान द्वारा आयोजित दो कब्बड्डी मुकाबला का फाइनल मुकाबला कन्या प्राथमिक विद्यालय बस स्टैंड में हुआ। इस में बालक वर्ग से 4 टीम एवं बालिका वर्ग से दो टीम के बीच मुकाबला हुआ।

खेल प्रारंभ होने के पूर्व मुख्य अतिथि राजद नेता सुनील कुमार यादव उर्फ पप्पू यादव ने खिलाड़ियों से हाथ मिलाया मैच का शुभारंभ किया। उन्होंने खेल को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया, जिसमें उन्होंने खेल को स्वस्थ रहने का माध्यम बताया और खेल भावना की अहमियत पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं न केवल खिलाड़ियों को मंच देती हैं, बल्कि सामुदायिक एकता और खेल भावना को भी बढ़ावा देती हैं। खेल का नेतृत्व अजय कुमार विक्रांत और मुकेश कुमार ने किया। वहीं, कॉमेंटेटर के रूप में विनोद मास्टर ने किया वही मैच रेफरी का दायित्व शिक्षक सतेंद्र कुमार ने निभाया।

फाइनल मुकाबला मध्य विद्यालय कुलमनपुर और अनुसूचित जाति मध्य विद्यालय केसठ के बीच हुआ। जिसके अनुसूचित जाति मध्य विद्यालय ने 17-14 से मध्य विद्यालय कुलमनपुर को हरा विजई हो गई। साथ ही बालिका वर्ग का मुकाबला मध्य विद्यालय खरवनिया और अनुसूचित जाति मध्य विद्यालय केसठ के रोमांचक मुकाबले के बीच हुआ जिसमें अनुसूचित जाति मध्य विद्यालय केसठ ने 13-1 से खरवनिया मध्य विद्यालय को हरा दिया। इस दौरान पूरा मैदान दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था। क्षेत्र में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता का समापन एक उत्सव की तरह हुआ। जिसमें विभिन्न क्षेत्र की टीमों ने भाग लिया। बताते चले कि सभी विजयी खिलाड़ियों को आगामी 11 अप्रैल को पुस्कृत किया जाएगा। आयोजकों और संयोजकों की अरुण मिश्रा, विजय यादव मनोज कुमार, राजू दुबे समेत अन्य ने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गेहूं की कटाई का डीएम ने लिया जायजा

डुमरांव। जिले के ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत गहौना पंचायत के ओझवलियां में डीएम अंशुल अग्रवाल ने वर्ष 2024-25 के बिहार राज्य फसल सहायता योजनान्तर्गत कृषक मेघवरण कुहार के खेत में पंचायत स्तरीय रबी गेहूं फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण किया। रबी फसल कटनी का कार्य 10 मीटर लंबा और 5 मीटर चौड़ा यानि 50 वर्ग मीटर क्षेत्र में गेहूं फसल की कटनी कराई गई। फसल कटनी के बाद थ्रेशिंग किया गया। थ्रेशिंग के बाद उसका वजन किया गया। जिसका उपज 15.410 किलोग्राम प्राप्त हुआ। इस प्रकार 31 क्विंटल प्रति हेक्टेयर औसत उपज दर है। फसल कटनी प्रयोग के आंकड़ों के आधार पर उपज दर का आकलन किया जाता है। तत्पश्चात इस आधार पर फसल क्षति का मुआवजा कृषकों को दिया जाता है। फसल कटनी कार्यक्रम के दौरान एसडीएम,डीएओ, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, बीएओ व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वेंडिंग जोन के लिए चयनित पांच स्थानों पर जल्द शुरू हो निर्माण: रवि उज्जवल

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय पुराने नगर परिषद कार्यालय परिसर में फुटपाथी संघ ने बुधवार को पूर्व कार्यक्रम के अनुसार फुटपाथी संघ डुमरांव ने अपनी पांच सूत्री मांग को लेकर धरना दिया। इस कार्यक्रम में बतौर शामिल होने के लिये जदयू के पूर्व विधान सभा प्रभारी रवि उज्जवल कुशवाहा को आमंत्रित किया गया था। रवि उज्जवल ने कहा कि फुटपाथ बजार का एक अंग है, क्योंकि मध्य वर्गीय परिवार की खरीदारी फुटपाथी दुकानों से ही होता है। लेकिन इसकी समस्याओ को कुछ पदाधिकारियों के द्वारा नजर आंदाज किया जा रहा है। इन्हीं कारण सुशासन के कामों पर प्रश्न खड़ा कर दिया जाता है, जो सही नहीं है। इनकी जो पांच सूत्री मांग है, फुटपाथियों के हक में है। वहीं फुटपाथी संघ के अध्यक्ष मिंटू हाशमी ने कहा कि फुटपाथियों ने अपनी पांच सूत्री मांग को लेकर एक दशक कर रही है। उन्होंने कहा कि पांच सूत्री मांगों में वेंडिंग जोन का निर्माण कराना है। इस मांग को पूरा करने के लिये सरकार की तरफ से 31 लाख रुपये पास कर दिया गया था, इसकी सूचना नप को भी दे दी गई थी। फिर उस राशि में से लगभग 15 लाख रुपये नप को भेज भी दिया गया था, जिसका आजतक पता नहीं चला की वो राशि कहां है। इनकी दूसरी मांग में गरीब बेटी की शादी के लिए पांच लाख का अनुदान दिया जाए। तीसरी मांग में ई- श्रम कार्ड पर 60 हजार रुपये आय प्रमाणपत्र बनवाया जाए। चौथी मांग में विगत पांच साल से चल रहा होल्डिंग टैक्स मामला है, जिस पर फुटपाथी संघ ने मांग किया है कि इसकी वसूली में जो मनमानी हो रही है, उसे रोका जाए। नगर परिषद के विस्तारित क्षेत्र में शामिल नया भोजपुर व पुराना

बीडीसी सदस्य को मातृशोक

केसठ। केसठ के पूर्वी क्षेत्र के बीडीसी सदस्य असलम हुसैन की माता आसमा बीबी की मृत्यु हो गई। खबर फैलते ही शोकाकुल परिवार के मिलने के लिए लोगों का जमवाड़ा लगने लगा। मुखिया अरविंद कुमार यादव उर्फ गामा पहलवान,पप्पू यादव, मंटू चंद्रवंशी, विजय यादव, मुकेश कुमार, अजय कुमार विक्रांत व अन्य मौजूद रहे।

मासिक अपराधिक गोष्ठी के दौरान एसपी ने थानाध्यक्ष व अधिकारियों को किया सम्मानित

उत्कृष्ट कार्यों करने के लिए जिले के पांच थानाध्यक्ष समेत 19 अनुसंधानकर्ता सम्मानित

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर एसपी शुभम आर्य ने मार्च महीने में सर्वाधिक कांडों का निष्पादन करने वाले पांच थानाध्यक्षों व 19 अनुसंधानकताओं को सम्मानित किया है। यह सम्मान मंगलवार की शाम एसपी के नेतृत्व में आयोजित मासिक अपराधिक गोष्ठी के दौरान मिला है।

जिन थानाध्यक्षों को सम्मानित किया गया है उनमें बक्सर नगर थाने के थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, डुमरांव थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत, इटाढ़ी थानाध्यक्ष सोनू कुमार, राजपुर थानाध्यक्ष संतोष कुमार व मुरार थानाध्यक्ष अमन कुमार शामिल है।

वहीं, जिन 19 अनुसंधानकताओं को सम्मानित किया गया है। उनमें चक्की थाने के मुनचुन बैठा, सोनवर्षा थाने के भगवान प्रसाद, राजपुर थाना के रविशंकर कुमार, बगेन गोला थाना के रामाशंकर तिवारी, राजपुर थाने के जयप्रकाश कुमार, रविन्द्रनाथ पाल, अनिल कुमार राम, रंजित पासवान, अनिशा भारती, पप्पू कुमार, कृष्णाब्रह्म थाने के कपिलदेव राम, सुदर्शन राम, नगर थाने के अवधेश कुमार, मुरार थाना की ब्यूटि कुमारी, धीरज कुमार, धनसोई थाने के बाला लखिंदर सिंह, कुमार सुमित, नया भोजपुर थाने के अमृत लाल, नगर थाना बक्सर संतोष कुमार के नाम शामिल है।

सभी थानाध्यक्षों को प्रशस्ति पत्र जबकि अनुसंधानकताओं को नगद पुरस्कार दिया गया है। एसपी ने बताया कि हर महीने मासिक गोष्ठी के दौरान कांडो की समीक्षा की जाती है तथा कांडो के निष्पादन में तेजी लाने का निर्देश दिया जाता है, लेकिन बेहतर काम करने वालों को पुरस्कृत करने से और पुलिस पदाधिकारियों को भी बेहतर काम करने की प्रेरणा मिलेगी तथा इससे जिले में अपराध नियंत्रण, शराब तस्करी रोकने सहित विधि व्यवस्था संधारण का लक्ष्य पूरा होगा। एसपी ने कहा कि आगे भी बेहतर काम करने वाले थानाध्यक्षों व पुलिस पदाधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा।

गीधा थाना क्षेत्र के सोंघट्टा गांव में बुधवार की सुबह घटी घटना

दोस्तों ने मांगा बहन का मोबाइल नंबर, भाई ने तीन को मारा चाकू

- ग्रामीणों ने चाकू मार कर भाग रहे आरोपी युवक को पकड़ की जमकर धुनाई
- जख्मियों में दो का आरा सदर एवं दो का कोईलवर पीएचसी में कराया जा रहा है इलाज

केटी न्यूज/आरा

जिले के गीधा थाना क्षेत्र के सोंघट्टा गांव में बुधवार की सुबह मोबाइल नंबर मांगने के विवाद को लेकर दोस्त ने अपने ही तीन दोस्तों को चाकू मार दी जिससे तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। वही चाकू मारकर भाग रहे आरोपी युवक को स्थानीय ग्रामीणों ने दौड़कर पकड़ उसकी भी जमकर धुनाई कर दी। जिससे वह भी गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद स्थानीय थाना द्वारा चाकू से जख्मी युवक व आरोपी युवक को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जबकि चाकू से जख्मी दो का इलाज कोईलवर पीएचसी में कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार चाकू से जख्मियों में गीधा थाना क्षेत्र के सोंघट्टा गांव निवासी रिंजु राय का 21 वर्षीय पुत्र विकाश कुमार,ललन राय का 30 वर्षीय पुत्र अजीत कुमार एवं 40 वर्षीय दोस्त सुभाष राय शामिल है। जबकि जख्मी आरोपी भी उसी गांव के निवासी काशी पांडेय का 25 वर्षीय पुत्र व पांडेय है। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। घटना की सूचना मिलती ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गई है। इधर चाकू से जख्मी विकाश कुमार की मां सुलेखा देवी ने बताया कि बुधवार की सुबह उनका पुत्र दाल पिसवाने के लिए गया था और दाल पिसवाकर वापस घर लौट रहा था। जहां रास्ते में बब्लू पांडेय पहले से पुआल में छिपा बैठा था। जैसे ही वह पहुंचा। तभी बब्लू पांडेय ने उनके बेटे विकाश कुमार को चाकू मार दी। जिससे वह जख्मी हो गया। साथी उन्होंने अपने बेटे के विकास कुमार का आरोपी डब्यू पांडेय से किसी भी प्रकार की विवाद एवं दुश्मनी की बातों से साफ इनकार किया है।

एक दिन पूर्व भी मांगा गया था मोबाइल नंबर, हुई थी मारपीट

आरोपी डब्लू पांडेय ने बताया कि सभी दोस्त हैं और मंगलवार की शाम का गांव में ही स्थित बगीचे में बैठकर खा पी रहे थे। उसी दौरान उन तीनो द्वारा उससे उसकी बहन का मोबाइल नंबर मांगा जाने लगा। जब उसने नंबर देने से मना किया तो उन लोगों द्वारा उसका मोबाइल छीन लिया गया और उसके साथ मारपीट की गई। इसके बाद वे लोग उसका पैंट-शर्ट खोलने लगे और कहने लगे कि यह अपनी बहन का नंबर नहीं दे रहा है। इसे बिना कपड़ा का घर भेजो। इसके बाद वह झिट्टी मार वहां से भागकर अपने घर पहुंचा। बुधवार की सुबह जब वह बाधर में गया था। जहां वे तीनों अपने अन्य साथियों के साथ पहले से मौजूद थे और उसे घेर कर पीटने लगे। उसने घर से अपने जेब में दातून काटने वाला चाकू रखा था। उसी मारपीट के क्रम में तीनों को चाकू लग गई। जिससे तीनों जख्मी हो गए। साथी उसने तीनों को चाकू मारने की बातों से साफ इनकार किया है। वहीं इस मामले में गीधा थानाध्यक्ष उमूस सलमा ने बताया कि आरोपी युवक का इलाज पुलिस अभिरक्षा में कराया जा रहा है और मामले की जांच की जारी है। जांच के बाद ही मामला क्लियर हो पाएगा।

कल कांग्रेस करेगी सीएम आवास का घेराव

- आरा में कांग्रेस की रणनीतिक बैठक, शाहीबी मेराज खां का हुआ भव्य स्वागत

केटी न्यूज/आरा

बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रभारी सचिव देवेंद्र यादव के प्रतिनिधि के रूप में छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमिटी के प्रदेश सचिव शाहीबी मेराज खां का आरा आगमन हुआ। इस दौरान आरा पार्टी कार्यालय शहीद भवन में जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक राम के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत किया गया। स्वागत के बाद, एक बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक राम ने की। बैठक को संबोधित करते हुए शाहीबी मेराज खां ने पार्टी द्वारा 11 अप्रैल को आयोजित पटना में मुख्यमंत्री आवास घेराव को सफल बनाने हेतु पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं के बीच विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कार्यकताओं से मुख्यमंत्री आवास, पटना के घेराव में अपनी अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आह्वान किया। भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम ने शाहीबी मेराज खां को आश्वस्त किया कि जिले की भागीदारी बढ़-चढ़ कर रहेगी और विधान सभा घेराव पूरी तरह से सफल होगा। इस बैठक में भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम, शाहीबी मेराज खां, डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, रजी अहमद, अशोक यादव, डॉ. श्रीधर तिवारी, डॉ. आशुतोष ठाकुर, बीरेंद्र मिश्रा, जंग बहादुर सिंह, विजय बहादुर सिंह, त्रिलोकी नाथ यादव, श्रीकृष्ण सिंह, प्रमोद राय, मुकेश चंद्रवंशी, शिव कुमार प्रसाद, अरविंद कुमार सिंह, रवि राम, मुकेश चंद्रवंशी, प्रमोद कुमार राय, शिव कुमार राम, सूरज प्रकाश सहित दर्जनों नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भोजपुर में ट्रेन के इंजन में फंसी बाइक, टला हादसा

बिहिया। दानापुर-पंडित दिन दयाल उपाध्याय रेलखंड के बिहिया स्टेशन से 500 मीटर पूरब सूर्य मंदिर के पास बाइक ट्रेन के इंजन में फंस गया। इस दौरान बड़ा हादसा टल गया। ट्रेन के इंजन में फंसी बाइक घिसटते हुए महथिन माई मंदिर के समीप तक चली गयी। ट्रेन चालक ने खतरे को भांप तुरंत ट्रेन को रोक दिया। दरअसल, बक्सर से चलकर ट्रेन आरा स्टेशन पहुंचने वाली थी, तभी बिहिया स्थित महथीन माई मंदिर के समीप एक साइड से दूसरे साइड जाने के लिए ट्रैक के जरिए बाइक सवार जा रहा था। स्पेशल ट्रेन को देखकर बाइक सवार अपनी बाइक को छोड़कर फरार हो गया।

बिहिया में भतीजी की डोली से पहले उठी चाचा की अर्थी

बिहिया। आरा-बक्सर नेशनल हाईवे पर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के बढ़िया मोड़ स्थित होटल के समीप अज्ञात वाहन बाइक सवार दो दोस्तों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे एक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जख्मी उसी गांव के निवासी हर्ष चौहान का 37 वर्षीय पुत्र व मृतक का दोस्त चंदन कुमार हैं। संतोष कुमार चौहान उर्फ नेताजी के भाई नरसिंह चौहान की बेटी व उनकी भतीजी प्रिया चौहान की इसी माह 16 अप्रैल को शादी थी। जिसे लेकर वह उसके शादी का कार्ड बांटने के लिए अपने दोस्त चंदन कुमार के साथ बाइक से पटना अन्य नेताओं के पास गए थे।

पांच वर्षीय बच्चे को मैजिक ने मारी टक्कर, मुआवजे को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

केटी न्यूज/आरा

जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के सिअरूआ गांव मोड़ के समीप बुधवार की सुबह मैजिक वाहन ने सड़क पार कर रहे बालक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक मैजिक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना को लेकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। जानकारी के अनुसार मृत बालक उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर गांव निवासी सिकंदर मुसहर का 5 वर्षीय पुत्र रोहित कुमार है। उधर घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर सिअरुआं गांव मोड़ के समय शव को सड़क के बीच रख करीब एक घंटे तक सड़क जाम कर रखा। सड़क जाम होने के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लग गई एवं आवागमन पूरी तरह ठप रहा। वही सड़क जाम की

सूचना पाकर जगदीशपुर थानध्यक्ष पुलिस बल के साथ वहां पहुंचे और लोगों को समझा-बूझाकर जाम को हटवाया। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। इधर मृत बालक के चाचा नरेश मुसहर ने बताया कि वह तीन दिन पूर्व अपनी मां सीता कुमारी एवं छोटे भाई मोहित के साथ जगदीशपुर थाना क्षेत्र के सियरूआ गांव अपने ननिहाल गया था। बुधवार की सुबह जब वह लिट्टी खरीदने के लिए सड़क पार कर एक तरफ से दूसरी तरफ जा रहा था। उसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे मैजिक वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

माइक्रो फाइनेंस कंपनी के मनमानी और रसोई गैस के कीमत में वृद्धि के खिलाफ खोला मोर्चा

मांगों को लेकर ऐपवा की महिला कार्यकर्ता ने किया प्रदर्शन

केटी न्यूज/आरा

माइक्रोफाइनेंस कंपनी की मनमानी व रसोई गैस सिलेंडर का मूल्य में वृद्धि के खिलाफ अखिल भारतीय प्रगतिशील महिला एसोसिएशन ऐपवा की भोजपुर इकाई की ओर से आठ सूत्री मांगों को लेकर भोजपुर जिलाधिकारी के समक्ष प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन भाकपा-माले जिला कार्यालय से निकाल कर शहर के विभिन्न मार्गो से होते हुए डीएम भोजपुर के समक्ष प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में महिलाएं शामिल थी, इस दौरान की महिलाओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की वहां पहुंचने के बाद भोजपुर डीएम के गेट के समक्ष सभा आयोजित की गई सभा की अध्यक्षता ऐपवा नगर अध्यक्ष शोभ मंडल ने किया। इस दौरान प्रदर्शन को संबोधित करते हुए ऐपवा के जिला सचिव इंदू सिंह ने कहा कि बिहार के गरीब मेहनतकश गरीब खासकर महिलाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय होती जा रही है।

बढ़ती महंगाई कम आमदनी सम्मानजनक मानदेय का अभाव और शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं के निजीकरण के कारण आज अधिकांश महिलाओं को अपने परिवार के भरण-पोषण हेतु कर्ज लेने को मजबूर होना पड़ता है। जीविका के माध्यम से बनाया गया स्वयं सहायता समूहों ने महिलाओं को कुछ हद तक सहारा अवश्य दिया है परंतु बीते वर्षों में उनके समक्ष नई और गंभीर समस्याएं उभरकर सामने आई है।

माइक्रोफाइनेंस कंपनी जरूरत मंद गरीब परिवारों को कर्ज लेने को प्रेरित करती है लेकिन ऊंचे दर पर सूद के कारण यह महिलाएं एक के बाद दूसरे माइक्रो फाइनेंस कंपनी के जाल में फंसती चली जाती है। जिसके कारण महिलाएं आत्महत्या के लिए मजबूर हो जाती है या घर छोड़कर भागने जैसे कदम उठाने के लिए मजबूर हो रही है। पैसा वसूली प्रक्रिया के दौरान महिलाओं और गरीब परिवारों के साथ उत्पीड़न मानसिक प्रताड़ना और सामाजिक अपमान जैसी घटनाएं आम हो गई है यह स्थिति न केवल वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा दे रही है बल्कि समाज में समानता और अवसाद को भी गहरा कर रही है। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए नगर सचिव संगीता सिंह ने कहा कि मोदी की सरकार में लगातार महंगाई चरम पर जा रही है अभी हाल ही में 50 रुपये सिलेंडर का दाम बढ़ा दिया गया। जबकि एक तो पहले से ही महंगाई की मार से महिलाएं संकट झेल रही है। इन महिलाओं के सामने न तो रोजगार है नहीं कोई ऐसी व्यवस्था जिसके जरिए वह अपना जीवन का पालन कर सके। लेकिन इसको हल करने की बजाय यह मोदी सरकार लगातार रसोई गैस का दाम बढ़ा रही है।

संक्षिप्त समाचार

रांची एयरपोर्ट ने जारी किया नया टाइम टेबल, इन शहरों के लिए 3 फ्लाइट बंद

रांची, एजेंसी। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से विभिन्न एयरलाइंस के विमानों की आवाजाही की नई समय-सारिणी मंगलवार को जारी की गई। समर शेड्यूल के तहत जारी नई सारिणी में तीन विमानों का परिचालन नहीं होगा। नए शेड्यूल के मुताबिक, प्रतिदिन यहां से 28 उड़ानों की आवाजाही होगी। जबकि, इससे पहले 31 उड़ानें उपलब्ध थीं। बंद होनेवाली विमान सेवा में एक सुबह 8 I50 बजे आनेवाले एयर इंडिया की कोलकाता-रांची-कोलकाता और दो विमान दिल्ली-रांची-दिल्ली के हैं। दिल्ली के उक्त दो विमान में से एक 12 I10 बजे और दूसरा अपराह्न 3 I25 बजे रांची आता है। जबकि, यह समय-सारिणी अगले तीन महीनों के लिए होगी। यह सारिणी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। पूर्व की तरह रांची में विमानों का परिचालन सुबह 7 I20 से आरंभ होकर रात को 21 I05 बजे तक होगा। यह सारिणी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है।

अगले 48 घंटे बाद पूरे झारखंड में बिगड़ने वाला है मौसम, बेवजह घर से बाहर न निकलें

रांची, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में बनें नमी का असर रांची समेत राज्यभर के मध्य-पूर्वी हिस्से में मंगलवार को दिखाई पड़ने लगा है। मंगलवार की संध्या आसमान में बादल छाये दिखाई पड़े। इस दौरान अधिकतम तापमान में गिरावट देखने को मिली। वहीं, अगले 48 घंटे बाद पूरे झारखंड में मौसम बिगड़ने वाला है। इस दौरान लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है। बहुत अधिक जरूरी पड़ने पर ही घर से बाहर निकलें ।मौसम विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि बुधवार को हवाओं की गति में बदलाव दिखाई पड़ेगा। साथ ही देर शाम को हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है। साथ ही 11 और 12 अप्रैल और तक राज्यभर में अलग-अलग जिलों में बारिश की चेतावनी जारी की गई है ।वहीं मंगलवार की संध्या हवाओं की गति 30-40 किलोमीटर प्रतिघंटा रिकार्ड की गई है। वहीं शुक्रवार और शनिवार को ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

रांची में चोरी करने पहुंचे बदमाशों के वाहनों को ग्रामीणों ने फूंका, मौका पाकर भाग निकले चोर

बुढ़मू, एजेंसी। राजधानी रांची के बुढ़मू ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के पतरातू गांव में मंगलवार (8 अप्रैल) की देर रात बीएसएनएल टावर में लगी बैटरी की चोरी करने पहुंचे ग्रामीणों ने उसके वाहनों पर आग लगी दी। ग्रामीणों के शोर को सुनकर सभी बदमाश वहां से भाग निकले। खबर लिखे जाने तक चोरों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक मंगलवार की देर रात करीब 2 बजे पतरातू गांव के कुछ ग्रामीण महुवा चुनने जा रहे थे। इसी दौरान ग्रामीणों की नजर बीएसएनएल के मोबाइल टावर के पास खड़ी गाड़ी पर पड़ी। ग्रामीणों ने देखा कि 6 लोग टावर में लगी बैटरी को चोरी करने का प्रयास कर रहे है। चोरों को देख ग्रामीणों ने शोर मचाया। इसके बाद हो-हल्ला सुनकर करीब 200 ग्रामीण बीएसएनएल टावर के पास पहुंचे। ग्रामीणों को देख सभी चोर अपनी गाड़ियां छोड़कर फरार हो गए। इसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने चोरों की दो मोटरसाइकिल और एक मालवाहक पिकअप वाहन में आग लगा दी।

जेएसएससी से 26 हजार शिक्षकों की नियुक्ति की समय सीमा मांगी

रांची, एजेंसी। झारखंड में शिक्षकों की कमी को लेकर झारखंड हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के अध्यक्ष को निर्देश दिया है कि वे 26 हजार शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया की स्पष्ट समयसीमा बताएं। नियुक्ति प्रक्रिया कब शुरू और कब पूरी होगी। हाईकोर्ट में यह सुनवाई एक जनहित याचिका पर हो रही है ।याचिका में झारखंड के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी को गंभीर चिंता का विषय बताया गया है। यू-डायस के आंकड़ों का हवाले देते हुए जानकारी दी गई थी कि राज्य के 30 प्रतिशत से अधिक प्राथमिक विद्यालयों में सिर्फ एक शिक्षक कार्यरत हैं, यह शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 का उल्लंघन है।

देशभर में खुलेंगे 100 और सैनिक स्कूल, केंद्र सरकार ने दे दी गुडन्यूज

कोडरमा, एजेंसी। सैनिक स्कूल तिलैया में मंगलवार को दो दिवसीय आल इंडिया सैनिक स्कूल प्रिंसिपल कांफ्रेंस का शुभारंभ किया गया। गुरुवार को इसका समापन होगा। कांफ्रेंस के पहले दिन बतौर मुख्य अतिथि रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ शामिल हुए। इसके अलावे इस कांफ्रेंस में देश भर के 33 सैनिक स्कूलों के प्राचार्य भी शामिल हुए।

कांफ्रेंस में देशभर के सैनिक स्कूलों के आधारभूत संरचनाओं के साथ शैक्षणिक स्तर में बदलाव और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मद्देनजर रखते हुए की सुधार की परिकल्पना तैयार की जाएगी।

सैनिक स्कूल पहुंचने पर मंत्री संजय सेठ को स्कूल के कैडेटों की ओर से गार्ड आफ़ आनर दिया गया। इससे पहले संजय सेठ ने स्कूल के अमर तिलैयंस स्मारक स्थल पर पुष्प चक्र चढ़ाकर विभिन्न अभियानों मे शहीद हुए स्कूल के पूर्व छात्रों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मीडिया से बात करते हुए मंत्री संजय सेठ ने कहा कि जिस विकसित भारत के संकल्पों को पूरा करने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया है, उसमें सैनिक स्कूल के कैडेट अहम भूमिका निभाएंगे।

इसकी परिकल्पना इस कांफ्रेंस के जरिए तैयार की जा रही है। उन्होंने बताया कि 2047 के विकसित भारत के लिए सैनिक स्कूल के कैडेट ब्रांड एम्बेसडर होंगे।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में पीपीपी मोड पर देशभर में 100 सैनिक स्कूल खोले जाएंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा कैडेट देश रक्षा के अलावे अन्य क्षेत्रों में जाकर देश को गौरवान्वित करें।

राज्य के दुमका और देवघर में भी सैनिक स्कूल खोले जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कुछ चीजें प्रक्रियाधीन है।उन्होंने कहा कि झारखंड के युवाओं को भारतीय फौज का हिस्सा बनने के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है। जिसके तहत 19 और 20 अप्रैल को रांची में विश्वस्तरीय एयर शो का आयोजन होगा।

इसके अलावे डिफेंस एक्सपो भी झारखंड में कराने का प्रस्ताव तैयार किया गया, जिससे राज्य की एमएसएमई सेक्टर को भी आगे आने का अवसर मिलेगा।उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल तिलैया देश का गौरव है, जहां से सबसे ज्यादा कैडेट एनडीए के जरिए देश रक्षा के क्षेत्र में कदम रखते है। आज सैनिक स्कूलों में बालिकाओं की शिक्षा का रास्ता साफ हुआ है।

आने वाले समय में और भी कई बदलाव देखे जाएंगे। सैनिक स्कूल तिलैया की चर्चा करते हुए मंत्री संजय सेठ ने कहा कि यह स्कूल देश का सबसे बड़ा सैनिक स्कूल है, यहां सबसे ज्यादा कैडेट पढ़ते है।

सैनिक स्कूल पहुंचने के बाद मंत्री संजय सेठ ने स्कूल को भ्रमण भी किया और कैडेटों के साथ दोपहर का भोजन कर उनका उत्साह बढ़ाया।

ट्रांसफार्मर पर काम के दौरान चालू हो गई बिजली:धनबाद में संविदा पर कार्यरत बिजली मिस्त्री घायल

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र में बिजली विभाग की घोर लापरवाही से जुड़ा मामला सामने आया है। शहर के नया बाजार विद्युत डिवीजन में बड़ी लापरवाही से एक बिजली मिस्त्री बुरी तरह झुलस गया। बैंक मोड़ के पास एक ट्रांसफॉर्मर की मरम्मत के लिए शट डाउन लिया गया था। मेंडेज नाम की कंपनी में संविदा पर कार्यरत बिजली मिस्त्री विजय कर्मकार काम कर रहे थे। उसी दौरान बिजली सप्लाई चालू कर दी गई।

बिजली चालू होते ही विजय करंट की चपेट में आ गए। वह बुरी तरह झुलस भी गए। किसी तरह सप्लाई बंद कराई गई। सहकर्मियों ने जख्मी विजय को ट्रांसफॉर्मर से उतारा और पुलिस की मदद से इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजवाया। वहां उनका इलाज जारी है।

मेंडेज कंपनी के कर्मी अनिल कुमार ने बताया कि विजय लाइन बंद कर के काम कर रहे थे, जब यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना फोन कर ऑफिस में दी। इसके बाद हमलोग यहां से लाइन बंद करा दिए। इसके बाद हमलोग मौके पर पहुंचे तो वहां देखा कि विजय ट्रांसफॉर्मर में लटके हुए थे। कर्मी अनिल कुमार ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर में आग लगी हुई थी। वहां काम कर रहे कर्मी पूरी तरह झूलस गए थे। उनके हाथ पैर और शरीर के कई हिस्से जल गए थे। कमर के पास भी आग लगी हुई थी। स्थानीय लोगों ने आग बुझाया और सबकी मदद से नीचे उतार कर अस्पताल लाया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म में दोषी करार

धनबाद, एजेंसी। शादी का प्रलोभन देकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के एक मामले में मंगलवार को पोक्सो के विशेष न्यायाधीश प्रभाकर सिंह ने तोपचांची निवासी हुसैन अहमद को दोषी करार दिया है। अदालत ने सजा की बिंदु पर सुनवाई के लिए नौ अप्रैल की तारीख निर्धारित की है। अभियोजन का संचालन अपर लोक अभियोजक समित प्रकाश ने किया। आरोपी इस मामले में बीते तीन वर्षों से फरार है, उसकी अनुपस्थिति में ही अदालत ने अपना फैसला सुनाया। प्राथमिकी पीड़िता की पिता की शिकायत पर तोपचांची थाने में दो नवंबर 2022 को दर्ज की गयी थी। इसके मुताबिक हुसैन पीड़िता को शादी का झांसा देकर बुलाता था और उसके साथ दुष्कर्म करता था। घटना को एक बार ग्रामीणों ने देख लिया था। इसके बाद हुसैन पीड़िता से शादी करने के लिए तैयार हो गया था। परंतु बाद में वह अपने वादे से मुकर गया। धनबाद के सरायढेला थाना क्षेत्र के एक होटल में भाजपा नेत्री व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन पर पिस्टल तान देने के मामले में जेल में बंद मधुबन अपार्टमेंट लोअर हटिया रांची निवासी देवाशीष मनोरंजन घोष की जमानत याचिका पर सुनवाई मंगलवार को जिला व सत्र न्यायाधीश संजय कुमार सिंह की अदालत में हुई। बचाव पक्ष से अधिवक्ता के के तिवारी ने बहस की। वहीं अपर लोक अभियोजक समित प्रकाश ने जमानत का कड़ा विरोध किया। अदालत ने उभय पक्षों की दलीलें सुनने के बाद देवाशीष को जमानत पर मुक्त करने का आदेश दिया है। गौरतलब है कि देवाशीष सात मार्च 2025 से जेल में बंद है।

रंगदारी के लिए बीसीसीएल की रेल लाइन बिछाने के काम को बाधित करने के एक मामले की सुनवाई मंगलवार को एमपी एमएलए न्यायालय के विशेष न्यायिक दंडाधिकारी अर्पिता नारायण की अदालत में हुई। इस दौरान अभियोजन की ओर से सहायक लोक अभियोजक प्रखर श्रीवास्तव ने गवाह मुकेश कुमार गुप्ता, मिराज अंसारी व शाहिद उर्फ शाहिल को अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया। तीनों ने कोर्ट को दिए अपने बयान में कहा कि उन्हें घटना की कोई जानकारी नहीं है। अदालत में धनबाद सांसद ढुलू महतो गैर हाजिर थे। अभियोजन ने तीनों गवाह को पक्ष द्रोही घोषित कर दिया।

केंद्र बनाए एससी एसटी सब प्लान की राशि के लिए कानून, कांग्रेस ने की मांग

रांची, एजेंसी। प्रदेश कांग्रेस ने केंद्र सरकार से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए सबप्लान को लेकर कानून बनाने की मांग की है। प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि कांग्रेस एससी एसटी सब प्लान को लेकर केंद्रीय कानून बनाने की मांग करती है।

एससी एसटी सब प्लान कानून से होगा कल्याण-केशव महतो कमलेश

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि हम अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों का सर्वांगीण विकास चाहते हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इंदिरा गांधी के शासनकाल में एससी एसटी सब प्लान की योजना बनाई गई थी। ताकि सामाजिक और आर्थिक अंतर को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि इन वर्गों को बुनियादी योजनाओं का लाभ मिले, इसके लिए केंद्रीय कानून जरूरी है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि केंद्र की भाजपा सरकार ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए बजट में कटौती की है।

एससी एसटी सब प्लान में हुए खर्च का हो विशेष ऑडिट-रामेश्वर उरांव

राज्य के पूर्व वित्त मंत्री और विधायक रामेश्वर उरांव ने कहा कि वे यूपीए सरकार में मंत्री थे और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि वे जानते हैं कि एसटी सब प्लान का पैसा इन समुदायों के विकास पर खर्च करने के बजाय किस तरह अन्यत्र खर्च किया जाता है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में अनुसूचित जनजाति सब प्लान की राशि से पुलिस के लिए गोलियां खरीदी गईं, एयरपोर्ट तक सड़क बनाई गई, कहीं परिवहन पर खर्च किया गया है।

पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि नियम 275-(1) के अनुसार केंद्र सरकार आदिवासियों के कल्याण के लिए एससी एसटी सब प्लान की राशि देती है। लेकिन वह राशि राज्य में आते-आते खत्म हो जाती है। इसीलिए राहुल गांधी कानून बनाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को यह काम जल्द करना चाहिए, ताकि राशि का बंदरबांट न हो। पूर्व मंत्री ने कहा कि विशेष ऑडिट होना चाहिए, ताकि पता चल सके कि अब तक राशि कहां खर्च हुई है। हर साल जनरल एजी ऑडिट होता है, लेकिन इसका अलग से ऑडिट होना चाहिए, ताकि हकीकत सामने आ सके।

झारखंड सरकार में वित्त मंत्री और कांग्रेस नेता राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि यह बहुत ही महत्वपूर्ण और संवेदनशील मामला है। यह पूरे देश के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए भी महत्वपूर्ण है। एससी एसटी सब प्लान को कानून का रूप देने की मांग संवैधानिक है। संविधान में यह प्रावधान पहले से ही है।

आवास योजना की जानकारी देने निकला जागरूकता रथ

धनबाद, एजेंसी। आवास विहीन परिवारों को आवास योजना की जानकारी देने के लिए मंगलवार को नगर निगम का जागरूकता रथ निकला। नगर आयुक्त रवि राज शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रथ को रवाना किया। नगर आयुक्त श्री शर्मा ने बताया कि तीन साल के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना फेज 2I0 आया है। इसमें ज्यादा से ज्यादा लाभुकों को योजना का लाभ देना है। फेज 1I0 में लाभुकों को चार किस्तों में 2I25 लाख मिलते थे। फेज 2I0 में लाभुकों को तीन किस्तों में 2I50 लाख रुपये मिलेंगे। वैसे परिवारों को योजना का लाभ दिया जायेगा जिनके पास अपनी जमीन है और परिवार की सालाना आय तीन लाख रुपये है। यह जागरूकता रथ नगर निगम के सभी 55 वार्डों में घूमेगा और लोगों को आवास योजना की जानकारी देगी। मसलन, कैसे फॉर्म भरना है, आवेदन के साथ क्या-क्या कागजात लगेंगे आदि कि जानकारी देगा। मौके पर अपर नगर आयुक्त कमलेश्वर नारायण,

सहायक नगर आयुक्त प्रतिभा रानी, सिटी मैनेजर व सिटी लेबल टेक्निकल सेल के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

नगर निगम का सर्वर अपडेट हो गया है। मंगलवार को नगर निगम का टैक्स काउंटर खोल दिया गया है। इसी के साथ टैक्स जमा करने वालों के लिए ऑफर की भी घोषणा की गयी है। एक अप्रैल से 30 जून तक (पहली तिमाही) होल्डिंग टैक्स जमा करने पर 15 प्रतिशत तक की छूट का ऑफर है। नगर निगम अधिकारी के मुताबिक डोर टू डोर टैक्स कलेक्शन पर पांच प्रतिशत, कार्यालय में टैक्स जमा करने पर 7I5 प्रतिशत तथा ऑन लाइन टैक्स जमा करने पर 10 प्रतिशत की छूट है। अगर होल्डिंग धारक महिला, सीनियर सिटीजन, आर्मी, दिव्यांग व किन्नर है, तो उन्हें अतिरिक्त पांच प्रतिशत की छूट दी जा रही है। मसलन, उपरोक्त चारों कैटेगरी के होल्डिंग धारक ऑनलाइन होल्डिंग टैक्स जमा करते हैं ,तो 10 की जगह 15 प्रतिशत छूट मिलेगी। यह ऑफर 30 जून तक है।

हेमंत सरकार के खिलाफ टाटा स्टील की बड़ी जीत

हाईकोर्ट ने दिया 1.23 करोड़ का जीएसटी रिफंड का आदेश

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड हाईकोर्ट ने टाटा स्टील को जीएसटी कानून के तहत 1I23 करोड़ रुपये का रिफंड दिए जाने का आदेश जारी किया है। यह राशि कंपनी द्वारा कोयले की खरीद पर चुकाए गए मुआवजा उपकर (कंपनसेशन सेस) पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी) के रूप में थी।

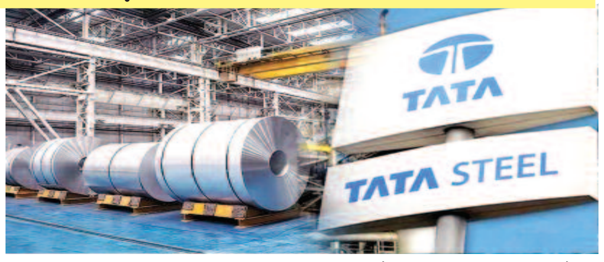

कोर्ट ने पाया कि राज्य सरकार ने रिफंड खारिज करने के जो आधार प्रस्तुत किए, वे विधिसम्मत नहीं बल्कि 'बाह्य और असंगत' थे। साथ ही, कोर्ट ने कंपनी को सीजीएसटी अधिनियम की धारा 56 के अंतर्गत निर्धारित ब्याज भी देने का निर्देश दिया है।

मुख्य न्यायाधीश एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने राज्य सरकार के फैसले को पलटते हुए कहा कि रिफंड रोकने के लिए दिए गए पांचों आधार कानूनन टिकाऊ नहीं हैं। कोर्ट ने इसे अनुचित और गैर-कानूनी करार दिया। पहला आधार था कि निर्यात के 180 दिनों के भीतर भुगतान का सबूत नहीं दिया गया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह नियम केवल सेवाओं के निर्यात पर लागू होता है, वस्तुओं पर नहीं। टाटा स्टील ने माल के निर्यात के लिए शिपिंग बिल और चालान का मिलान पहले ही जमा कर दिया था। दूसरा, सरकार ने कहा कि चालान के 90 दिनों के भीतर निर्यात का सबूत नहीं मिला, लेकिन कोर्ट ने पाया कि कंपनी के दस्तावेजों में निर्यात सामान्य मैनिफेस्ट (ईजीएम) की जानकारी मौजूद है, जो 90 दिनों के भीतर निर्यात की पुष्टि करता है।

2023 के सरकारी परिपत्र का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि अगर माल वास्तव में निर्यात हुआ है, तो समय सीमा से परे भी रिफंड मिल सकता है। तीसरे आधार में गैर-मुकदमेबाजी की घोषणा मांगी गई थी, जिसे कोर्ट ने खारिज करते हुए कहा कि कानून में ऐसी कोई शर्त नहीं है।फिर भी, टाटा ने विभाग के नोटिस के जवाब में यह घोषणा दी थी। चौथा, सरकार ने उपकर अधिनियम की धारा 11(2) के तहत वचनपत्र की मांग की थी। कोर्ट ने इसे भी खारिज किया, क्योंकि टाटा स्टील ने बिना टैक्स चुकाए निर्यात किया था, इसलिए उपकर का समायोजन का सवाल ही नहीं उठता। आखिरी आधार में 2019 के परिपत्र के पैरा 43(सी) के तहत बयान मांगा गया था।कोर्ट ने कहा कि यह नियम क्रेडिट वापसी के मामलों पर लागू होता है, जो यहां नहीं था।

धनबाद में 2 जगहों पर एनआईए की ताबड़तोड़ छापामारी, गोदाम के अंदर घुसते ही टीम रह गई हैरान

निरसा (धनबाद), एजेंसी। एनआईए की टीम ने बुधवार को चिरकुंडा के लायकडीह निवासी अमरजीत शर्मा के आवास और कलियासोल प्रखंड के बोरियो गांव में स्थित गोदाम में छापेमारी की। गोदाम में प्रवेश करते ही टीम हैरान रह गई। टीम को भारी मात्रा में जिलेटिन एवं विस्फोटक सामग्री बरामद मिली है।

मामले की जानकारी होते ही गांव के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। एनआईए की टीम अमरजीत के बड़े भाई संजय शर्मा को पकड़ कर उसे अमरजीत के गोदाम लाकर छापेमारी कर रही है। यहां से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद की गई है। जिसकी गिनती टीम कर रही है।

हालांकि, इस संबंध में एनआईए की टीम कुछ भी बताने से परहेज कर रही है। अमरजीत उक्त गोदाम में पूर्व में मुर्गा फार्म खुले हुए था। लगभग 5 वर्ष पूर्व आंधी तूफान के दौरान एस्बेस्टस शीट उड़ गया था। उसके बाद से वह गोदाम में क्या काम करता था ग्रामीणों को इसकी कोई जानकारी नहीं है।

एनआईए टीम की छापेमारी के बाद ग्रामीण भौचक है। इधर पता चला है कि अमरजीत बंगाल में अवैध रूप से विस्फोटक की बिक्री करता है। इसका गलत इस्तेमाल भी हो रहा है।

छापेमारी में एनआईए की टीम को लगभग 50 किलो से ज्यादा अमोनियम नाइट्रेट मिला है। एमोनियम नाइट्रेट का का इस्तेमाल बम बनाने में होता है। साथ ही लगभग एक हजार पीस से ज्यादा जिलेटिन मिला है। टीम ने अमोनियम नाइट्रेट को वजन करने के लिए कांटा मंगवाया है।

स्कूल में छात्र को रोककर सिर और पैर दबवाने का मामला, तीन शिक्षकों पर बड़ी कार्रवाई

गढ़वा, एजेंसी। जिले के भवनाथपुर प्रखंड की पंडरिया पंचायत स्थित राजकीय उत्क्रमित प्राथमिक मध्य विद्यालय बेलपहाड़ी के शिक्षक बबन सिंह और धीरेंद्र पाल पर कक्षा दो के छात्र को दो घंटे तक कमरे में बंद कर सिर और पैर दबवाने तथा गंदी-गंदी गालियां देने का आरोप लगा है।मामला सामने आने के बाद अभिभावकों ने विरोध दर्ज कराया था। वहीं, दूसरी तरफ शिक्षा विभाग की रिपोर्ट के बाद डीसी ने मामले में तीन शिक्षकों पर कार्रवाई की है। डीसी ने एक शिक्षक को बर्खास्त कर दिया है और दूसरे शिक्षक को निलंबित कर दिया है। साथ ही तीसरे शिक्षक पर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

छुट्टी के बाद भी शिक्षकों ने छात्र को अपने साथ रखा : अभिभावक का आरोप है कि चार दिन पहले उत्क्रमित प्राथमिक मध्य विद्यालय बेलपहाड़ी में दोपहर में करीब 2-30 बजे छुट्टी के बाद सरकारी शिक्षक बबन सिंह और सहयोगी शिक्षक धीरेंद्र पाल ने कक्षा दो के एक छात्र को घर जाने से रोककर रखा। इतना ही नहीं एक कमरे में ले गए, जहां कमरा बंद कर छात्र से दो घंटे तक सिर और पैर दबवाया। साथ ही यह बात किसी को नहीं बताने की बात कही। छात्र करीब दो घंटे तक दोनों शिक्षकों का सिर और पैर दबाता रहा। जिसका वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। इधर, विद्यालय में छुट्टी के बाद भी जब छात्र घर नहीं पहुंचा तो उसके पिता ने अपने पुत्र की खोजबीन शुरू की। वह विद्यालय पहुंच गए और शिक्षक प्रदीप पाल से पूछताछ की, जिसमें पता चला कि छात्र विद्यालय में ही है। इसके बाद माता-पिता अपने पुत्र को विद्यालय से लेकर घर आए। छात्र ने घर पहुंचकर माता-पिता को आपबीती सुनाई। जिसे सुनकर परिजन आक्रोशित हो गए, लेकिन तब तक विद्यालय बंद हो चुका था।

अभिभावक ने की थी कार्रवाई की मांग : दूसरे दिन छात्र के पिता ने ग्रामीणों के साथ विद्यालय पहुंचकर प्रधानाध्यापक अखलाक अंसारी को घटना की जानकारी दी और मामले में कार्रवाई की मांग की। अभिभावकों ने बताया कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी दो बार इसी तरह की बात हुई है। वहीं, विद्यालय में पढ़ने वाले अन्य छात्रों ने बताया कि सोमवार को शिक्षक बबन सिंह और धीरेंद्र पाल कक्षा दो के एक छात्र को एक कमरे में ले जाकर सिर और पैर दबवा रहे थे। साथ ही उसे गंदी-गंदी गालियां भी दे रहे थे। छात्रों का कहना है कि उन्होंने इस पूरे प्रकरण को खिड़की से झांक कर देखा था।

आरोपी शिक्षक धीरेंद्र पाल और बबन सिंह से जब इस संबंध में पूछा गया तो उन्होंने इस आरोप को बेबुनियाद बताया। वहीं, प्रधानाध्यापक अखलाक अंसारी ने बताया कि बबन सिंह का आचरण ठीक नहीं है। कई बार विभाग को लिखित और मौखिक शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई थी।

हालांकि सोशल मीडिया पर मामले का वीडियो और फोटो वायरल होने के बाद डीसी एक्शन में दिखे। उन्होंने तत्काल एक टीम गठित कर जांच के निर्देश दिए।

सुभाषितम्

अहसास के साथ आप जो कुछ भी यकीन करते हैं वही आपकी हकीकत बन जाती है। - ब्रायन ट्रेसी

राज्यपालों द्वारा संवैधानिक शक्ति का दुरुपयोग, कार्यवाही क्यों नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक फैसला दिया है, जिसमें राज्यपालों के अधिकारों की संवैधानिक सीमा पर विवेचना की है। सुप्रीम कोर्ट के न्याय मूर्ति जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की खंडपीठ ने तमिलनाडु की अपील पर फैसला सुनाते हुए कहा, राज्यपाल के पास संविधान का कोई वीटो पावर नहीं है। राज्यपाल द्वारा 10 विधेयकों को रोक कर रखा गया था। उसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल आर एन रवि को कड़ी फटकार लगाई है। संविधान के अनुच्छेद 142 के अंतर्गत शक्तियों का उपयोग करते हुए उसी तिथि से विधेयक पारित करने के आदेश दिए गए हैं। ये विधेयक राज्यपाल के पास 2020 से 2023 के बीच में भेजे गए थे, जिन पर स्वीकृति नहीं दी गई थी। अधिकतर विधेयक राज्य विश्वविद्यालय के कुलपतियों की नियुक्तियों से संबंधित थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, संविधान निमार्ताओं ने राज्यपाल की भूमिका एक बुद्धिमान संवैधानिक प्रमुख के रूप में की थी। राज्यपाल को राज्य सरकार की सलाह पर काम करने की जिम्मेदारी दी गई है। राज्यपाल के पास विधेयक रोकने का कोई वीटो अधिकार नहीं है। राज्यपाल का फैसला गैरकानूनी और मनमाना है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में राज्यपाल की भूमिका विधेयक के संबंध में तय कर दी है। राज्यपाल को बिल पर आपत्ति है तो राज्यपाल आपत्ति के साथ एक माह के अंदर राष्ट्रपति को भेजें। राज्यपाल किसी बिल पर सहमत नहीं है तो 3 माह के अंदर विधानसभा को वापस लौटाएं। विधानसभा से दूसरी बार बिल पारित हो जाता है तो ऐसी स्थिति में राज्यपाल को मंजूरी देनी ही होगी। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया है, कि राज्यपाल का पद न्यायिक समीक्षा के अंतर्गत है। राज्यपाल को विधानसभा और सरकार की मंत्री परिषद की सलाह पर काम करने की संवैधानिक बाध्यता है। जस्टिस पारदीवाला ने अपने आदेश में राज्यपाल की भूमिका को मार्गदर्शी के रूप में बताया है। संविधान राज्यपाल को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के रूप में काम करने की अनुमति नहीं देता है। उन्होंने अपने आदेश में यह भी लिखा, संविधान कितना भी अच्छा हो यदि इसे लागू करने वाले अच्छे नहीं हैं तो यह बड़ा ही गलत साबित होगा। पिछले कुछ वर्षों में राज्यपालों की भूमिका को लेकर लगातार विवाद की स्थिति बनी रही। महाराष्ट्र में जिस तरह से राज्यपाल ने निर्वाचित सरकार को गिराने में अहम भूमिका का निर्वाह किया था सुप्रीम कोर्ट ने उसे असंवैधानिक माना था। उसके बाद भी सुप्रीम कोर्ट का आधा अधूरा आदेश होने से ना तो वहां की सरकार बहाल हुई ना ही तत्कालीन राज्यपाल पर कोई कार्यवाही की गई। उसके बाद से पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, दिल्ली इत्यादि राज्यों में जहां केंद्र सरकार से इतर विपक्षी दलों की सरकारें थीं वहां के राज्यपालों ने वहां की सरकारों को काम करने से एक तरह से रोकने का काम किया। केंद्र की सरकार के इशारे पर काम करते हुए केंद्र के प्रतिनिधि बनकर राज्यपाल राजनीतिक उपकरण बन गए थे। वहीं भ्रष्टाचार के भी आरोप राज्यपालों पर लगने लगे। राज्यों के विश्वविद्यालय में कुलपति और प्रोफेसर की नियुक्ति में भारी लेनदेन के आरोप लगने लगे थे। पंजाब के सात विधेयक, तमिलनाडु के 10 विधेयक, पश्चिम बंगाल के 23 विधेयक और दिल्ली सरकार के कई विधेयक राज्यपालों ने रोक रखे थे। दिल्ली सरकार में राज्यपाल की भूमिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जब निर्णय दिया तो केंद्र सरकार ने केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण सुप्रीम कोर्ट के आदेश को ही बदल दिया था। पिछले वर्षों में सुप्रीम कोर्ट में विभिन्न याचिकाओं में प्रमाणित हो चुका है, कि राज्यपालों ने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया है, लेकिन किसी भी राज्यपाल के खिलाफ हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग करने पर किसी भी राज्यपाल के ऊपर पद से हटने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं की है। महाराष्ट्र का मामला तो बिल्कुल अनूठा था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि सरकार को गलत तरीके से गिराया गया है। राज्यपाल के फैसले को गलत भी माना था। फिर भी कोई कार्यवाही नहीं होने से राज्यपाल का पद भी पिछले कुछ वर्षों में बदनामी के केंद्र में आ गया है। इन सारे मामलों में केंद्र सरकार की चुप्पी तथा हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय पर सुनवाई नहीं करने और स्पष्ट आदेश जारी नहीं करने और प्रमाणित हो जाने के बाद भी कि राज्यपालों द्वारा अपने संवैधानिक अधिकारों का दुरुपयोग किया गया है, शिक्षण संस्थानों के कामकाज में भ्रष्टाचार किया गया है।

चिंतन-मनन

निराशा से होती है हार

नियति प्रम के निरंतर उल्लंघन से प्रकृति का अदृश्य वातावरण भी इन दिनों कम दूषित नहीं हो रहा है। भूकम्प, तूफान, बाढ़, विद्रोह, अपराध, महामारियां आदि पर नियंत्रण पाना कैसे संभव होगा, समझ नहीं आता। किंकर्त्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंचा हतप्रभ व्यक्ति प्रमशः अधिक निराश होता है। इतना साहस और पराक्रम तो विरलों में होता है, जो आंधी, तूफानों के बीच भी आशा का दीपक जलाए रह सकें, गतिशीलता में कमी न आने दें। ऐसे व्यक्तियों को महामानव-देवदूत कहा जाता है पर वे यदाकदा ही प्रकट होते हैं। आज जनसाधारण का मानस ऐसे ही दलदल में फंसा है। होना तो चाहिए था कि अनौचित्य के स्थान पर औचित्य को प्रतिष्ठत करने के लिए साहसिक पुरुषार्थ जगता पर लोक मानस में उस स्तर का उच्च स्तरीय उत्साह नहीं उभर रहा है। इन परिस्थितियों में साधारण जनमानस का निराश होना स्वाभाविक है। समझ लेना चाहिए कि निराशा हल्के दर्जे की बीमारी नहीं है, वह जहां भी जड़ जमाती है, घुन की तरह मजबूत शहतीर को भी खोखला करती जाती है। निराशा अपने साथ हार जैसे मान्यता संजोए रहती है। इतने दबावों से दबा आदमी स्वयं तो टूटता ही है, साथियों को भी तोड़ता है। इससे शक्ति का अपहरण होता है, जीवनी शक्ति जबाव दे जाती है, तनाव बढ़ते जाने से उद्विग्नता बनी रहती है और ऐसे रचनात्मक उपाय नहीं दिखते, जिनके सहारे तेज बहाव वाली नाव खेकर पार पाया जाता है।

जैनियों के ही नहीं जन-जन के हैं महावीर

-मुस्ताअली बोहरा

जिओ और जीने दो का संदेश देने वाले भगवान महावीर सिर्फ जैनियों के ही नहीं हैं बल्कि जन-जन के हैं। भगवान महावीर की जयंती जन्म कल्याणक पर्व के रूप में मनाई जाती है। महावीर जन्म कल्याणक हर वर्ष चैत्र माह के 13 वें दिन मनाई जाती है। भगवान महावीर का जीवन करीब ढाई हजार साल से पूरी दुनिया को अहिंसा का पाठ पढ़ा रहा है। पंचशील सिद्धान्त के प्रवर्तक और जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के प्रमुख ध्व्जवाहकों में हैं। जैन ग्रंथों के अनुसार 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के मोक्ष प्राप्ति के बाद 298 वर्ष बाद महावीर स्वामी का जन्म ऐसे युग में हुआ जहां पशु बलि, हिंसा और जात-पात का भेदभाव, अन्य अंधविश्वास और कुरीतियां थी। महावीर स्वामी ने दुनिया को ये बताया कि धर्म दिखावे की वस्तु नहीं है। धर्म कहीं बाहर नहीं बल्कि अन्तरात्मा में होता है।

हालांकि, महावीर स्वामी के जीवन को लेकर श्वेताम्बर और दिगम्बर जैनियों में कई तरह के अलग-अलग तथ्य हैं। महावीर या वर्धमान जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान ऋषभनाथ की परम्परा में 24वें जैन तीर्थंकर थे। वे अहिंसा के मूर्तिमान प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। बचपन में महावीर का नाम वर्धमान था। बाल्यकाल से ही यह साहसी, तेजस्वी, ज्ञान पिपासु और अत्यंत बलशाली होने के कारण महावीर कहलाए। भगवान महावीर ने अपनी इन्द्रियों को जीत लिया था, जिस कारण इन्हें जीतेंद्र भी कहा जाता है।

महावीर स्वामी का जन्म 599 ई.पू. (कुछ विद्वानों के अनुसार 540 ई.पू.) चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन बिहार राज्य के वैशाली के अन्तर्गत कुण्डग्राम नामक गाँव में हुआ था। भगवान महावीर की माता महारानी त्रिशला और पिता महाराज सिद्धार्थ थे। माता त्रिशला वैशाली के लिच्छवि वंश के राजा चेटक की बहिन थी। महावीर स्वामी के पिता सिद्धार्थ इक्ष्वाकु वंश के क्षत्रिय राजा थे। भगवान महावीर कई नामों से जाने गए उनमें वर्धमान, महावीर, सन्मति, श्रमण आदि हैं। महावीर स्वामी के भाई नंदिवर्धन और बहन सुदर्शना थी। बचपन से ही महावीर तेजस्वी और साहसी थे। शिक्षा पूरी होने के बाद इनके माता-पिता ने इनका विवाह राजकुमारी यशोदा के साथ कर दिया गया था। भगवान महावीर ने अपनी कठिन तपस्या से अपने जीवन को अनूठा बनाया। जन्म के बाद महावीर स्वामी का नाम वर्धमान रखा। कहा जाता है कि महावीर स्वामी अंतमुर्खी स्वभाव के थे, शुरूआत से ही उन्हें संसार के भोगों में कोई रुचि नहीं थी, परंतु माता-पिता की इच्छा के कारण उन्होंने वसंतपुर के महासामन्त समरवीर की पुत्री यशोदा के साथ विवाह किया, कहीं-कहीं लिखा हुआ यह भी मिलता है कि उनकी एक पुत्री हुई जिसका नाम प्रियदर्शना रखा गया था। कुछ विद्वानों के अनुसार यशोदा कलिंग नरेश की पुत्री थीं।

जैन शास्त्रों के अनुसार वैशाली नगरी के निकट कुण्डग्राम में राजा सिद्धार्थ अपनी पत्नी प्रियकारिणी के साथ निवास करते थे। इन्द्र ने यह जानकर कि प्रियकारिणी के गर्भ से तीर्थंकर पुत्र का जन्म होने वाला है, उन्होंने प्रियकारिणी की सेवा के लिए षटकुमारिका देवियों को भेजा। प्रियकारिणी ने ऐरावत हाथी के स्वप्न देखे जिससे राजा सिद्धार्थ ने भी यही अनुमान लगाया कि तीर्थंकर का जन्म होगा। आषाढ़, शुक्ल पक्ष की षष्ठी के अवसर पर पुरुषोत्तर विमान से आकर प्राणतेन्द्र ने प्रियकारिणी के गर्भ में प्रवेश किया। चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को सोमवार के दिन वर्धमान का जन्म हुआ। देवताओं को इसका पूवार्भास था। अत सबने विभिन्न प्रकार के उत्सव मनाये तथा बालक को विभिन्न नामों से विभूषित किया। इस बालक का नाम सौधर्मेन्द्र ने वर्धमान रखा तो ऋद्धिधारी मुनियों ने सन्मति रखा। संगमदेव ने उसके अपरिमित साहस की परीक्षा लेकर उसे महावीर नाम से अभिहित किया। महावीर स्वामी के माता-पिता की मृत्यु के पश्चात उनके मन में वैराग्य लेने की इच्छा जागृत हुई परंतु जब उन्होंने इसके लिए अपने बड़े भाई से आज्ञा मांगी तो भाई ने कुछ समय रुकने का आग्रह किया। तब महावीर ने अपने भाई की आज्ञा का मान रखते हुए 2 वर्ष पश्चात 30 वर्ष की आयु में वैराग्य लिया। इतनी कम आयु में घर का त्याग कर ह्यकेशलोचह्न के पश्चात जंगल में रहने लगे। महावीर स्वामी के शरीर का वर्ण सुवर्ण और चिह्न सिंह था। इनके यक्ष का नाम ब्रह्मशांति और यक्षिणी का नाम सिद्धायिका देवी था। जैन धर्मावलंबियों के अनुसार भगवान महावीर के गणधरों की कुल संख्या 11 थी, जिनमें गौतम स्वामी इनके प्रथम गणधर थे। महावीर ने मार्गशीर्ष दशमी को कुंडलपुर में दीक्षा की प्राप्ति की और दीक्षा प्राप्ति के पश्चात 2 दिन बाद खीर से इन्होंने प्रथम पारणा किया। दीक्षा प्राप्ति के बाद 12 वर्ष और 6.5 महीने तक कठोर तप करने के बाद वैशाख शुक्ल दशमी को ऋजुबालुका नदी के किनारे साल वृक्ष के नीचे भगवान महावीर को कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। इसके बाद उन्हें ह्यकेवलिह्न नाम से जाना गया तथा उनके उपदेश चारों और फैलने लगे, बड़े-बड़े राजा महावीर स्वा?मी के अनुयायी बनें। उनमें से बिम्बिसार भी एक थे। 30 वर्ष तक महावीर स्वामी ने त्याग, प्रेम और अहिंसा का संदेश फैलाया और बाद में वे जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर बनें और विश्व के श्रेष्ठ तीर्थंकरों में शुमार हुए। अपनी सभी इंन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर लेने की वजह से वे जितेन्द्रिय या ह्यजिनह्न कहलाए। जिन से ही जैन धर्म को अपना नाम मिला। जैन धर्म के गुरूओं के अनुसार भगवान महावीर के कुल 11 गणधर थे, जिनमें गौतम स्वामी पहले गणधर थे। तीस वर्ष की आयु में महावीर स्वामी ने पूर्ण संयम के साथ श्रमण बन गए। दीक्षा लेने के बाद महावीर स्वामी ने बहुत कठिन तपस्या की और विभिन्न कठिन उपसर्गों को समता भाव से ग्रहण किया। साधना के बारहवें वर्ष में महावीर स्वामी जी मेढ़िया ग्राम से कोशम्बी आए तब उन्होंने पौष कृष्णा प्रतिपदा के दिन एक बहुत ही कठिन अभिग्रह धारण किया। इसके पश्चात साढ़े बारह वर्ष की कठिन तपस्या और साधना के बाद ऋजुबालिका नदी के किनारे महावीर स्वामी जी शाल वृक्ष के नीचे वैशाख शुक्ल दशमी के दिन केवल ज्ञान-केवल दर्शन की उपलब्धि हुई। तभी से वे महावीर या जिन कहलाए। इनके जिन नाम से ही आगे चलकर इस धर्म का नाम जैन धर्म पड़ा। जैन धर्म में अहिंसा तथा कर्मों की पवित्रता पर विशेष बल दिया जाता है। भगवान महावीर अहिंसा और अपरिग्रह की साक्षात मूर्ति थे। वे सभी के साथ सामान भाव रखते थे और किसी को कोई भी दुःख देना नहीं चाहते थे।

महावीर को अर्हत, जिन, निर्ग्रथ, महावीर, वीर, अतिवीर और सन्मती के नाम से भी जाना जाता है। वे महावीर स्वामी ही थे, जिनके कारण 23 वें तीर्थंकर पाश्र्वनाथ द्वारा प्रतिपादित सिद्धान्तों ने ह्यजैन धर्मह्न का रूप धारण किया। भगवान महावीर के कार्यकाल को ईराक के जराथ्रुस्ट, फिलिस्तीन के जिरेमिया, चीन के कन्फ्यूसियस तथा लाओत्से और युनान के पाइथोगोरस, प्लेटो और सुकरात के समकालीन माना जाता है। महावीर स्वामी के उपदेशों से प्रभावित होकर बिम्बसार और चंद्रगुप्त मौर्य सहित अन्य राजा भी जैन धर्म के अनुयायी बने। भगवान महावीर ने अहिंसा को जैन धर्म का आधार बनाया, उन्होंने तत्कालीन हिन्दु समाज में व्याप्त जाति व्यवस्था का विरोध किया और सबको समान मानने पर जोर दिया।

भगवान महावीर: अहिंसा और आत्मबल का अमर संदेश

- मुनि प्रमाणसागर जी

भारत की पुण्यभूमि ऋषियों, मुनियों और तपस्वियों की भूमि रही है। इस भूमि ने बार-बार ऐसे महामानवों को जन्म दिया जिन्होंने मानवता को नई दिशा और ऊँचाई दी। इन्हीं महामानवों में भगवान महावीर का नाम सर्वोपरि है। उनका जीवन, उनके विचार और उनकी साधना न केवल जैन समाज बल्कि समस्त मानव जाति के लिए पथप्रदर्शक हैं। आज जब हम महावीर जयंती मना रहे हैं, यह केवल एक परंपरा का निर्वाह नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि केवल पूजा या उत्सव से नहीं, बल्कि उनके सिद्धांतों को जीवन में उतारने से ही सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित होती है।

भगवान महावीर का जीवनः तप, त्याग और आत्मोन्नति का पथ भगवान महावीर का जन्म लगभग ढाई हजार वर्ष पूर्व वैशाली के गणराज्य में क्षत्रियकुंड नामक स्थान पर हुआ था। उनके पिता राजा सिद्धार्थ और माता त्रिशला देवी थीं। राजसी वैभव से युक्त जीवन उन्हें कभी बाँध न सका। आत्मा की मुक्तिपथ की पुकार ने उन्हें 30 वर्ष की अवस्था में ही घर-परिवार, सुख-संसार सब कुछ त्यागने को प्रेरित किया।

बारह वर्षों तक उन्होंने कठोर तप, ध्यान और मौन व्रत के साथ आत्मानुशासन का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। अंततः उन्हें केवलज्ञान की प्राप्ति हुई और वे भगवान महावीर कहलाए। उन्होंने समवसरण में बैठकर चार माह में अनेकों जनों को ज्ञान से आलोकित किया।

अहिंसाः केवल बाहरी नहीं, आंतरिक भी भगवान महावीर ने सबसे पहले जिस सिद्धांत को जीवन का मूल बनाया, वह है झ अहिंसा। परंतु उनकी अहिंसा केवल किसी को मारने से बचना नहीं थी, वह विचारों, वाणी और व्यवहार से भी हिंसा से बचने का आग्रह करती थी। वे कहते हैंः जियो और जीने दो झ यह केवल एक नीति-वाक्य नहीं, बल्कि सम्पूर्ण जीवन-दर्शन है।

आज के समाज में जब असहिष्णुता बढ़ रही है, कटुता और हिंसा विचारों से व्यवहार तक फैल रही है, तब भगवान महावीर की यह शिक्षा और भी प्रासंगिक हो जाती है। यदि हम अपने विचारों में भी संयम लाएँ, तो समाज में शांति और सहिष्णुता का वातावरण निर्मित हो सकता है।

आत्मबल की महिमा

भगवान महावीर ने हमें सिखाया कि मनुष्य अपने भीतर अपार शक्ति का स्रोत है। उन्होंने कहाः खुद पर विजय सबसे बड़ी विजय है। यह आत्मबल की प्रेरणा आज के युग में अत्यंत आवश्यक है, जब युवा वर्ग बाहरी आकर्षणों में उलझकर आत्मविस्मृति की ओर बढ़ रहा है। आत्मबल और आत्मविश्वास के साथ यदि व्यक्ति आगे बढ़े, तो वह असंभव को भी संभव बना सकता है।

अपरिग्रहः सीमित साधनों में संतोष

आज की उपभोक्तावादी संस्कृति ने हमारी आवश्यकताओं को लोभ में बदल दिया है। भगवान महावीर ने अपरिग्रह का सिद्धांत देकर सादगी, संतोष और आत्मनियंत्रण की शिक्षा दी। यह न केवल आत्मिक उन्नति का पथ है, बल्कि पर्यावरण-संरक्षण का भी आधार है। यदि आज हम सभी सीमित संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना सीखें, तो प्रकृति भी प्रसन्न होगी और समाज में संतुलन बना रहेगा।

अनेकान्तवादः विचारों की विविधता में समरसता भगवान महावीर ने अनेकान्तवाद का सिद्धांत दिया, जो विचारों की विविधता को सम्मान देने की प्रेरणा देता है। वे कहते थे एक ही सत्य को भिन्न दृष्टिकोणों से देखा जा सकता है। यही कारण है कि वे स्याद्वाद का उपदेश देते हैं, जिसमें हर दृष्टिकोण को स्थान मिलता है। आज के समय में जब विचारों की असहमति को शत्रुता समझा जाने लगा है, तब अनेकान्त का सिद्धांत सहिष्णु संवाद और समरसता की राह दिखाता है। भगवान महावीर की शिक्षा और आज का समाज भगवान महावीर के सिद्धांतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे किसी काल या क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं हैं। वे सार्वकालिक, सार्वदेशिक और सार्वमानविक हैं। उनका मूल संदेश है आत्मा ही परम मित्र और परम शत्रु है। आज जब समाज बाहरी तड़क-भड़क में उलझकर भीतर की शांति खो चुका है, भगवान महावीर की शिक्षाएँ आत्मचिंतन और आत्मसाक्षात्कार का मार्ग खोलती हैं। भगवान महावीर के सिद्धांतों को वर्तमान समाज में स्थापित करने का कार्य सतत रूप से किया जाना चाहिए। पदयात्रा और विहार के क्रम में मैंने पाया है कि लोगों के भीतर भगवान महावीर के विचारों को जानने और उन्हें अपनाने की गहरी आकांक्षा है। वे सत्य, अहिंसा और संयम के लिए सजग हैं बस उन्हें सही दिशा और प्रेरणा की आवश्यकता है। मेरा यह आग्रह है कि महावीर जयंती केवल एक तिथि नहीं, बल्कि हर मनुष्य के जीवन में नई क्रांति का अवसर बने। महावीर जयंती हमें केवल भगवान महावीर के जन्म की याद नहीं दिलाती, यह हमें यह सोचने को विवश करती है कि हम उनके सिद्धांतों को कितना जी पाए हैं। आज आवश्यकता है कि हम आडंबर से हटकर आत्मोत्थान की ओर बढ़ें। यदि हम सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और अनेकान्तवाद को जीवन में उतार लें, तो न केवल हमारा जीवन सुखी होगा, बल्कि सम्पूर्ण समाज में समरसता, शांति और सह-अस्तित्व की भावना भी पुष्ट होगी।आइए, इस महावीर जयंती पर हम संकल्प लें। हम केवल महावीर को पूजेंगे नहीं, महावीर को जिएंगे।

कंपनियों को राहत-गरीब पर बादशाहत..?

- भूपेन्द्र गुप्ता

ट्रंप की टैरिफ टेरर से सभी देश बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। चीन ने तो पलट कर अमेरिका पर टैरिफ ही थोप दिए हैं, यूरोप भी अपनी तरह से काउंटर कर रहा है लेकिन भारत अभी असमंजस में है। ताजा हालात ये हैं कि इस आपदा को सरकार ने अपने लिये अवसर बना लिया है।क्रूड आइल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीब 5 डालर प्रति बैरेल गिर गई हैं।भारत ने अमरीका से नेगोशिएट करने की बजाय पेट्रोल और डीजल पर ?2 प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी बढ़ा दी है।बता रही है कि उपभोक्ता पर इसका असर नहीं पड़ेगा, कंपनियां अपने हिस्से से कीमतों को स्थिर रखेंगीं।यह कदम खजाने में वृद्धि तो कर देगा किंतु परिवहन मूल्य घटाकर मंहगाई को थामने का अवसर गंवा भी देगा।रक्षात्मक नीतियां बिना व्यूह रचना के ऐसे आक्रमणो से नहीं बचातीं बल्कि वे दीवार की तरफ धकेलतीं हैं। इसी तरह घरेलू गैस पर भी प्रति सिलेंडर ?50 दाम बढ़ा दिए गए हैं ,कीमतों में यह वृद्धि उज्जवला कनेक्शन की हितग्राही गरीब महिलाओं को भी बर्दाश्त करनी पड़ेगी। यह जानना प्रासंगिक होगा कि भारत में लगभग 32.94 करोड़ घरेलू गैस उपभोक्ता है जिनमें से 10.33 करोड़ उज्जवला के हितग्राही है यानी लगभग 31 प्रतिशत। भारत में औसतन प्रतिवर्ष 200.74 करोड़ सिलिंडर रीफिल होते हैं।अतः इस मूल्य वृद्धि से सरकार की कंपनियां लगभग 10हजार 37 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व अर्जित करना चाहतीं हैं।इसी तरह पेट्रोलियम कंपनियों की कुल 37.1 मिलियन मेट्रिक टन पेट्रोल और 89.65 मिलियन मैट्रिक टन डीजल की खपत हो रही है जिसको लीटर में परिवर्तित करें तो 5 करोड़ लीटर प्रति दिन पेट्रोल और 10.6 करोड़ लीटर डीजल की खपत होती है।दोनों को मिलाकर लगभग 1570 करोड़ लीटर पेट्रोल और डीजल की सालाना खपत है जिससे सरकार को एक्साइज ड्यूटी के खाते में लगभग 3 हजार 140 करोड़ की अतिरिक्त आय होगी।

अपने एक इंटरव्यू में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बताया था कि ईंधन में एथेनाल को मिलाने से सरकार ने 1लाख 6हजार करोड़ रुपये की बचत की है।ब्लेंडिंग की यह मात्रा कुल खपत का 15 फीसदी तक पहुंच गई है।इससे हमारा आयात बिल भी घटा है लेकिन उपभोक्ता इस लाभ से पहले भी वंचित रहा था और अभी भी है जबकि क्रूड की कीमतें 67 डालर प्रति बैरल तक गिर गईं हैं।

भारत में गैस उत्पादन दो सरकारी कंपनियां ओएनजीसी एवं गेल करती है निजी क्षेत्र में रिलायंस यह काम कर रही है।इन कंपनियों के सालाना परिणाम बताते हैं कि ओएनजीसी को पहली और तीसरी तिमाही में क्रमशः 8 हजार 938 करोड़ तथा 9 हजार 784 करोड़ का मुनाफा बताया गया है। वहीं गेल ने तीसरी तिमाही में कंसालिडेटेड कुल मुनाफा 4 हजार 84 करोड़ घोषित किया है। मनमोहन सरकार में 2014 में इन कंपनियों ने जब 22 हजार 95 करोड़ का ही लाभ कमाया था तब भी उपभोक्ताओं को 450 रुपये में गैस सिलिंडर और 59 रुपये लीटर में पेट्रोल मिल रहा था जबकि आज 853 रुपये में सिलिंडर और 106 रुपये में पेट्रोल मिल रहा है।

आज का राशिफल

मेष आपको छोटे-मोटे पार्ट टाइम काम करने के लिए काफी अच्छा वक्त आपको मिल जाएगा।

तुला आपको धन सम्मान के मामले में कहीं से कोई काम की जानकारी मिल सकती है।

वृषभ करियर के मामले में लाभ होगा। धन से जुड़ी आपकी योजनाएं सफल होने से मन काफी प्रसन्न होगा।

वृश्चिक आज बिजनस में कोई बड़ी डील कर सकते हैं। कोई अच्छी खबर मिल सकती है।

मिथुन समय तेजी से आगे बढ़ने का है।कारोबार में आपकी तरक्कर को देखकर सभी लोग चौंक जाएंगे।

धनु आज दिन काफी सकारात?मक रहेगा और आपको किसी नए व्यक्ति से लाभ होगा।

कर्क आपको अपने परिवार की काफी चिंता रहेगी। आपको इनके लिए कुछ दौड़भाग करनी पड़ सकती है।

मकर आपको सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भाग लेने से सम्मान की प्राप्ति होगी।

सिंह आज कारोबार की चिंता रहेगी और आपको काफी दौड़भाग करनी पड़ सकती है।

कुंभ आज अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए योगा और एक्सरसाइज पर ध्यान देंगे।

कन्या भागदौड़ करनी पड़ सकती है, नतीजे फायदेमंद होंगे। फिलहाल आप अपने काम को उत्साह से पूरा करें।

मीन आज दिन मंगलकारी रहने वाला है। आपकी रुचि धर्म कर्म और आध्यात्मिक विषयों में रहेगी।

विशेष

आजादी के 75 वर्ष बाद हिंदुओं का श्मशान मंदिर और पानी एक हो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघचालक मोहन भागवत ने कहा है। भारत के हिंदुओं के लिए, मंदिर शमशान और पानी में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। सभी हिंदुओं के लिए सभी मंदिर खुलने चाहिए। शमशान में सभी हिंदुओं का अंतिम संस्कार हो। पानी के स्रोत में हिंदुओं के बीच कोई भेदभाव ना हो। यह पहल करनी होगी। सनातनी वर्ण व्यवस्था में यह कैसे संभव होगा? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गठन के 100 साल पूरे होने जा रहे हैं। भारत की आजादी के 75 साल पूरे हो चुके हैं। भारत मे सभी नागरिकों को समान मताधिकार प्राप्त है। 100 साल बाद संघ को सभी हिंदुओं को एकजुट करने की बात याद आई है। हिंदू एकजुट हो गए तो इससे बड़ी कोई बात हो नहीं सकती है। जो काम लाखों वर्षों में नहीं हुआ, वह मोहन भागवत के कहने सेपूरा होगा, इसमें संदेह है।

गांधी जी का चश्मा और लाठी की चोरी

गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन चल रहा है। इस अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 100 साल पूरे हो रहे हैं। इस अधिवेशन में महात्मा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, दादा भाई नौरोजी को याद करते हुए खड़गे ने भाजपा पर निशाना साधा। खड़गे ने कहा कि चश्मा और लाठी तो गांधी जी की चुरा सकते हो। उनके विचार कांग्रेस की धरोहर हैं। भाजपा सत्य अहिंसा के खिलाफ है। सांप्रदायिक विभाजन के लिए जिम्मेदार है। गांधी जी के विचार कभी बीजेपी नहीं अपना सकती है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1778 अंग्रेजी भाषा के निबंधकार विलियम हेजेलिट का जन्म हुआ. 1875 स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की. 1880 प्रसिद्ध समाज सुधारक सी. वाई. चिंतामणि का जन्म हुआ. 1949 ब्रिगेडियर जनरल आर.ई. एच. डायर ने अमृतसर में लोगों को कोड़े मारने का कुख्यात आदेश जारी किया. 1932 जर्मनी में पाल वान हिंडनबर्ग राष्ट्रपति चुने गये. 1945 अमेरिकी फोजों ने बुशेनवाल्ड,जर्मनी के यातना शिविर से लोगों को मुक्त कराया. 1963 अमेरिका की परमाणु चालित पनडुब्बी थ्रेसर 29 व्यक्तियों सहित उत्तरी अटलांटिका में डूबी. 1976 इजरायल ने दंगों के बावजूद अधिकृत पश्चिमी किनरे के क्षेत्रों में चुनाव कराने की घोषणा की. 1982 भारत का बहुद्देशीय उपग्रह इन्सेट--ए का प्रक्षेपण किया गया.

दैनिक पंचांग

10 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.59 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृष	07.40 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.38 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.51 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.07 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.19 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.30 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.45 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.01 बजे से
राहुकाल		मकर	01.06 बजे से
1.30 से 3.00 बजे तक		कुंभ	02.52 बजे से
		मीन	04.25 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 100 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** त्रयोदशी 01.01 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 12.25 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 18.59 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.56 बजे तदनन्तर तैतिल 01.01 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 07° 58' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872310 **जूलियन दिन** 2460775.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 11 **विशेष** प्रदोष व्रत, महावीर स्वामी जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जीवन ही उनका संदेश है। उनके सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और अस्तेय आदि उपदेश एक खुली किताब की तरह हैं। जो सत्य परंतु आम आदमी को कठिन प्रतीत होते हैं। कहने को तो वे एक राजा के परिवार में पैदा हुए थे। उनके घर-परिवार में ऐश्वर्य, धन-संपदा की कोई कमी नहीं थी, जिसका कि वे मनचाहा उपभोग भी कर सकते थे, परंतु युवावस्था में कदम रखते ही उन्होंने संसार की माया-मोह, सुख-ऐश्वर्य और राज्य को छोड़कर दिल दहला देने वाली यातनाओं को सहन किया और सारी सुविधाओं को त्यागकर वे नंगे पैर पैदल यात्रा करते रहे।

पिता ने दिया वर्द्धमान का नाम

जन्मोत्सव के बाद ज्योतिषों द्वारा चक्रवर्ती राजा बनने की घोषणा करने के बाद उनके कई किस्से इस बात को सच साबित करते पाए गए। उनके जन्म से पूर्व ही कुंडलपुर के वैभव और संपन्नता की ख्याति दिन दूनी और रात चौगुनी बढ़ती गई। अतः महाराजा सिद्धार्थ ने उनका जन्म नाम 'वर्द्धमान' रख दिया। चौबीसों घंटे लगने वाली दर्शनार्थियों की भीड़ ने राजपाट की सारी मयार्दाएं ढहा दीं। इस प्रकार वर्द्धमान ने लोगों में यह संदेश प्रेरित किया कि उनके घर के द्वार सभी के लिए हमेशा खुले रहेंगे। वर्द्धमान ने यह सिद्ध कर दिखाया।

वीर नाम की प्राप्ति

जैसे-जैसे महावीर बड़े होते जा रहे थे, वैसे-वैसे उनके गुणों में बढ़ोतरी हो रही थी। एक बार जब सुमेरू पर्वत पर देवराज इन्द्र उनका जलाभिषेक कर रहे थे। तब कहीं बालक बह न जाए इस बात से भयभीत होकर इन्द्रदेव ने उनका अभिषेक रुकवा दिया। इन्द्र के मन की बात भांपकर उन्होंने अपने अंगूठे के द्वारा सुमेरू पर्वत को दबाकर कंपायमान कर दिया। यह देखकर देवराज इन्द्र ने उनकी शक्ति का अनुमान लगाकर उन्हें 'वीर' के नाम से संबोधित करना शुरू कर दिया।

दो मुनियों ने दिया भेंट सन्मति का नाम

बाल्यकाल में महावीर महल के आंगन में खेल रहे थे तभी आकाश मार्ग से संजय मुनि और विजय मुनि का निकलना हुआ। दोनों इस बात की तोड़ निकालने में लगे थे कि सत्य और असत्य क्या है? उन्होंने जमीन की ओर देखा तो नीचे महल के प्रांगण में खेल रहे दिव्य शक्तियुक्त अद्भुत बालक को देखकर वे नीचे आए और सत्य के साक्षात दर्शन करके उनके मन की शंकाओं का समाधान हो गया है। इन दो मुनियों ने उन्हें 'सन्मति' का नाम दिया और खुद भी उन्हें उसी नाम से पुकारने लगे।

पराक्रम की चर्चा ने बनाया अतिवीर

युवावस्था में लुका-छिपी के खेल के दौरान कुछ साथियों को एक बड़ा फनधारी सांप दिखाई दिया जिसे देखकर सभी साथी डर से कांपने लगे, कुछ वहां से भाग गए लेकिन वर्द्धमान महावीर वहां से हिले तक नहीं। उनकी शूरवीरता देखकर सांप उनके पास आया तो महावीर तुरंत सांप के फन पर जा बैठे। उनके वजन से घबराकर सांप बने संगमदेव ने तत्काल एक सुंदर देव का रूप धारण किया और उनके सामने उपस्थित हो गए। उन्होंने वर्द्धमान से कहा- स्वर्गलोक में आपके पराक्रम की चर्चा सुनकर ही मैं आपकी परीक्षा लेने आया था। आप मुझे क्षमा करें। आप तो वीरों के भी वीर 'अतिवीर' है।
इन चारों नामों को सुशोभित करने वाले महावीर स्वामी ने संसार में बढ़ती हिंसक सोच, अमानवीयता को शांत करने के लिए अहिंसा के उपदेश प्रसारित किए। उनके उपदेशों को जानने-समझने के लिए कोई विशेष प्रयास की जरूरत नहीं। उन्होंने लोक कल्याण का मार्ग अपने आचार-विचार में लाकर धर्म प्रचारक का कार्य किया।
ऐसे महान चौबीस तीर्थंकरों के अंतिम तीर्थंकर महावीर के जन्मदिवस प्रतिवर्ष चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को मनाया जाता है। महावीर जयंती के अवसर पर जैन धर्मावलंबी प्रातःकाल प्रभातफेरी निकालते हैं। उसके बाद भव्य जुलूस के साथ पालकी यात्रा निकालने के तत्पश्चात स्वर्ण एवं रजत कलशों से महावीर स्वामी का अभिषेक किया जाता है तथा शिखरों पर ध्वजा चढ़ाई जाती है। जैन समाज द्वारा दिनभर अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करके महावीर का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। संपूर्ण विश्व में 'जियो और जीने दो' का महान संदेश फैलाने वाले ऐसे भगवान महावीर स्वामी को शत-शत नमन, महावीर स्वामी की जय हो!

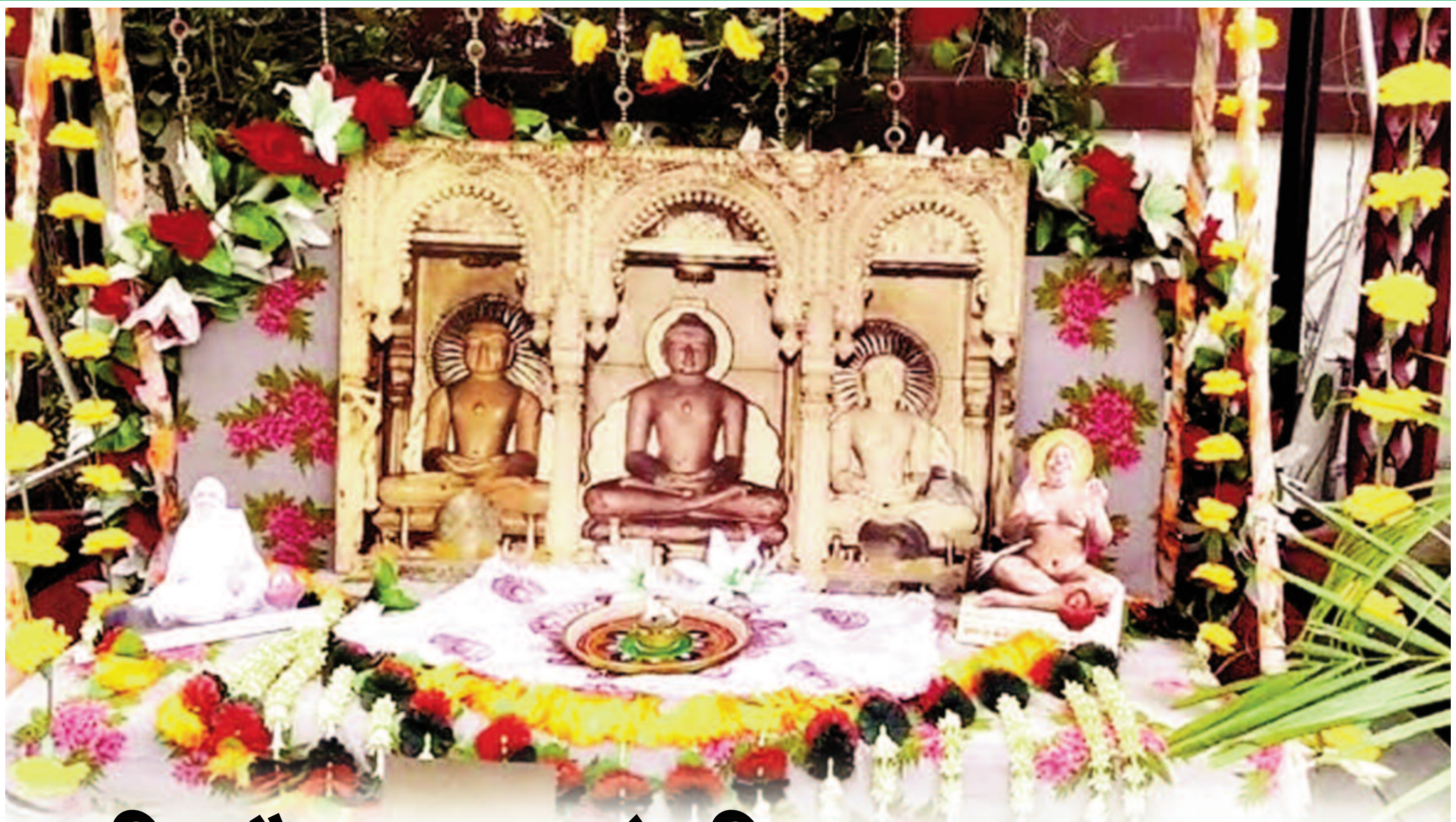

शांति और सद्भाव के लिए मनाया जाता है भगवान महावीर का त्यौहार

महावीर जयंती जैन समुदाय के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है और इसे भारत और दुनिया भर में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्यौहार भगवान महावीर के जन्म का जश्न मनाता है । जैन पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर हैं। महावीर जयंती 10 अप्रैल, गुरुवार को मनाई जाएगी ।

महावीर जयंती का संक्षिप्त इतिहास

जैन ग्रंथों और धार्मिक लिपियों के अनुसार, भगवान महावीर का जन्म चैत्र माह (हिंदू कैलेंडर) के शुक्ल पक्ष के 13वें दिन पटना से कुछ किलोमीटर दूर बिहार के कुंडलग्राम (अब कुंडलपुर) में हुआ था। उस समय वैशाली राज्य की राजधानी मानी जाती थी।उनके माता-पिता - राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला ने उनका नाम वर्धमान रखा था। श्वेतांबर समुदाय की मान्यताओं के अनुसार, महावीर की मां ने 14 सपने देखे थे, जिनकी बाद में ज्योतिषियों ने व्याख्या की, जिनमें से सभी ने कहा कि महावीर या तो सम्राट बनेंगे या ऋषि (तीर्थंकर)। जब महावीर 30 वर्ष के हुए, तो उन्होंने सत्य की खोज में अपना सिंहासन और परिवार छोड़ दिया। वह एक तपस्वी के रूप में 12 वर्षों तक निर्वासन में रहे। इस दौरान उन्होंने अहिंसा का प्रचार करते हुए सभी के प्रति श्रद्धा का व्यवहार किया। इंद्रियों को नियंत्रित करने में असाधारण कौशल दिखाने के बाद उन्हें महावीर नाम मिला। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि जब महावीर 72 वर्ष के थे, तब उन्हें ज्ञान (निर्वाण) प्राप्त हुआ।

महावीर जयंती के दौरान सार्वजनिक जीवन

भारत में, महावीर जयंती एक राजपत्रित अवकाश है । राज्य, स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के सरकारी कार्यस्थल बंद रहेंगे। जैन समुदाय के स्वामित्व वाली दुकानें और वाणिज्यिक आउटलेट भी बंद रहेंगे। यदि नहीं, तो हो सकता है कि उन्होंने कामकाज के घंटे कम कर दिये हों।

महावीर जयंती का उत्सव

जैन समुदाय कई उत्सवों में भाग लेता है, जो उन्हें परिवारों और दोस्तों के साथ प्रतिज्ञा करने की अनुमति देता है। इस समुदाय द्वारा भगवान महावीर का सम्मान और पूजा की जाती है। भगवान महावीर की मूर्ति का प्रदर्शन इस त्योहार का सबसे महत्वपूर्ण उत्सव है। महावीर के पुतले को लोगों द्वारा सुगंधित तेल से धोया जाता है और यह भगवान की पवित्रता को दर्शाता है। भारत और दुनिया भर से श्रद्धालु देश में जैन मंदिरों के दर्शन करेंगे। प्राचीन प्राचीन स्थान, जो जैन धर्म के समुदाय से जुड़े हुए हैं, लोगों द्वारा देखे जाते हैं। त्योहार के दौरान घूमने के लिए प्रसिद्ध स्थलों में से एक गोमतेश्वर है। यह देखना काफी दिलचस्प है कि कई जैन मंदिरों को धन या भोजन दान करते हैं। उत्सव तो वैसे ही रहेंगे.

महावीर जयंती कैसे मनाई जाती है?

यह त्यौहार शांति और सद्भाव के लिए मनाया जाता है, और भगवान महावीर की शिक्षाओं का प्रसार भी करता है। एक जुलूस रथयात्रा के रूप में निकाला जाता है, जिसके शीर्ष पर भगवान महावीर की मूर्ति को बड़े करीने से रखा जाता है। जैन मंदिरों को झंडों से सजाया जाता है जबकि जैन जरूरतमंदों को भोजन और कपड़े देते हैं। जैन धर्म पशुवध का कड़ा विरोध करता है और इसलिए पशुहत्या रोकने के लिए दान दिया जाता है। धर्मार्थ कार्यों के अलावा, भगवान महावीर को समर्पित मंदिरों में प्रार्थनाएँ की जाती हैं। कुछ अन्य भक्त अक्सर ध्यान में संलग्न रहते हैं - यह अभ्यास महावीर द्वारा समर्थित है। पुराने और प्रसिद्ध जैन मंदिरों में इस दिन भक्तों की भारी भीड़ देखी जाती है। महावीर और जैन धर्म की शिक्षाओं का पाठ भिक्षुओं और भिक्षुणियों द्वारा किया जाता है। महावीर जयंती मुख्य रूप से एक जैन त्योहार है और इसका वास्तविक सार जानने के लिए, आप किसी भी जैन मंदिर में जा सकते हैं।

महावीर जयंती के दौरान यात्रा करने के लिए 5 आध्यात्मिक स्थल

- **मधुबन** - झारखंड में स्थित मधुबन जैनियों के लिए सबसे दिव्य स्थल है।
- **गिरनारजी** - गिरनारजी भारत के गुजरात राज्य में स्थित एक स्थान है।
- **गोमतेश्वर** - हर साल इस त्योहार के दौरान घूमने के लिए गोमतेश्वर कर्नाटक का सबसे आकर्षक स्थान है।
- **मंगी तुंगी** - मुंगी तुंगी महाराष्ट्र में जैनियों के लिए एक और प्रसिद्ध भारतीय स्थान है।
- **गजपंथा** - यह भी महाराष्ट्र की सबसे अच्छी जगह है। इसमें एक सुंदर मंदिर है. भक्तों को पहुंचने के लिए कम से कम 460 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं।

सिद्धार्थ कैसे बने महावीर

भगवान राम से कैसा है नाता

महावीर जयंती पर 24वें जैन तीर्थांकर वर्धमान महावीर का जन्म जन्मोत्सव मनाया जाता है। दरअसल चैत्र शुक्ल त्रयोदशी तिथि के दिन बिहार के वैशाली जिले में कुंडग्राम में हुआ था। इनके जन्मोत्सव को ही महावीर जयंती के नाम से जाना जाता है।

ऐसे बने वर्धमान से महावीर

भगवान महावीर के बचपन का नाम वर्धमान था। इन्होंने ज्ञान की प्राप्ति के लिए कठोर तप किया। 30 वर्ष की आयु में राजसी सुखों का त्याग करके तप का आचरण किया। 12 साल 6 महीने और 5 दिनों के कठोर तप से इन्होंने अपनी इच्छाओं और विकारों पर नियंत्रण पा लिया और कैवल्य की प्राप्ति। इस कठोर तप को करने के कारण वर्धमान महावीर कहलाए।

इसलिए महावीर कहलाते हैं तीर्थांकर

महावीर स्वामी ने कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति के बाद चार तीर्थों की स्थापना की साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका। यह सभी तीर्थ लौकिक तीर्थ न होकर एक सिद्धांत हैं। इसमें जैन धर्म के सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपिग्रह, अस्तेय ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए अपनी आत्मा को ही तीर्थ बानने की बात महावीर स्वामी ने बतायी है। महावीर जयंती पर जैन धर्म के अनुयायी महावीर जैन की श्रद्धा भाव से पूजा और अभिषेक करते हैं। और महावीर के सिद्धांतों को याद करते हुए उन सिद्धांतों पर चलने का प्रण करते हैं।

भगवान महावीर ने दुनिया को बताए पंचशील के सिद्धांत

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी भगवान का जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी के दिन हुआ था. इस साल 10 अप्रैल, गुरुवार के दिन देशभर में महावीर जयंती का पर्व मनाया जाएगा. आज महावीर भगवान की जन्म दिवस के अवसर पर हम जानेंगे कैसे मनाई जाती है महावीर जयंती और भगवान के पांच सिद्धांतों के बारे में. देशभर में जैन समुदाय के लोग बड़े धूम-धाम के साथ महावीर जयंती का पर्व मनाते हैं. इस दिन भगवान की मूर्ति को रथ में रखकर जूलुस निकाले जाते हैं और जगह- जगह भंडारे किए जाते हैं.

अंहिसा का भाव

महावीर भगवान अहिंसा के पुजारी थे. उनका मानना था कि धरती पर सभी को समान जीने का अधिकार है. एक, दो, तीन, चार और पांच इंद्रिय वाले जीवों की हिंसा नहीं करनी चाहिए. उन् कहीं जाने से नहीं रोकना चाहिए.

सत्य

भगवान महावीर का दूसरा सिद्धांत सत्य का पालन करना है. व्यक्ति को सत्य का मार्ग जरूर अपनाना चाहिए. झूठ का सहारा नहीं लेना चाहिए.

अपरिग्रह

तीसरा सिद्धांत है अपरिग्रह. इस सिद्धांत को लेकर भगवान महावीर का कहना है कि जो व्यक्ति निर्जीव चीजों या फिर जरूरत से ज्यादा संग्रह करता है, ऐसे व्यक्ति को दुखों से छुटकारा कभी हीं मिल सकता. सुख और शांति भरा जीवन जीने के लिए व्यक्ति को जितनी जरूरत है उतना ही संग्रह करना चाहिए.

अस्तेय

अस्तेय का पालन करने वाले लोग हमेशा जीवन में संयम रखते हैं. और सिर्फ वही वस्तु लेते हैं, जो उन्हें दी जाती है. अस्तेय का मतलब है चोरी न करना. चोरी का अर्थ सिर्फ भौतिक चीजों की चोरी ही हीं है, बल्कि नियत खराब भी न करें. अगर आप दूसरी की सफलताओं से विचलित होकर गलत रास्ता अपनाने लगें, तो इसे भी एक प्रकार की चोरी कहा जाता है.

ब्रह्मचर्य

ब्रह्मचर्य संदेश को लेकर भगवान महावीर ने बहुत ही अमूल्य संदेश दिए हैं. ब्रह्मचर्य का अर्थ है अपनी आत्मा में लीन हो जाना या अपने अंदर छिपे ब्रह्म को पहचानना. बाहर के लोग आपको परेशान करते हैं. लेकिन इन सब को छोड़कर अगर आप अपने मन की सुनेंगे और शांति की दिशा में काम करेंगे,तो ये भी एक ब्रह्मचर्य है.

भगवान महावीर को इस तरह प्राप्त हुआ कैवल्य ज्ञान, संसार को दिया ये संदेश

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर व अंतिम, सत्य और अहिंसा के अग्रदूत भगवान महावीर के अनुयायी दुनियाभर में हैं। भगवान महावीर का जन्म लगभग 2600 वर्ष पूर्व राजा सिद्धार्थ व महारानी त्रिशला के यहां चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के पावन दिन हुआ था। इसलिए हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को महावीर जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस बार यह पर्व 10 अप्रैल को मनाया जाएगा। मान्यता है कि भगवान महावीर बिहार के कुंडलपुर के राजघराने में पैदा हुए थे। इनका जन्म होते ही राजा सिद्धार्थ के राज्य, मान-प्रतिष्ठा, धन-धान्य में वृद्धि होने लगी थी। इसलिए इनका नाम वर्धमान रखा गया। वर्धमान बचपन से ही बड़े साहसी व निर्भीक थे। इनके पराक्रम के कारण आगे चलकर वे महावीर के नाम से प्रसिद्ध हुए।

तीर्थंकर से क्या है तात्पर्य?

जैन धर्म में तीर्थंकर उन 24 दिव्य महापुरुषों को कहा गया है, जिन्होंने अपनी तपस्या से आत्मज्ञान की प्राप्ति की और अपनी इंद्रियों और भावनाओं पर पूरी तरह से विजय प्राप्त कर लिया था। भगवान महावीर ने दिगंबर स्वीकार कर लिया था, इसलिए वह कोई वस्त्र धारण नहीं करते थे। दरअसल, दिगंबर मुनि आकाश को ही अपना वस्त्र मानते हैं।

जियो और जीने दो का संदेश

भगवान महावीर शुरू के 30 वर्षों तक राजसी वैभव और विलास के दलदल में कमल के समान रहे। इसके बाद वह 12 वर्ष घनघोर जंगल में मंगल साधना और आत्म जागृति की आराधना में इतने लीन हो गए कि इस दौरान उनके शरीर के कपड़े भी गिरकर अलग होते गए। 12 वर्ष की मौन तपस्या के बाद भगवान महावीर को कैवल्य ज्ञान प्राप्त हुआ। यह मोक्ष या समाधि की एक अवस्था होती है। इसे मोक्ष कहा जाता है। इसी मोक्ष को जैन धर्म में कैवल्य ज्ञान और बौद्ध धर्म में संबोधी एवं निर्वाण कहा गया है। कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति के बाद महावीर जी ने 30 वर्षों तक जनकल्याण हेतु चार तीर्थों साधु -साध्वी, श्रावक-श्राविका की रचना में लगे रहे। खास बात ये है कि इन सर्वोदय तीर्थों में क्षेत्र, काल, समय या जाति की कोई सीमाएं नहीं थीं। भगवान महावीर का आत्म धर्म पूरे जगत की हर एक आत्मा के लिए समान था। वह कहते थे कि हमें दूसरों के प्रति भी वही व्यवहार व विचार रखना चाहिए जो हमें स्वयं के लिए पसंद हो।
यही भगवान महावीर का जियो और जीने दो का सिद्धांत है। उन्होंने लोगों को न केवल मुक्ति का संदेश दिया, बल्कि मुक्ति की सरल और सही राह भी दिखाई। उन्होंने आत्मिक और शाश्वत सुख की प्राप्ति के लिए सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, अचौर्य और ब्रह्मचर्य जैसे पांच मूलभूत सिद्धांतों के बारे में भी बताया। इन सिद्धांतों को अपने जीवन में उतारकर महावीर जिन कहलाए। जिन शब्द से ही जैन बना है, जिसका अर्थ है जो काम, तृष्णा, इन्द्रिय व भेद जयी है वह जैन है।

प्रभावित नहीं होगा भारत का आर्थिक विकास: निर्मला

लंदन, एजेंसी। अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए 26 फीसदी टैरिफ के असर को लेकर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी टैरिफ के बाद तेजी से बदल रहे वैश्विक व्यापार परिदृश्य के बाद भी भारत का आर्थिक विकास प्रभावित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था का लचीलापन और घरेलू मांग की

मजबूती भारत को विकास का इंजन बनाती रहेगी। लंदन में भारतीय उच्चायोग में 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के भारत के प्रयास के लिए अवसर और चुनौतियां विषय पर बातचीत में निर्मला सीतारमण ने कहा कि अर्थव्यवस्था घरेलू दक्षता और प्रतिस्पर्धा को भुनाने के लिए अच्छी स्थिति में है। यही चीजें वैश्विक चुनौतियों से निपटती हैं। सीतारमण ने कहा कि दुनिया ने कई वर्षों से निराशाजनक विकास देखा है। पहले यह लंबे समय तक कम दिलचस्प था और अब यह लंबे समय तक कम विकास होने जा रहा है, और यह किसी के लिए भी अच्छी खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले पांच सालों से लगातार सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था का दर्जा बरकरार रखा है और हमें अभी भी लगता है कि यह गति कुछ धीमी पड़ सकती है, लेकिन फिर भी भारत ही इस वृद्धि को बनाए रखेगा। हमारी वृद्धि घरेलू स्तर पर मौजूद खपत के कारण संतुलित होती है। इसे वैश्विक मानक वाले सामानों की मांग का समर्थन प्राप्त है और यही कारण है कि 1990 के दशक से वैश्वीकरण ने भारत को कई अवसर दिए हैं।

वोडा-आइडिया ने अलॉट किए 3690 करोड़ शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने स्पेक्ट्रम नीलामी बकाया को इक्विटी में बदलने के सरकार के हालिया फैसले के बाद निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) को 36,950 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर जारी और आवंटित कर दिए हैं। दीपम विभाग को 3,690 करोड़ शेयर

आवंटित किए जाने के बाद वोडाफोन आइडिया लिमिटेड की विस्तारित चुकता पूंजी आधार में सरकार की हिस्सेदारी 48.99 प्रतिशत हो गई है।

क्या कहा कंपनी ने

वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल की पूंजी जुटाने वाली समिति ने आठ अप्रैल, 2025 को अपनी बैठक में 10 रुपये अंकित मूल्य के 3,695 करोड़ इक्विटी शेयर दीपम को जारी और आवंटित किए। इन शेयरों का कुल मूल्य 36,950 करोड़ रुपये है। वोडाफोन आइडिया के मुताबिक उसके प्रवर्तकों के पास कंपनी का परिचालन नियंत्रण बना रहेगा। बता दें कि दूरसंचार कंपनी स्पेक्ट्रम नीलामी की राशि का सरकार को भुगतान नहीं कर पाई थी।

शेयर में बड़ी गिरावट

सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को वोडाफोन आइडिया के शेयर 2.58 प्रतिशत टूटकर 7.18 रुपये पर बंद हुए। ट्रेडिंग के दौरान शेयर ने 7.60 रुपये से 7.14 रुपये के निचले स्तर तक पर कारोबार किया।

अमेरिका और चीन की लड़ाई से तेल में हो गया बड़ा खेल

भारत की आने वाली है मौज!

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में आज भारी गिरावट आई है और यह चार साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। दुनिया की दो सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देशों अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर गहराने से क्रूड की यह दुर्गति हुई है। इसकी एक वजह यह भी है कि सप्लाई बढ़ने से कीमत गिर रही है। पिछले पांच दिनों से तेल के दाम लगातार गिर रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आने वाले सामान पर बहुत ज्यादा टैक्स लगा दिया है। इससे डर है कि दुनिया में ट्रेड कम हो जाएगा और तेल की मांग भी कमी आएगी। अमेरिका चीन का

सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है जबकि चीन अमेरिका का दूसरा बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। इससे समझा जा सकता है कि इन दोनों देशों के लिए एकदूसरे की क्या अहमियत है। दोपहर 12 बजे ब्रेंट क्रूड 2.07 यानी 3.30 फीसदी की गिरावट के साथ 60.75 प्रति बैरल रह गया। इसी तरह .स. वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड ऑयल का दाम 2.17 गिरकर 57.41 हो गया। यह 3.64 प्रतिशत की गिरावट है। ब्रेंट का दाम मार्च 2021 के बाद सबसे कम है और दाम फरवरी 2021 के बाद सबसे कम है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका चीन से आने वाले सामान पर 104 प्रतिशत टैक्स लगाएगा। ट्रंप ने कहा था कि अगर चीन अमेरिकी सामान पर लगाए गए टैक्स को नहीं हटाता है तो वह और ज्यादा टैक्स लगाएंगे।

चीन-अमेरिका की लड़ाई

चीन ने कहा है कि वह अमेरिकी धमकियों के आगे नहीं झुकेगा। ट्रंप ने कहा था कि अगर चीन अमेरिकी सामान पर लगाए गए 34 प्रतिशत टैक्स को नहीं हटाता है तो वह चीन के सामान पर 50 प्रतिशत और टैक्स लगाएंगे। ट्रंप ने हाल में करीब 60 देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। चीन पर 34 फीसदी टैरिफ लगाया गया था जो पहले लगाए गए 20 फीसदी टैरिफ के अतिरिक्त था। इस तरह चीन पर कुल टैक्स 54 फीसदी हो गया। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी सामान पर 34 फीसदी टैरिफ लगा दिया था। जानकारों का कहना है कि चीन का आक्रामक रुख दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच जल्दी समझौता होने की संभावना को कम करता है, जिससे दुनिया भर में आर्थिक मंदी का डर बढ़ रहा है। इसका मतलब है कि चीन और अमेरिका के बीच लड़ाई से दुनिया में आर्थिक मंदी आ सकती है। इससे दुनिया में तेल की खपत कम हो सकती है। तेल के दाम गिरने का एक और कारण है। ओपेक+ देशों ने मई में 411,000 बैरल प्रति दिन उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे तेल की सप्लाई बढ़ जाएगी और दाम गिर जाएंगे।

14 की उम्र में शादी, 34 में तलाक... आज 13 बसों की मालकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। नीता की कहानी एक ऐसी साहसी महिला की है, जिन्होंने भाग्य के आगे हार मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने अपनी तकदीर खुद लिखने का फैसला किया। 14 साल की उम्र में शादी, 15 साल की उम्र में मां, फिर 34 साल की उम्र में तलाक के बाद नीता आज 13 बसों वाली कंपनी श्री नीता ट्रैवल्स की मालकिन हैं। उन्होंने समाज के तानों और मुश्किलों का सामना करते हुए यह मुकाम हासिल किया है। आइए, यहां नीता की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। अक्सर समाज में शादी को महिलाओं का अंतिम लक्ष्य माना जाता है। लेकिन, कई महिलाओं के लिए यह बंधन बन जाता है। वे चुपचाप दुख सहती हैं। हिंसा झेलती हैं।

नीता ने दिखाई हिम्मत

नीता की कहानी ऐसी ही एक महिला की है। वह महाराष्ट्र की रहने वाली हैं। उनकी शादी सिर्फ 14 साल की उम्र में हो गई थी। 15 साल की उम्र तक वह मां बन गई थीं। उनकी जिंदगी संघर्षों से भरी थी। अपने तीन बच्चों के लिए उन्होंने सालों तक एक हिंसक रिश्ता सहा। हर बार जब उनके पति ताना मारते थे तो नीता के अंदर एक आग जल उठती थी। यह आग उन्हें खुद को साबित करने की प्रेरणा देती थी। इसी प्रेरणा ने उन्हें अपना रास्ता चुनने के लिए प्रोत्साहित किया।

दुबई भारतीय कंपनियों के लिए पसंदीदा निवेश स्थान

मुंबई में बोले दुबई चैंबर्स के अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। टैरिफ युद्ध के बीच भारत और दुबई के बीच कारोबारी और रणनीतिक अवसरों को बढ़ाने के लिए 200 अधिकारियों और निवेशकों ने मुंबई में दुबई चैंबर की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान दुबई-भारत व्यापार मंच ने रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी बढ़ाने, सीमा पार व्यापार बढ़ाने और स्थानीय व वैश्विक स्तर पर निवेश के नए अवसरों का निर्माण करने पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम का आयोजन 18 फरवरी 2022 को यूएई और भारत के बीच कॉम्प्रेहेंसिव इकोनॉमी पार्टनशिप एग्रीमेंट (सीईपीए) पर हस्ताक्षर करने के तीन साल बाद आयोजित हुआ।

कार्क्रम के दौरान दुबई चैंबर के अध्यक्ष व सीईओ मोहम्मद अली रशीद लुटाह ने अमर उजाला डॉटकॉम को बताया कि दुबई में अपने प्रतिस्पर्धी लाभों की वजह से दुबई भारतीय कंपनियों के लिए पसंदीदा स्थान है। भारतीय निवेशक दुबई के व्यापार परिदृश्य के महत्वपूर्ण अंग हैं। मार्च 2025 के अंत तक 72,651 सक्रिय कंपनियों ने दुबई चैंबर ऑफ कॉमर्स के सदस्य के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2025 की पहली

तीमाही के दौरान 4,563 नई भारतीय कंपनियां चैंबर में शामिल हुई हैं, जो साल दर साल 16.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि भारतीय कंपनियां अब दुबई में विदेशियों की ओर से चलाए जा रहे कारोबार में पहले नंबर हैं। ये दुबई चैंबर में रजिस्टर हैं। उन्होंने टैरिफ पर बोलते हुए कहा कि फिलहाल हम सभी के साथ मिलकर कारोबार कर रहे हैं। भारत और अमेरिका दोनों ही हमारे प्रमुख बाजार हैं। इन चुनौतियों के बीच नए रास्तों की तलाश जारी है।

मोहम्मद अली राशिद लूटाह ने दुबई-भारत बिजनेस फोरम में कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दुबई, तेजी से बढ़ते उभरते बाजारों और अफ्रीका में प्रवेश करने की इच्छुक भारतीय कंपनियों के लिए एक स्प्रिंगबोर्ड के रूप में खुद को स्थापित कर रहा है।

दुबई में भारतीय कारोबारियों कौन से लाभ मिल रहे हैं?

दुबई चैंबर के उपाध्यक्ष अहमद बिन बयात ने कहा कि भारत की दुबई में भारतीय कारोबार में 90 प्रतिशत लघु और मध्यम उद्योग हैं, जिसमें फेमली कारोबार अधिक है। कारोबारियों को सुरक्षित कारोबारी माहोल, इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ बेहतरीन लॉजिस्टक सुविधा दुबई में प्रदान की जा रही है। भारतीय कारोबारियों के लिए 30 कारोबारी फ्री जोन है, जहां कारोबार करने के लिए सभी सुविधाएं हैं। दुबई के लिए भारत व्यापारिक भागीदार के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्होंने कहा, हमारे बाजारों के बीच गैर तेल व्यापार मूल्य 2024 के पहले नौ महीनों के दौरान 142 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया, जिसने साल दर साल 19 प्रतिशत वृद्धि हासिल की है। दुबई में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) में भी भारत 21.5 प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर और दूसरे स्थान पर अमेरिका 13.17 प्रतिशत निवेश के साथ है। उन्होंने कहा कि भारत में दुबई के कारोबारियों की ओर से निवेश किया जा रहा है।

होटल और दुकान में नहीं देनी होगी आधार की फोटो कॉपी, नया ऐप करेगा हेल्प

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) आधार के नए ऐप का परीक्षण कर रहा। इससे चेहरे के जरिए सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को आधार संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ऐप के आने के बाद होटल और दुकान में आधार की फोटो कॉपी नहीं देनी होगी। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को आधार संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऐप के आने के बाद होटल और दुकान में आधार की फोटो कॉपी नहीं देनी होगी। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण आधार के नए ऐप का परीक्षण कर रहा। इससे चेहरे के जरिए सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होगी।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस ऐप के जरिए आधार सत्यापन की प्रक्रिया को यूपीआई भुगतान की तरह आसान बनाया गया है। सिर्फ क्यूआर कोड के जरिए आधार का

पल भर में डिजिटल सत्यापन कर सकेंगे। आधार कई पहलों का आधार है। ऐसे में नया ऐप काफी कुछ आसान बना देगा।

नया आधार ऐप कैसा होगा– नया आधार ऐप पूरी तरह से सुरक्षित होगा, जो यह सुनिश्चित करता है कि आधार से जुड़ा डाटा कहीं पर लिक नहीं होगा। इस ऐप के जरिए फेस ऑथेंटिकेशन किया जा सकेगा। किसी भी व्यक्ति को अपनी निजी जानकारी पर पूरा नियंत्रण होगा। आधार से जुड़ी सिर्फ उतनी ही जानकारी दूसरे व्यक्ति के साथ साझा की जाएगी, जितनी आवश्यक है।

अभी क्या होता है

अभी तक आधार सत्यापन के नाम पर किसी भी व्यक्ति का नाम, पता, मोबाइल नंबर से लेकर अन्य व्यक्तिगत जानकारी भी मांग ली जाती है। जबकि उतनी जानकारी की किसी को आवश्यकता नहीं होती है। कार्यक्रम में वरिष्ठ नीति निर्माता, विशेषज्ञ, टेक्नोक्रेट और पेशेवर समेत करीब 750 लोगों ने हिस्सा लिया।

आधार आर्थिक विकास में सहायक– मंत्री ने हितधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि हम विकास को आगे बढ़ाने के लिए एआई को डीपीआई के साथ कैसे एकीकृत कर सकते हैं। इस पर भी गहनता से काम हो रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने कहा कि आधार समावेशन को गति दे रहा है।

कमजोर बाजार में रॉकेट बने सेंको गोल्ड के शेयर, 2 टुकड़ों में शेयर बांट चुकी है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू बाजार में गिरावट के बावजूद सेंको गोल्ड के शेयरों में रॉकेट सी तेजी देखने को मिल रही है। जेम्स एंड ज्वैलरी इंडस्ट्री से जुड़ी इस कंपनी के शेयर बुधवार को बीएसई में 5 पर्सेंट उछलकर 317.90 रुपये पर जा पहुंचे हैं। मार्च तिमाही और पूरे वित्त वर्ष 2025 के बिजनेस अपडेट के बाद सेंको गोल्ड के शेयरों में यह उछाल आया है। सेंको गोल्ड अपने शेयरों का भी बंटवारा कर चुकी है। कंपनी ने अपने शेयरों को 2 टुकड़ों में बांटा है।

1300 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा रेवेन्यू– ज्वैलरी कंपनी सेंको गोल्ड ने बताया है कि मार्च 2025 तिमाही में मजबूत वेडिंग सीजन डिमांड देखने को मिली है। एक साल पहले की मार्च तिमाही के मुकाबले रिटेल ग्रोथ 23 पर्सेंट और सेम स्टोर सेल्स गोल्ड 18.4 पर्सेंट रही है। सेंको गोल्ड ने अब तक का सबसे ज्यादा चौथी तिमाही का रेवेन्यू हासिल किया है। मार्च 2025 तिमाही में ज्वैलरी कंपनी का रेवेन्यू 1300 करोड़ रुपये से अधिक रहा है। कंपनी ने बताया है कि तिमाही आधार पर गोल्ड प्राइसेज 11 पर्सेंट और पिछले साल के मुकाबले 33 पर्सेंट बढ़ गए हैं। पिछले छह महीने में गोल्ड प्राइसेज में 19 पर्सेंट का उछाल आया है।

2 महीने में 32 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए हैं सेंको गोल्ड के शेयर– सेंको गोल्ड के शेयर पिछले दो महीने में 32 पर्सेंट से अधिक लुढ़क गए हैं। जेम्स एंड ज्वैलरी इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी के शेयर 10 फरवरी 2025 को 472.40 रुपये पर थे। सेंको गोल्ड के शेयर 9 अप्रैल 2025 को 317.90 रुपये पर पहुंच गए हैं।

एक मई से 15 आरआरबी का विलय

हर राज्य में होगा सिर्फ एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एक मई, 2025 से एक राज्य-एक आरआरबी का प्रस्ताव लागू हो जाएगा। इसका मतलब है कि हर राज्य में अब सिर्फ एक ही क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) मौजूद होगा। वित्त मंत्रालय ने इस प्रस्ताव पर अमल के लिए उत्तर प्रदेश समेत 11 राज्यों में 15 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के एकीकरण से जुड़ी अधिसूचना जारी कर दी है।

आरआरबी के एकीकरण का यह चौथा चरण होगा। इसके पूरा होते ही ऐसे बैंकों की संख्या वर्तमान के 43 से घटकर 28 रह जाएगी। दरअसल, केंद्र ने वित्त वर्ष 2004-05 में आरआरबी के संरचनात्मक एकीकरण की पहल की थी। इसके तहत अब तक तीन चरणों में आरआरबी की संख्या 2020-21 तक 196 से घटकर 43 रह गई थी।

साकार होगा 'एक राज्य एक आरआरबी' का लक्ष्य– वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम-1976 की धारा 23ए(1) के तहत 11 राज्यों उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान में मौजूद आरआरबी का एक इकाई में विलय होगा। इस तरह एक राज्य-एक आरआरबी के लक्ष्य को साकार किया जा सकेगा।

राज्यों में ऐसे होगा इन बैंकों का विलय

यूपी में तीन का विलय

बड़ौदा यूपी बैंक, आर्यावर्त बैंक और प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक को उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक में मिला दिया गया है। इसका मुख्यालय बैंक ऑफ बड़ौदा के प्रायोजन के तहत लखनऊ में होगा।

पश्चिम बंगाल में बंगीय ग्रामीण विकास, पश्चिम बंग ग्रामीण बैंक और उत्तरबंग क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक को पश्चिम बंगाल ग्रामीण बैंक में मिला दिया जाएगा।

चैतन्य गोदावरी ग्रामीण बैंक, आंध्र प्रगति ग्रामीण बैंक, सप्तगिरि ग्रामीण बैंक और आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक का आंध्र प्रदेश ग्रामीण बैंक में विलय होगा। अन्य आठ राज्यों बिहार, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और राजस्थान में दो-दो आरआरबी को एक में मिलाया जाएगा।

51 फीसदी से कम नहीं होगी हिस्सेदारी

केंद्र के पास आरआरबी में 50 फीसदी हिस्सेदारी है। प्रायोजक सरकारी बैंकों का 35 फीसदी और राज्यों का 15 प्रतिशत हिस्सा है। संशोधित अधिनियम के मुताबिक, हिस्सेदारी कम करने के बाद भी केंद्र व प्रायोजक बैंकों की 51 फीसदी से कम नहीं हो सकती।

बैंकों के पास होगी 2,000 करोड़ की पूंजी अधिसूचना के मुताबिक, सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के पास 2,000 करोड़ रुपये की अधिकृत पूंजी होगी। एकीकरण के पहले इन बैंकों में सरकार ने पूंजी भी डाली है।

तीन कंपनियों को हिस्सेदारी बेचते ही हल्दीराम में हो गया बड़ा काम

नई दिल्ली, एजेंसी। हल्दीराम की नागपुर और दिल्ली शाखाओं को मिलाकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड बनाने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। एचएसएफपीएल में दिल्ली इकाई की हिस्सेदारी 56 प्रतिशत है तथा शेष 44 प्रतिशत हिस्सेदारी नागपुर शाखा के पास है। भारत की सबसे बड़ी पैक्ड स्नैक एवं मिठाई कंपनी और रेस्तरां संचालक ने करीब एक सप्ताह पहले तीन रणनीतिक निवेशकों सिंगापुर मुख्यालय वाली वैश्विक निवेश कंपनी टेमासेक, अल्फा वेव ग्लोबल और इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी के साथ साझेदारी की घोषणा की थी। गंगा बिशन अग्रवाल द्वारा 1937 में राजस्थान के बीकानेर में खुदरा मिठाई और नमकीन की दुकान के रूप में स्थापित हल्दीराम के उत्पाद अब 80 से अधिक देशों में बेचे जाते हैं। हल्दीराम के सीईओ कृष्ण कुमार चुटानी ने प्रोफेशनल प्लेटफॉर्म लिंक्डइन पर सोमवार को जानकारी दी और लिखा कि हल्दीराम के सफर का नया अध्याय शुरू और यह एक महत्वपूर्ण अध्याय है।हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड (दिल्ली) और हल्दीराम फूड्स

इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड (नागपुर) के एफएमसीजी (दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं) कारोबार एक साथ मिलकर हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड (एचएसएफपीएल) बन गए हैं। चुटानी ने कहा, यह केवल एक विलय नहीं है। यह एक नई शुरुआत है। विरासत, जुनून और भविष्य के लिए एक साझा दृष्टिकोण का एक सार्थक मिलन है। जहां स्वाद साहसिक विचारों से मिलते हैं तथा यहां से यात्रा और भी रोमांचक हो जाती है। विलय को पहले ही निष्पक्ष व्यापार नियामक भारतीय उद्योग परिसंघ (सीसीआई) तथा राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) की संबंधित पीठों से 2023 में विनियामक मंजूरी मिल चुकी है। एचएसएफपीएल में दिल्ली इकाई की हिस्सेदारी 56 प्रतिशत है तथा शेष 44 प्रतिशत हिस्सेदारी नागपुर शाखा के पास है।

शूटिंग वर्ल्ड कप

18 साल की महिला निशानेबाज सुरुची ने जीता स्वर्ण पदक, चीन के प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुरुचि ने क्वालिफिकेशन में 583 का स्कोर बनाया था। दो ओलंपिक पदक जीत चुकीं मनु भाकर, सुरभि राव, सैनयम और सिमरनप्रीत कौर फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं। भारत की 18 साल की प्रतिभाशाली सुरुचि इंदर सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 244.6 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने चीन की किवान वेई (241.9) और दोहरा ओलंपिक पदक विजेता जियांग रैनजिन (221.0) को क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर पछाड़ दिया।

मनु फाइनल में नहीं बना पाई थीं जगह

इससे पहले सुरुचि ने क्वालिफिकेशन में 583 का स्कोर बनाया था। दो ओलंपिक पदक जीत चुकीं मनु भाकर, सुरभि राव, सैनयम और सिमरनप्रीत कौर फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं। सुरुचि ने नई दिल्ली में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के यूथ, जूनियर और सीनियर वर्ग में तीन स्वर्ण पदक हासिल किए थे। ट्रायल्स में भी उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में जगह बनाई थी।

आईपीएल 2025

बल्ले और गेंद से नहीं कर पाए कमाल अब बीसीसीआई ने दी सजा, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर को हुआ बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब किंग्स ने मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स को मात देकर सीजन में तीसरी जीत दर्ज की। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में यह टीम अब तक केवल एक ही मैच हारी है। टीम भले ही मैच जीती लेकिन ग्लेन मैक्सवेल ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। वह केवल एक ही रन बना पाए और एक ही विकेट लिया। इस मैच के बाद ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को बीसीसीआई की ओर से सजा मिली है।मैक्सवेल को यह सजा उनके प्रदर्शन के लिए नहीं बल्कि नियम तोड़ने के लिए मिली है। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, ग्लेन मैक्सवेल ने आर्टिकल 2.2 (मैच के दौरान फिक्सचर और फिटिंग का दुरुपयोग) के तहत लेवल 1 के अपराध को स्वीकार किया और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार किया। आचार संहिता के लेवल 1 उल्लंघन के लिए, मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है।

मैक्सवेल को इसके लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत हिस्सा जुर्माने के तौर पर देना होगा। वहीं उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी शामिल हो गया है। खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए बीसीसीआई की आचार संहिता का अनुच्छेद 2.2 मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण या कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिक्सचर और फिटिंग के दुरुपयोग से संबंधित है।

तलाक के बाद इन क्रिकेटर्स को फिर हुआ प्यार!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में क्रिकेट बहुत लोकप्रिय खेल हैं। यही कारण है कि खिलाड़ियों की निजी जिंदगी भी चर्चा में रहती हैं। पिछले कुछ समय में कई क्रिकेटर्स की शादी टूटी है। वहीं कई जिंदगी में मूव ऑन कर चुके हैं। इस समय कई क्रिकेटर्स अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड्स को लेकर चर्चा में हैं।

शिखर धवन

भारत के पूर्व बल्लेबाज शिखर धवन का 2022 में आयशा मुर्खजी से तलाक हो गया। इन दोनों का एक बेटा है जिसका नाम जोरावर है। शिखर धवन का नाम इन दिनों सोफी शाइन से जोड़ा जाता है। दोनों के अफेयर की अफवाहें काफी समय से चल रही हैं। सोफी कई मौकों पर शिखर के साथ नजर आई हैं। साथ ही शिखर ने भी यह माना है कि वह इन दिनों किसी को डेट कर रहे हैं। सोफी आयरलैंड की रहने वाली हैं। उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी-2025 में धवन के साथ देखा गया था और तभी से वह चर्चा में हैं। वह पेशे से एक बड़ी फर्म में प्रोडक्ट कंसलटंट हैं।

हार्दिक पंड्या

भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पत्नी नताशा से अलग हो चुके हैं। उनकी डेटिंग लाइफ भी इन दिनों चर्चा में हैं। अफवाह है कि वह जैस्मिन वालिया को डेट कर रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के भारत-पाकिस्तान मैच में जैस्मीन भारतीय टीम को सपोर्ट करती दिखी। वह आईपीएल में भी मुंबई इंडियंस को चीयर करती नजर आती है और उसी बस से ट्रैवल करती हैं जिससे टीम के खिलाड़ियों का परिवार ट्रैवल करता है।

जैस्मीन वालिया ब्रिटिश सिंगर, एक्ट्रेस और टीवी पर्सनालिटी हैं। जैस्मीन को ब्रिटिश रियलिटी शो से काफी लोकप्रियता मिली। उनके सॉन्ग को कार्तिक आर्यन की फिल्म सोनू के टीटू की स्वीटी में भी शामिल किया गया था।

युजवेंद्र चहल

भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल भी धनश्री वर्मा से अलग हो चुके हैं। दोनों ने साल 2020 में शादी की और महज 5 साल में ही उनका रिश्ता खत्म हो गया। कानूनी तौर पर अलग होने से पहले ही चहल का नाम आरजे महवश के साथ जोड़ा जाने लगा। इसके बाद महवश ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी डालकर इन बातों को अफवाह बताया। हालांकि तब से वह हर इवेंट में चहल के साथ नजर आती हैं। वह चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के दौरान भी स्टैंड्स में चहल के साथ ही दिखाई दी थीं।

प्रियांश आर्य ने ठोका आईपीएल 2025 का सबसे तेज शतक, 82 रन तो बाउंड्री से ही बना डाले

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में प्रियांश आर्य ने शतक ठोक डाला है. उन्होंने पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए मात्र 39 गेंद में सेंचुरी पूरी की. वो इसी के साथ आईपीएल इतिहास में पंजाब के लिए दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. 24 वर्षीय प्रियांश ने अपनी शतकीय पारी में 7 चौके और 9 छक्के लगाए. मजे की बात यह है कि शतक पूरा करते हुए प्रियांश ने 82 रन तो चौके-छक्कों से ही बना डाले.

प्रियांश आर्य इतिहास में दूसरा सबसे तेज आईपीएल शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं. अभी तक सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज युसुफ पठान हैं, जिन्होंने साल 2010 में 37 गेंदों में सेंचुरी पूरी की थी, वहीं प्रियांश ने 39 गेंदों में शतक पूरा किया है. वो साथ-साथ पंजाब किंग्स के लिए भी दूसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने हैं. पंजाब के लिए सबसे तेज सेंचुरी 2013 में डेविड मिलर ने लगाई थी. उन्होंने आईपीएल के खिलाफ मैच में 38 गेंदों में शतक पूरा किया था. प्रियांश आर्य ने सीएसके के गेंदबाजों का जमकर भूत बनाया. रवींद्र जडेजा को छोड़ चेन्नई के सारे गेंदबाजों ने 10 से ज्यादा के इकॉनमी रेट से रन लुटाए. प्रियांश इसके अलावा इंडियन प्रीमियर लीग में 40 से कम गेंदों में शतक पूरा करने वाले केवल दूसरे और दुनिया के पांचवें बल्लेबाज बने हैं.

प्रियांश आर्य का जन्म जनवरी 2001 में उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में हुआ था. वो भारतीय डोमेस्टिक क्रिकेट में दिल्ली टीम के लिए खेलते हैं. उन्हें सबसे पहली पहचान तब मिली जब डोमेस्टिक क्रिकेट में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए खेलते हुए उन्होंने नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के खिलाफ एक ओवर में 6 छक्के जड़ दिए थे. उस मैच में उन्होंने मात्र 40 गेंद में शतक पूरा कर लिया था. सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी 2023-24 में दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. आपको याद दिला दें कि प्रियांश ने आईपीएल 2024 ऑक्शन में भी अपना नाम रजिस्टर करवाया था, लेकिन वो उस समय अनसोल्ड रहे थे.

एशियन चैम्पियनशिप

कपिला-क्रास्टो की जोड़ी प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची, मलेशियाई जोड़ी को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। ध्रुव और क्रास्टो की अगली भिड़ंत ताइवान की वेई ये और निकोल गोंजालेंज चैन की जोड़ी के साथ होगी। मिश्रित युगल में भारत की तीन अन्य जोड़ियों को हार का सामना करना पड़ा। भारत की मिश्रित जोड़ी ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में मलयेशिया के हू पेंग रोन और सू यिन चेंग को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय जोड़ी ने 51 मिनट चले मुकाबले में 15-21, 21-12, 21-11 से जीत दर्ज की। ध्रुव और क्रास्टो की अगली भिड़ंत ताइवान की वेई ये और निकोल गोंजालेंज चैन की जोड़ी के साथ होगी। मिश्रित युगल में भारत की तीन अन्य जोड़ियों को हार का सामना करना पड़ा। सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियथ को तीसरी वरीयता की मलयेशियाई जोड़ी सून हुआत गोह और शेवन जेमी लेई ने हराया। असीथ सूर्या और अमरुथा भी मलयेशियाई प्रतिद्वंद्वी से 9-21, 11-21 हार गए। रोहन कपूर और रुतविका शिवानी ने 56 मिनट चले मुकाबले में 21-18, 17-21, 17-21 से मिली हार के पहले कड़ी टक्कर दी।

आईपीएल 2025: क्या धोनी पर ही है सीएसके की सारी जिम्मेदारी? केवल 2 गेंदबाज चल रहे, बल्लेबाजों ने भी लुटिया डुबोई

नई दिल्ली, एजेंसी। 5 बार की चैम्पियन चेन्नई सुपर किंग्स ने इस सीजन में अपने पिछले 4 मैच लगातार हारे हैं. 23 मार्च को जब चेन्नई ने मुंबई को अपनी होम वेन्यू पर हराया तो लगा कि इस बार कुछ अलग ही तरह से खेलेगी. लेकिन उसके बाद तो चेन्नई की टीम पर ऐसा ब्रेक लगा है कि उसने चार मैच गंवा दिए. पंजाब किंग्स के खिलाफ 8 अप्रैल को हुए मुकाबले में भी चेन्नई की टीम को 18 रनों से हार मिली. इस हार के बाद अब यह सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इस टीम को अचानक ऐसा क्या हो गया है कि वह ठीक-ठाक शुरुआत के बाद भी चूक जा रही है. 28 मार्च को (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के खिलाफ मुकाबले में महेंद्र सिंह धोनी नंबर 9 पर खेलने आए तो फैन्स ने उनको ट्रोल करना शुरू कर दिया. उसके बाद हुए मुकाबलों में धोनी ऊपरी क्रम पर भी खेलने आए. इसी बीच स्टीफन फ्लेमिंग का भी बयान आया जहां कहा गया कि धोनी के घुटनों की स्थिति पहले जैसी नहीं रही है, इस वजह से वह लास्ट ओवर्स में खुद चयन करते हैं.

लेकिन इन सबके बीच एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या 43 साल के धोनी पर ही चेन्नई सुपर किंग्स पूरी तरह से निर्भर है. क्योंकि शुरुआती 5 मैचों के जब हमने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाडियों के आंकड़े देखे तो कई चीजें चौंकाने वाली नजर आई. पंजाब के खिलाफ धोनी ने 12 गेंदों पर 27 रन बनाए.

विकेट टेकर गेंदबाज नहीं चल रहे

चेन्नई सुपर किंग्स की गेंदबाजी यूनिट की बात की जाए तो केवल नूर अहमद और खलील अहमद शानदार रहे हैं. नूर अहमद ने 5 मैचों में 11 विकेट लिए हैं, इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 8.33 और एवरेज 13.63 रहा है. वहीं खलील अहमद ने 4 मैचों में 10 विकेट लिए हैं. वहीं बेबी मिलिंगा के नाम से फेमस मथीशा पथिराना 4 मैचों में महज 5 विकेट झटक पाए हैं. वहीं अश्विन भी 5 मैचों में महज 5 विकेट ले सके हैं. जडेजा ने 5 मुकाबलों में केवल 2 विकेट लिए हैं. यानी एक बात साफ है कि पथिराना, अश्विन और जडेजा जैसे गेंदबाज उस लेवल पर विकेट नहीं ले पाए हैं,.

आईपीएल के पांच मैचों के बाद सीएसकेके बल्लेबाजी भी चिंताजनक है. खास बात यह है कि अब तक हुए (8 अप्रैल तक) आईपीएल 2025 के कुल 22 मैचों के बाद चेन्नई का कोई भी बल्लेबाज रन बनाने के मामले में टॉप 10 में नहीं हैं.

आईपीएल में रिटायर्ड आउट, 2021 तक एक भी बल्लेबाज ने ऐसा नहीं किया, इसके बाद पांच

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल में रिटायर्ड आउट दुर्लभ कदम है, जिसे टीमों ने खेल को अपने पक्ष में मोड़ने के लिए समय समय पर अपनाया है। लेकिन हैरानी की बात है कि 2008 से शुरू हुए आईपीएल में 2021 सीजन तक एक भी बल्लेबाज ऐसा नहीं था जिसने खुद का रिटायर्ड आऊट करवाया है। 2022 से लेकर अब तक पांच बल्लेबाज ऐसे हैं जोकि रन बनाने में सक्ष्म न होने के कारण खुद ही मैदान छोड़कर चले गए। पंजाब किंग्स बनाम चेन्नई सुपर किंग्स मुकाबले में कुछ ऐसी ही उदाहरण देखने को मिली। आईपीएल इतिहास मे अब तक पांच ही बल्लेबाज ने खुद ही मैदान छोड़ा है।

आर अश्विन बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स, वानखेड़े, 2022

भारतीय स्पिनर आर अश्विन आईपीएल इतिहास में पहले बल्लेबाज बने, जिन्हें रिटायर्ड आउट किया गया।

राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए, अश्विन ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 23 गेंदों पर 28 रन बनाए। पारी के अंतिम ओवरों में तेजी लाने के लिए, उन्होंने रियान पराग को मौका देने के लिए खुद को रिटायर्ड आउट कर लिया। इस रणनीति ने राजस्थान को तीन रनों से रोमांचक जीत दिलाई।

अथर्व ताइडे बनाम दिल्ली कैपिटल्स, धर्मशाला, 2023

पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज अथर्व ताइडे ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 42 गेंदों पर 55 रन बनाए। लेकिन तेजी से रन बनाने की जरूरत को देखते हुए, पंजाब ने उन्हें रिटायर्ड आउट कर जितेश शर्मा को मैदान पर भेजा। हालांकि, यह रणनीति काम नहीं आई और टीम 15 रनों से हार गई।

साई सुदर्शन बनाम मुंबई इंडियंस, अहमदाबाद, 2023

गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ क्वालिफायर 2 में 31 गेंदों पर 43 रन बनाए। शुभमन गिल के 129 रनों की शानदार पारी के बाद, पारी को और तेज करने के लिए सुदर्शन को 19वें ओवर में रिटायर्ड आउट किया गया। उनकी जगह आए राशिद खान ने आते ही चौका जड़ा, जिससे गुजरात 233/3 तक पहुंचा और फाइनल में जगह बनाई।

तिलक वर्मा बनाम लखनऊ सुपर जायंट्स, लखनऊ, 2025

मुंबई इंडियंस के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा ने हाल ही में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 23 गेंदों पर 25 रन बनाए। आखिरी ओवरों में तेजी लाने के लिए उन्हें रिटायर्ड आउट कर मिचेल सैंटनर को भेजा गया, लेकिन मुंबई 12 रनों से हार गई। यह कदम चर्चा का विषय बना।

डेवोन कॉनवे बनाम पंजाब किंग्स, मुल्लांपुर, 2025

चेन्नई सुपर किंग्स स्टार डेवोन कॉनवे पंजाब किंग्स के खिलाफ मुल्लांपुर में खेले गए मैच में रिटायर्ड आउट होने वाले नवीनतम बल्लेबाज रहे। पंजाब ने पहले खेलते हुए प्रियांश आर्य के 103 रन की बदौलत 219 रन बनाए थे। जवाब में चेन्नई की टीम 201 रन ही बना पाई। कॉनवे 18वें ओवर में रिटायर्ड आऊट हुए जब टीम को 49 रन जीत के लिए चाहिए थे। लेकिन चेन्नई 201 रन ही बना पाई और 18 रन से मुकाबला गंवा दिया।

केशव टाइम्स डिजिटल संस्करण

बक्सर, 10 अप्रैल 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

फर्जी निकली किंग में दीपिका के होने की खबर

- सिद्धार्थ की ट्वीट के बाद आया चौंकाने वाला अपडेट

पिछले करीब तीन दिनों से ऐसे दावे किए जा रहे हैं कि शाहरुख खान की आगामी फिल्म किंग में दीपिका पादुकोण की एंट्री हो गई है। फैंस इसे लेकर खुशी मनाने लगे। मगर, अब जो जानकारी आई है वो ये है कि खबर एकदम फर्जी है। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी परदे पर हमेशा कमाल करती है। फैंस के लिए तो यह मानो ट्रीट होती है, वहीं दीपिका के साथ शाहरुख की जोड़ी हो तो बॉक्स ऑफिस पर भी सफलता पक्की सी हो जाती है। किंग खान इन दिनों फिल्म किंग को लेकर चर्चा में हैं, जिसके जरिए उनकी बिटिया सुहाना बड़े परदे पर डेब्यू कर रही हैं। पिछले कुछ दिनों से मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि किंग में दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी। फैंस इस खबर पर खुशियां मनाने लगे। मगर, सच्चाई ये है कि किंग में दीपिका का मौजूदगी की खबर एकदम फर्जी है।

सिद्धार्थ के ट्वीट से साफ हुई तस्वीर

बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग में दीपिका के किरदार को लेकर भी पक्के दावे किए जाने लगे। कहा गया कि वे सुहाना खान की मां की भूमिका में दिखाई देंगी। मगर, इस फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने खुद इन खबरों का खंडन अपने एक ट्वीट से कर दिया है। एक ट्वीट उन्होंने कल सोमवार को साझा किया था। और अब आज मंगलवार 08 अप्रैल को भी एक ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने ज्यादा कुछ नहीं लिखा। सिर्फ यही लिखा है, खबर गलत है। इसी से साफ है कि उनका संदर्भ फिल्म किंग में दीपिका की मौजूदगी को लेकर है।

क्या परेश रावल ने बता दी ...
'हेरा फेरी 3' की रिलीज डेट?

परेश रावल का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में उन्होंने एक प्रशंसक के सवाल का जवाब दिया, जिससे लोग अटकलें लगाने लगे की अभिनेता ने 'हेरा फेरी 3' की रिलीज डेट को लेकर हिंट दिया है। 'हेरा फेरी फ्रेंचाइजी' की तीसरी किस्त आखिरकार अपने मूल कलाकारों अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी के साथ आ रही है। कहा जा रहा है कि प्रियदर्शन, जिन्होंने इसकी पहली किस्त का निर्देशन किया था। वह भी इससे वापसी कर रहे हैं। हर कोई इसका बेसब्री के साथ इंतजार कर रहा है। हाल ही में परेश रावल ने एक पोस्ट के जवाब में फिल्म से जुड़ा एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिंट दिया है। हाल ही में अभिनेता परेश रावल ने अंदाज अपना-अपना फिल्म के री-रिलीज का ट्रेलर शेयर किया। पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए एक फैन ने लिखा, हम बाबू भाई मिस्टर तेजा का इंतजार कर रहे हैं। इस पर रावल ने जवाब दिया, जल्द ही ! अगले मानसून से पहले ! परेश रावल के जवाब से नेटिजन्स ने अटकलें लगानी शुरू कर दी कि क्या उन्होंने 'हेरा फेरी 3' को लेकर अपडेट दी है? नेटिजन्स ने इस पर प्रतिक्रिया भी देनी शुरू कर दी है। वह मजेदार पोस्ट भी सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं।

नोरा को छोटे प्रशंसकों ने प्यार से किया सराबोर

नोरा फतेही सिर्फ एक ग्लोबल स्टार नहीं हैं जो अपनी अंतरराष्ट्रीय हिट स्नेक के साथ म्यूजिक चार्ट्स पर राज कर रही हैं, बल्कि वह अपने सबसे छोटे प्रशंसकों का दिल भी जीत रही हैं ! दिल को छू लेने वाला एक वीडियो जो अब वायरल हो रहा है। उसमें छोटे प्रशंसकों की एक समूह ने नोरा को घेर लिया और ढेर सारा प्यार दिया, जिसमें एक प्यारे बच्चे ने उन्हें अपने स्नेह के प्रतीक के रूप में ब्रेसलेट भी गिफ्ट किया है। यह पल गर्मजोशी से भरा हुआ था क्योंकि नोरा ने बच्चों के साथ बातचीत की, जो उनकी प्यारी ऊर्जा और वास्तविक उत्तेजना से स्पष्ट रूप से प्रभावित थे। हंसी, गले लगाना और स्नेक के लिए मासूम सराहना करते हुए, बच्चों की प्रतिक्रियाएं यह याद दिलाने वाली थीं कि नोरा का प्रभाव पीढ़ियों तक गहरी छाप छोड़ता है। नोरा फतेही ने इस अविस्मरणीय याद को साझा करने के लिए अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया, और कैप्शन में लिखा ओएमजी मैं सचमुच रो रही हूँ, उनमें से एक ने मुझे एक ब्रेसलेट दिया और उन्हें स्नेक बहुत पसंद आया ! कितना प्यारा पल था... इन खूबसूरत बच्चों ने मेरा साल बना दिया। उनका प्यार और ऊर्जा मुझे जीवन दे रही है ! वैश्विक मंचों से लेकर असल जीवन के प्रशंसक प्यार तक, नोरा यह साबित करती जा रही हैं कि उनका दर्शकों से जुड़ाव गहरा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया गया है, जिसमें प्रशंसक उनकी दयालुता की सराहना कर रहे हैं और इस पल को प्योर हैप्पीनेस कह रहे हैं। नोरा फतेही को कोई नहीं रोक सकता। बॉलीवुड दर्शकों को लुभाने से लेकर ग्लोबली ध्यान आकर्षित करने तक, वह अपने परफॉर्मेंस से इंडस्ट्री में छाई हुई हैं। हाल ही में उनकी उपस्थिति ने प्रतिष्ठित वैनिटी फेयर ऑस्कर आफ्टर-पार्टी में लोगों का ध्यान खींचा और सुर्खियाँ बटोरीं, जिससे वह हॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

प्रियंका ने पति निक जोनस को बताया शानदार कलाकार

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ऐसे कपल हैं, जो एक-दूसरे पर प्यार लुटाने और एक-दूसरे की तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। अब एक बार फिर प्रियंका ने अपने पति निक जोनस की तारीफ की है और उन्हें एक शानदार कलाकार बताया है। प्रियंका निक जोनस के साथ न्यूयॉर्क में 'द लास्ट फाइव इयर्स' के ब्रॉडवे डेब्यू में शामिल हुईं। इस समारोह की कई तस्वीरें अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। साथ ही शो के लिए पति निक की तारीफ भी की है।

प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर समारोह से जुड़ी कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में प्रियंका पति निक जोनस और शो की मुख्य अभिनेत्री एड्रिएन वॉरेन के साथ पोज दे रही हैं। इस दौरान प्रियंका ने पति निक पर प्यार भी लुटाया और उन्हें किस करते हुए भी एक फोटो साझा की है। इस पोस्ट को साझा करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, ब्रॉडवे पर 'द लास्ट फाइव ईयर्स' की ओपनिंग नाइट। वाकई शानदार कलाकारी। बधाई हो निक जोनस और शो की पूरी टीम व क्रू को।

बेटी मालती ने पापा के लिए बनाया पोस्टर

अपनी इस पोस्ट में प्रियंका ने बेटी मालती की एक प्यारी सी तस्वीर भी साझा की, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस तस्वीर में मालती एक पोस्टर बना रही हैं। जो उन्होंने अपने पिता निक जोनस को बधाई देने के लिए बनाया है। प्रियंका ने निक के लिए कार्ड बनाती मालती की ये तस्वीर भी शेयर की। दिल को छू लेने वाली यह तस्वीर कपल की शाम की तस्वीरों में शामिल हो गई और लोगों का दिल जीत रही है। प्रियंका की इस पोस्ट पर निक जोनस ने भी प्रतिक्रिया दी है। निक ने कमेंट सेक्शन में दिल वाला इमोजी बनाकर इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है।

सैफ पर हमला मामले में पुलिस ने दाखिल की 1000 पन्नों की चार्जशीट

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हुए हमले की घटना मामले में पुलिस को आरोपी के खिलाफ अहम सबूत मिले हैं। एक्टर पर इस साल जनवरी में उनके मुंबई के बांद्रा स्थित घर में एक हमलावर ने चाकू से वार किए। इस मामले में पुलिस को आरोपी शरीफुल इस्लाम के खिलाफ अहम सबूत मिले हैं। पुलिस ने 1000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। मुंबई की बांद्रा पुलिस ने इस मामले में बांद्रा कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में गिरफ्तार आरोपी शरीफुल इस्लाम के खिलाफ पुलिस को मिले कई सबूत शामिल हैं। यह चार्जशीट 1000 पन्नों से भी अधिक की है। इस चार्जशीट में फॉरेंसिक लैब की रिपोर्ट का भी जिक्र किया गया है।

क्राइम सीन से मिले अहम सबूत

मुंबई पुलिस के मुताबिक, चार्जशीट में बताया गया है कि क्राइम सीन पर सैफ अली खान के शरीर से और आरोपी के शरीर से मिले चाकू के टुकड़े एक ही चाकू के तीन टुकड़े हैं। साथ ही जांच के दौरान पुलिस को मिले आरोपी के बाएं हाथ के फिंगरप्रिंट रिपोर्ट का भी जिक्र किया गया है।

जनवरी में हुआ था हमला

आरोपी शरीफ को जनवरी में अभिनेता सैफ अली खान के बांद्रा स्थित घर में घुसकर कथित तौर पर चाकू घोंपने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने अदालत को बताया कि हमले के दौरान अभिनेता की रीढ़ के पास फंसा चाकू का टुकड़ा तथा घटनास्थल पर मिला एक हिस्सा शरीफ-उल से बरामद हथियार से मेल खाता है। बता दें कि चाकू से हमले की घटना के बाद सैफ लीलावती अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे। वहां उनकी सर्जरी हुई।

हिंदी फिल्म में फवाद खान के कमबैक विवाद पर मावरा ने तोड़ी चुप्पी

पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान जल्द अबीर गुलाल में नजर आएंगे। भारतीय फिल्म में फवाद की मौजूदगी का विरोध हो रहा है। इस पर पाकिस्तानी अदाकारा मावरा हुसैन ने प्रतिक्रिया दी है।

पाकिस्तानी कलाकारों की भारतीय फिल्मों में वापसी को लेकर इन दिनों विवाद चल रहा है। यह विवाद फिल्म अबीर गुलाल का टीजर रिलीज होने के बाद शुरू हुआ, जिसमें पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान और वाणी कपूर अहम रोल में हैं। कुछ जगह फिल्म का विरोध किया जा रहा है और इसकी रिलीज को बैन करने की बात कही जा रही है। फवाद खान और पाकिस्तानी कलाकारों की बॉलीवुड में वापसी पर चल रहे विवाद पर पाकिस्तानी अभिनेत्री मावरा हुसैन ने प्रतिक्रिया दी है।

कहा- मैं विरोध को पर्सनली नहीं लेती

फिल्म अबीर गुलाल की रिलीज के एलान के बाद से ही राज ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी मनसे भारत में इसकी रिलीज का विरोध कर रही है। वजह है इस फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान का होना। उनका कहना है कि वे इस फिल्म की रिलीज का विरोध करेंगे। एक इंटरव्यू में मावरा ने भारतीय फिल्मों में पाकिस्तानी कलाकारों के काम करने को लेकर हो रहे विरोध पर अपने विचार रखे हैं। उन्होंने कहा कि वे इस विरोध को निजी रूप से नहीं लेती हैं।

यह निर्माताओं का सिरदर्द है

मावरा हुसैन को हर्षवर्धन राणे अभिनीत फिल्म सनम तेरी कसम के लिए खासतौर से जाना जाता है। हाल ही में इस फिल्म की जब सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज किया गया, तो इसने जमकर कमाई की। मावरा ने कहा, मैं इसे निजी रूप से नहीं लेती हूं। दुनिया इसी

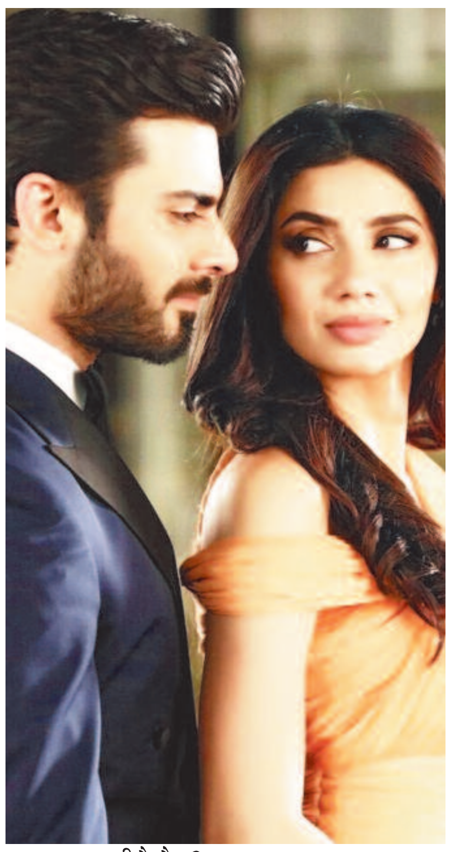

तरह काम करती है, है न?

मुझे सच में यकीन है कि अगर कुछ होना है, तो वह होगा। मैं अपने काम के आसपास होने वाले शोर को रोकती हूं। मुझे जो पसंद है, उसे करती हूं। इसलिए, इन चीजों का मुझ पर असर नहीं होता। दरअसल, हकीकत में यह प्रोड्यूसर का सिरदर्द है। दुखद है, लेकिन यह उनकी समस्या है।

देश में अशिक्षा है सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दाः संजना सांघी

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की यूथ चैंपियन अभिनेत्री संजना सांघी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। अभिनेत्री का मानना है कि अशिक्षा ही हमारे देश में सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा है। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय काम के अनुभव पर भी बात की। संजना ने बताया कि उन्हें किस बात ने प्रेरित किया। सांघी ने कहा, मुझे याद है कि मैंने एम्मा वाटसन को यूएन में बोलते हुए देखा था और मेरे पर वहीं से प्रभाव पड़ा। बच्चों को पढ़ाने से मुझे उनसे जुड़ाव का एहसास हुआ। आखिरकार, मैंने वॉलंटियर्स को सलाह देना शुरू कर दिया और उस पहल को आगे बढ़ाया। मेरा सपना एक ऐसे संगठन के निर्माण करने का है, जहां हमारे देश में कोई भी अशिक्षित न हो, मुझे लगता है कि शिक्षा की कमी हमारे देश में सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा है। सांघी का मानना ??है कि शिक्षा से जेंडर और वेतन असमानता तथा स्वास्थ्य जागरूकता की कमी जैसे कई मुद्दों का समाधान हो सकता है। संजना ने आगे कहा, शिक्षा की कमी हमारे सामने आने वाले बड़े मुद्दों की जड़ है। इसे हल करें और आप लिंग और वेतन असमानता, मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता, महिला अधिकार जैसे विषयों पर खुलकर बात कर सकेंगे। दुर्भाग्य से लॉकडाउन में अध्ययनों से पता चलता है कि 10 मिलियन लड़कियों को स्कूल छोड़ने और घर में रहने के लिए मजबूर किया गया। वहीं, लड़कों की संख्या एक मिलियन से कम थी। शुरुआती सफलता और चुनौतियों से निपटने के बारे में उन्होंने बताया, ओम का बॉक्स ऑफिस पर सकारात्मक प्रदर्शन न करने से मुझे एहसास हुआ कि प्रक्रिया ही पुरस्कार है। उन्होंने आगे बताया, मुझे याद है कि मैंने शुक्रवार को रिलीज के जश्न के लिए अपने सभी दोस्तों को बुलाया था, क्योंकि यह एक ऐसी यात्रा थी, जिसका मैंने बहुत आनंद लिया और यह मेरे लिए एक अनुभव के रूप में एक मजेदार यात्रा थी।

साभार एजेंसी